हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 08.01.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 164 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : 3 रुपये 2 रुपये

एक नजर

कैबिनेट की बैठक कल, अहम प्रस्ताव पर लगेगी मुहर

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक नौ जनवरी को होगी। यह जानकारी मंत्रिमंडल सचिवालय व निगरानी विभाग (समन्वय) ने दी। कैबिनेट की बैठक शाम 4 बजे से प्रोजेक्ट भवन में शुरू होगी। जानकारी के अनुसार बैठक में ऊर्जा, पथ, कृषि सहित कई विभागों के प्रस्तावों को मंजूरी मिल सकती है।

असम भाजपा के वरिष्ठ नेता कबींद्र पुरकायस्थ का निधन

सिलचर : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री कबींद्र पुरकायस्थ का आज यहां निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। वह पिछले कुछ समय से बीमार थे और उनका उपचार सिलचर मेडिकल कॉलेज में चल रहा था जहां बुधवार शाम करीब पांच बजे उनका निधन हो गया। लखीमपुर के सांसद प्रधान बरुवा और असम सरकार के शिक्षा मंत्री रनोज पेगुई ने 'एक्स' पर यह जानकारी साझा की। वरिष्ठ भाजपा नेता के निधन की खबर मिलते ही विभिन्न राजनीतिक नेता-कर्मियों के अलावा शुभचिंतक सिलचर मेडिकल कॉलेज में इकट्ठा हो गए हैं।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष से आतिशी की सदस्यता रद करने की मांग

नयी दिल्ली : दिल्ली के कैबिनेट मंत्रियों और विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के मुख्य सचेतक अभय वर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर नेता प्रतिपक्ष आतिशी की सदस्यता रद करने और आपराधिक मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग की है। कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों को बताया कि आज विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को मुख्य सचेतक अभय वर्मा और मंत्रियों ने मिलकर एक पत्र लिखा है। सिरसा ने कहा कि विधानसभा सदन में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने अपनी सीट से खड़े होकर श्री गुरु तेग बहादुर जी के बारे में जो वक्तव्य दिया, वह अभद्र, शर्मनाक और मर्यादाहीन था।

नोआमुंडी में हाथियों का कहर, एक ही रात में छह लोगों की ली जान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के अति नक्सल प्रभावित कत्र नोआमुंडी प्रखंड अंतर्गत जेटेया पंचायत के बाबरिया गांव से मंगलवार रात एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने पूरे कोल्हान क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

मंगलवार की रात जंगली हाथी के अचानक हुए हमले में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

इस घटना में पति-पत्नी और उनके तीन मासूम बच्चों ने अपनी जान गंवा दी, जबकि परिवार का केवल एक बच्चा किसी तरह बच पाया। वही इस घटना की वन विभाग की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र होने के कारण यहां बुधवार सुबह तक वनविभाग के लोग नहीं पहुंच पाए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतकों में सनातन मेराल, उनकी पत्नी जोंकों कुई, उनके दो छोटे बच्चे तथा उसी गांव के मोगदा लागुरी शामिल हैं। बताया जाता है कि सभी लोग रात के समय अपने घर में सो रहे थे, तभी जंगली हाथी ने घर को तोड़ते हुए हमला कर दिया। एक ही घर में माता-पिता और बच्चों के शवों को देखकर गांव वालों की रूह कांप उठी। घटना के बाद बाबरिया गांव में मातम पसरा है और हर आंख नम है। हाथी का आतंक केवल बाबरिया गांव तक सीमित नहीं रहा। इसी दौरान बड़ा पासीया गांव में भी एक ग्रामीण की जान चली गई, जबकि लांपाईसाई गांव में एक अन्य ग्रामीण को हाथी ने रौंदकर मार डाला। इन दोनों गांवों में मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है, लेकिन घटनाओं का तरीका एक जैसा है—रात का समय, घर के भीतर सोते ग्रामीण और अचानक मौत। स्थानीय लोगों के अनुसार बीते दस दिनों में कोल्हान और सारंडा क्षेत्र में हाथी के हमलों से 20 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक न तो किसी आपात स्थिति की घोषणा हुई है और न ही कोई ठोस व प्रभावी कार्रवाई नजर आ रही है। इससे ग्रामीणों में गहरा आक्रोश और भय व्याप्त है।

कोल्हान, सारंडा और आसपास के वनवर्ती गांवों में हालात बेहद भयावह हो चुके हैं। कई गांवों के लोग रात होते ही अपने घर छोड़ने को मजबूर हैं। बुंडू जैसे इलाकों के ग्रामीण जान बचाने के लिए रोवाम और अन्य अपेक्षाकृत सुरक्षित गांवों में शरण ले रहे हैं। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग ठंड के इस मौसम में खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर हैं।

चान्हो में हाथियों के झुंड ने छह से अधिक घर तोड़े, फसलें रौंदी

चान्हो : प्रखंड की बेयासी पंचायत के कई गांवों में मंगलवार की रात हाथियों के झुंड ने काफी नुकसान पहुंचाया। हाथियों के झुंड ने गोके गांव और मदई के गुड़गुड़िया टोली में छह से अधिक घरों को तोड़ दिया और घर के अंदर रखा अनाज भी खा गए। इसके अतिरिक्त हाथियों ने कई किसानों के खेतों में लगी गेहूं, मटर, सरसों और आलू की फसलों को भी नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों के अनुसार, हाथियों का झुंड अब भी गोके गांव के पास सिसई जंगल में डेरा डाले हुए है। इससे पहले सोमवार की रात हाथियों के झुंड ने कंजगी गांव में उत्पात मचाया था। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में स्थायी लाइट की व्यवस्था और हाथियों की निगरानी की मांग की है। साथ ही पीड़ित परिवारों को जल्द मुआवजा दिलाने की मांग की गई है। वन विभाग के अनुसार, वे हाथियों पर नजर बनाए हुए हैं और उन्हें उनके कॉरिडोर में पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

दावोस में पहली बार गूंजेगा झारखण्ड से जोहार

पहली बार दावोस में एक आदिवासी जनप्रतिनिधि के रूप में हेमन्त सोरेन की दर्ज होगी उपस्थिति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : यह पहला अवसर होगा, जब 19 से 23 जनवरी 2026 तक दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक में झारखण्ड से 'जोहार' की गूंज सुनाई देगी एवं एक आदिवासी जनप्रतिनिधि के रूप में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति दर्ज होगी। झारखण्ड इसके जरिए क्रिटिकल मिनरल्स, खनन, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चर, इलेक्ट्रॉनिक व्हीकल और ऑटोमोबाइल, अक्षय ऊर्जा, वस्त्र निर्माण, पर्यटन और वनोत्पाद जैसे क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं और सरकार से मिलने वाले सहयोग की जानकारी साझा करने के प्रयासों को तेज करते हुए विजन 2050 की ओर कदम बढ़ा रहा है। यही वजह है कि इन कदमों को मजबूती देने, झारखण्ड को विश्व पटल पर लाने एवं देश में अग्रणी राज्यों में झारखण्ड को शामिल करने के लिए झारखण्ड का प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड स्थित दावोस में आयोजित डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में शामिल होने जा रहा है। मुख्यमंत्री की दावोस यात्रा का उद्देश्य निवेश की संभावनाओं से लबरेज झारखण्ड को एक प्रमुख निवेश का गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करना, वैश्विक उद्योग जगत के शीर्ष लोगों के साथ संवाद स्थापित करना और राज्य के फोकस एरिया में निवेश के नए अवसरों को आगे बढ़ाना है। इस दौरान बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ निवेश के प्रस्तावों पर चर्चा तथा झारखण्ड की छवि को infinite opportunity state के रूप में प्रस्तुत करने पर विशेष फोकस रहेगा।

इस बैठक में भारत की ओर से केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल एवं अन्य राज्यों का प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा। इस बैठक के लिए इंडिया पवेलियन में केंद्र सरकार द्वारा झारखण्ड समेत देश के छह राज्यों को चुना गया है। झारखण्ड GROWTH IN HARMONY WITH NATURE के थीम के साथ इस बैठक में मौजूद रहेगा। बैठक में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हो सकते हैं, इसके अतिरिक्त दुनिया भर के करीब 130 देशों के लगभग 3,000 प्रतिनिधि दावोस 2026 में भाग लेंगे। विश्व आर्थिक मंच 2026 का विषय 'ए स्पिरिट ऑफ डायलॉग' और 'अनलॉकिंग न्यू सोर्सेस ऑफ ग्रोथ' रखा गया है, जिसके अंतर्गत वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

सुकमा में 26 नक्सलियों ने किया सरेंडर 13 माओवादियों पर था 65 लाख का इनाम

एजेंसी

सुकमा : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 26 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। सरेंडर करने वाले माओवादियों में 13 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम था। सुकमा के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि इन कैडरों में सात महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्होंने "पूना मार्गेम" पहल के तहत आत्मसमर्पण किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि ये लोग माओवादियों की पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी बटालियन, दक्षिण बस्तर डिवीजन, माड़ डिवीजन और आंध्र ओडिशा सीमा डिवीजन में सक्रिय थे और अबूझमाड़, छत्तीसगढ़ के सुकमा और ओडिशा के सीमावर्ती इलाकों में कई घटनाओं में शामिल थे। ये माओवादी राज्य सरकार की आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति से प्रभावित थे जिसके तहत आत्मसमर्पण किया है।

लाली उर्फ मुचाकी पर था दस लाख का इनाम

लाली उर्फ मुचाकी आयते लखमू (35), जो एक कंपनी पार्टी समिति की सदस्य थी इस पर 10 लाख रुपये का इनाम था। मुचाकी हिंसा की कई बड़ी घटनाओं में शामिल थी, जिसमें 2017 में कोरापुट रोड (ओडिशा) पर एक वाहन को निशाना बनाकर आईईडी विस्फोट करना भी शामिल है, जिसमें 14 सुरक्षाकर्मियों की मौत हुई थी। चार अन्य प्रमुख कैडर - हेमला लखमा, अस्मिता उर्फ कमलू सन्नी, रामबती उर्फ पदम जोगी और सुंदरम पाले इन चारों पर आठ-आठ लाख रुपये का इनाम था।

2020 के मिनपा हमले में शामिल था लखमा

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि लखमा 2020 के मिनपा हमले में शामिल था, जिसमें 17 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई थी। आत्मसमर्पण करने वाले अन्य कैडरों में से तीन पर 5-5 लाख रुपये का इनाम था, एक कैडर पर तीन लाख रुपये, एक कैडर पर दो लाख रुपये और तीन कैडरों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम था। आत्मसमर्पण करने वाले सभी नक्सलियों को 50,000 रुपये की सहायता दी गई है और उन्हें सरकार की नीति के अनुसार आगे पुनर्वासित किया जाएगा।

तुर्कमान गेट में ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान झड़प, दस लोग पुलिस की हिरासत में

उपद्रवियों के नाम आए सामने, बलवा-पथराव की लगीं धाराएं, सपा सांसद की भूमिका पर जांच शुरू

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट इलाके में ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद 10 लोगों को हिरासत में लेकर मामला दर्ज किया है। यह घटना बुधवार तड़के फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास हुई। यह कार्रवाई नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गयी, जिसका उद्देश्य रामलीला मैदान की 400 गज भूमि पर बने अवैध ढांचे को हटाना था। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात ध्वस्तीकरण के दौरान उग्र भीड़ ने पुलिस और एमसीडी टीम पर पत्थर और ईंटें फेंकी। मौके से सामने आए वीडियो में कुछ लोग पुलिसकर्मियों पर हमला करते दिखाई दिए। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज

करना पड़ा और आंसू गैस के गोले दागे गए। इसके बाद अतिक्रमित क्षेत्र को खाली करा लिया गया।

दिल्ली के तुर्कमान गेट स्थित मस्जिद फैज-ए-इलाही पर हाईकोर्ट के आदेश के बाद नगर निगम की कार्रवाई के दौरान हुए बवाल के मामले में पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है, अभी तक पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपियों के नाम सामने आए हैं। साथ ही डीसीपी सेंट्रल निधिन वल्सन ने बताया कि पुलिस सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी की भूमिका की जांच कर रही है, इन पर भीड़ को उकसाने का आरोप है। मध्य रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त मधुर वर्मा द्वारा जारी बयान में कहा गया कि ध्वस्तीकरण से पहले कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे। पूरे इलाके को नौ उप-क्षेत्रों में विभाजित किया गया था, जिनमें प्रत्येक की निगरानी एक वरिष्ठ अधिकारी कर रहा था। शांति बनाए रखने के लिए अमन समिति सहित स्थानीय हितधारकों के साथ पूर्व में समन्वय बैठकें भी की गयी थीं। बयान में बताया गया कि ध्वस्तीकरण के दौरान कुछ शरारती तत्वों ने पत्थरबाजी कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की, लेकिन स्थिति को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया। पुलिस ने न्यूनतम और संतुलित बल प्रयोग करते हुए हालात पर काबू पाया और बिना किसी बड़े टकराव के सामान्य स्थिति बहाल कर दी। दिल्ली पुलिस ने कहा कि वह न्यायालय के निर्देशों को कानून के दायरे में रहकर और संवेदनशीलता के साथ लागू करने तथा सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए लोगों में से तीन की पहचान मोहम्मद आरिब (25), मोहम्मद कैफ (23) और मोहम्मद काशिफ (25) के रूप में की है। सभी तुर्कमान गेट निवासी हैं।

मोदी-नेतन्याहू ने रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने और आतंकवाद के खिलाफ साझा मोर्चे का संकल्प दोहराया

एजेंसी

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया में जारी अस्थिर हालात के बीच भारत और इजराइल ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने और रणनीतिक साझेदारी और मजबूत करने का संकल्प दोहराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच बुधवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फोन कॉल प्राप्त हुआ। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को नए साल की शुभकामनाएं दीं और भारत-इजराइल की जनता के लिए शांति

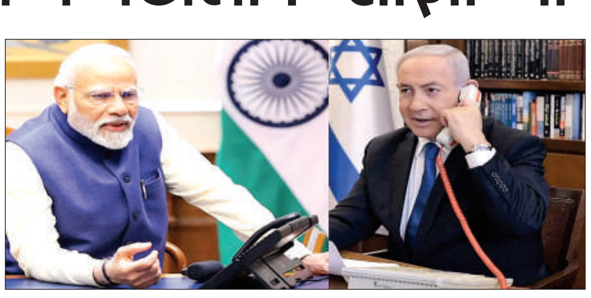

और समृद्धि की कामना की। बातचीत के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों ने वर्ष 2026 में भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी और सुदृढ़ करने के लिए साझा प्राथमिकताओं की पहचान की।

उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों, गहरे आपसी विश्वास और भविष्य उन्मुख दृष्टिकोण के आधार पर द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति दोहराई और इस वैश्विक खतरे के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी को गाजा शांति योजना के क्रियान्वयन की जानकारी दी। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में न्यायसंगत और स्थायी शांति के प्रयासों के प्रति भारत के निरंतर समर्थन की पुनः पुष्टि की। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। मौजूदा क्षेत्रीय हालात, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्र में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे विषयों पर भारत की करीबी निगरानी का भी उल्लेख किया गया। दोनों नेताओं ने भविष्य में भी संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई।

इसके बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, अपने मित्र प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात कर उन्हें और इजराइल की जनता को नए साल की शुभकामनाएं दीं। हमने आने वाले वर्ष में भारत-इजराइल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। क्षेत्रीय स्थिति पर विचार-विमर्श किया और आतंकवाद के खिलाफ साझा संकल्प को और दृढ़ किया। नवंबर 2025 में दिल्ली के लाल किले के पास हुए संदिग्ध धमाके के बाद सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए इस दौरे को टाला गया था, जिससे दोनों देशों के संबंधों के भविष्य पर अटकलें लगने लगी थीं। हालांकि, एक महीने के भीतर दूसरी बार हुई इस फोन वार्ता (पिछली वार्ता 10 दिसंबर 2025) ने उन तमाम कयासों पर विराम लगा दिया है।

झारखंड में ठंड का कहर, तोरपा में 2.1 डिग्री तक गिरा पारा, शीतलहर का येलो अलर्ट जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड इन दिनों प्रचंड ठंड की चपेट में है। ठंड की तीव्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि खूंटी जिले के तोरपा में न्यूनतम तापमान गिरकर 2.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। कांके में न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री और लोहरदगा में 3.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। राज्य के कई जिलों में शीतलहर के कारण लोग ठिठुरने को मजबूर हैं। सुबह और शाम कड़ाके की ठंड के चलते लोग अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। शाम ढलते ही राजधानी रांची की सड़कों पर वाहनों का आवागमन कम हो गया है। वहीं, गरीब तबके और सड़कों के किनारे दुकान लगाने वाले लोग

अलाव जलाकर ठंड से बचाव कर रहे हैं।

मौसम विभाग ने गुरुवार तक राज्य के दक्षिणी, पश्चिमी और इससे सटे मध्यवर्ती जिलों में कहीं-कहीं शीतलहर चलने की संभावना जताई है। इसे लेकर विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार तक तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद शनिवार से न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में, जबकि सबसे कम तापमान 2.1 डिग्री सेल्सियस तोरपा में रिकॉर्ड किया गया।

हेसला टोला में आजीविका संसाधन केंद्र का उद्घाटन ग्रामीण महिलाओं को मिलेगा आर्थिक सशक्तिकरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : झारखंड स्टेट लाइवलिहूड़ प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के तत्वावधान में एकीकृत कृषि संकुल योजना के अंतर्गत आजीविका संसाधन केंद्र का उद्घाटन हेसला टोला, जराद गाँव में संपन्न हुआ। इस केंद्र का विधिवत उद्घाटन बड़कागाँव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रौशन लाल चौधरी ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विधायक रौशन लाल चौधरी ने कहा कि आजीविका संसाधन केंद्र ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि कृषि, पशुपालन, मछलीपालन एवं गैर-कृषि गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का जेएसएलपीएस का प्रयास सराहनीय है। इस केंद्र के माध्यम से स्थानीय स्तर पर ही किसानों और महिला समूहों को तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध होंगे, जिससे उनकी आय में स्थायी वृद्धि संभव हो सकेगी। इस आजीविका संसाधन केंद्र के माध्यम से आराशाह, किन्नी, गेगदा एवं जराद–इन कुल चार गाँवों से चयनित 300 महिला किसानों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़ा गया है। चयनित महिलाएँ पशुपालन, कृषि, गैर-कृषि उद्यम, मछलीपालन एवं अन्य रोजगारपरक गतिविधियों के माध्यम से अपनी आय बढ़ा सकेंगी। यह केंद्र न केवल उत्पादन बढ़ाने में सहायक होगा, बल्कि महिलाओं को बाजार से जोड़ने और उद्यमिता विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आजीविका संसाधन केंद्र से जुड़ी प्रमुख सेवाओं की जानकारी देते हुए जेएसएलपीएस से प्रखण्ड परियोजना पदाधिकारी अभिषेक कुमार वर्मा ने बताया कि यहाँ मिट्टी जांच, कृषि एवं पशुपालन प्रशिक्षण, उर्वरक एवं कीटनाशक की उपलब्धता, कृमिकरण एवं पशु टीकाकरण, गुणवत्तापूर्ण बीज वितरण, कृषि मशीनीकरण एवं औजार, प्रसंस्करण सुविधा तथा उद्यमिता विकास जैसी सेवाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे किसानों को दूर-दराज भटकने की आवश्यकता नहीं होगी और समय एवं लागत दोनों की बचत होगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सुरेन्द्र करमाली (सांसद प्रतिनिधि), राजा राम प्रजापति (जिला परिषद सदस्य), डोली देवी (भूतपूर्व जिला परिषद सदस्य), किरण देवी (मुखिया, लबगा पंचायत), कृतिलता कच्छप (पंचायत समिति सदस्य, लबगा), किशोर कुमार महतो (मुखिया, कटियाबस्ती), लालू महतो (समाजसेवी, लबगा) तथा भूनेश्वर सिंह (समाजसेवी) उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने केंद्र की स्थापना को ग्रामीण विकास की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए जेएसएलपीएस की टीम को बधाई दी। इस अवसर पर प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबन्धक पुरुषोत्तम कुमार सिन्हा, एफटीसी प्रेमचंद कोटवार, एफटीसी सुंदर लाल बेदिया, सीसी बिरेन्द्र कुमार, आईपीआरपी ललिता देवी, सीएलएफ अध्यक्ष कविता देवी, कोषाध्यक्ष सबीता देवी, आईएफसी एंकर पिंकी देवी, सीआरपी हेमंती देवी, पूनम देवी, देवन्ती देवी, ललिता देवी, इन्दु देवी, सुमंती देवी सहित बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूहों की दीदियाँ उपस्थित रहीं।

विष्णुगढ़ के बनासो गांव में भीषण अग्निकांड, एक घर जलकर खाक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विष्णुगढ़ प्रखंड अंतर्गत ग्राम बनासो में एक घर में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, हालांकि तब तक घर में रखा घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। अग्निकांड में भारी आर्थिक क्षति की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना प्रशासन को दे दी गई है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। राहत एवं सहायता को लेकर पीड़ित परिवार को मदद दिलाने की मांग ग्रामीणों द्वारा की जा रही है।

बरसोत में टीकाकरण के बाद चार माह के शिशु की संदिग्ध मौत, स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड के बरसोत गांव में टीकाकरण के बाद चार माह के शिशु की हुई संदिग्ध मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग गंभीर नजर आया है। मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग की एक टीम बरसोत गांव पहुंची और मृतक शिशु के परिजनों से मुलाकात कर घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी एकत्र की। जांच टीम ने परिजनों से शिशु के टीकाकरण का समय, उसके बाद दिखाई देने वाले लक्षण, तबीयत बिगड़ने की अवधि तथा इलाज के लिए ले जाए गए अस्पताल से संबंधित जानकारियां लीं। परिजनों ने बताया कि टीकाकरण के कुछ समय बाद ही शिशु की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी, जिसके बाद उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि टीकाकरण के बाद शिशु की देखभाल को लेकर कोई विशेष सलाह या दवा की जानकारी नहीं दी गई थी। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान टीम ने यह भी स्पष्ट किया कि टीकाकरण के बाद शिशु की स्थिति में आए बदलावों को गंभीरता से लिया जा रहा है। टीम में मेडिकल ऑफिसर डॉ. दीपक, डीएमसीएचओ, कोल्ड चेन हैंडलर सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे। मौके पर स्थानीय मुखिया एवं ग्रामीण भी मौजूद रहे।

शहीद मंजूरुल हसन मेमोरियल फाउंडेशन ने कड़कड़ाती ठंड में गरीबों को बांटे कंबल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रजरप्पा : शहीद मंजूरुल हसन मेमोरियल फाउंडेशन ने कड़कड़ाती ठंड में लाचार और गरीबों की मदद के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बुधवार को चितरपुर स्थित जामा मस्जिद, यासीन मंज़िल के निकट आयोजित एक कार्यक्रम में फाउंडेशन ने शहीद मंजूरुल हसन खान की स्मृति में कंबल वितरण किया। इस अवसर पर फाउंडेशन के सचिव जुल्फीकार खान ने कहा, शहीद मंजूरुल हसन खान का सपना समाज सेवा और मानवता की भलाई का था। उनकी याद में आयोजित यह कार्यक्रम उन्हीं के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का एक प्रयास है।₹ उन्होंने बताया कि सर्दी से काँपते बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को कंबल बाँटकर उन्हें ठंड से राहत पहुँचाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य था। जुल्फीकार खान ने आगे कहा, ₹यह सेवा-कार्य हमारी निरंतर सामाजिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। हमारा प्रयास है कि समाज के हर वर्ग तक, खासकर उपेक्षित तबके तक, सहायता पहुँचे।₹ स्थानीय निवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समय पर और जरूरतमंदों के लिए वरदान बताया। उन्होंने फाउंडेशन के इस नेक काम के लिए आभार व्यक्त किया। शहीद मंजूरुल हसन मेमोरियल फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आपदा राहत के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है और भविष्य में भी ऐसे समाज कल्याण के कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। फाउंडेशन के सदस्यों ने कंबल वितरण के दौरान लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इस अवसर पर फाउंडेशन के कुरैसा खातून, निगार बेगम, अफरोजा, जूही परवीन, मोहम्मद अली, हैदर अली, मुजाहिद अनवर और सज्जाद अहमद सहित कई लोग उपस्थित थे। सभी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। शहीद मंजूरुल हसन मेमोरियल फाउंडेशन की यह पहल समाज के प्रति उनकी समर्पण और सेवा भावना को दशार्ती है। उम्मीद है कि भविष्य में भी फाउंडेशन ऐसे ही समाज कल्याण के कार्य करती रहेगी और लोगों की मदद के लिए हमेशा आगे आएगी।

चौपारण सीएचसी परिसर में मुखिया प्रतिनिधि के सौजन्य से अलाव की व्यवस्था

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड में लगातार बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए जनप्रतिनिधियों द्वारा आमजन की सुविधा के लिए सराहनीय पहल की जा रही है। इसी क्रम में चौपारण पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि बिनोद कुमार सिंह के सौजन्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौपारण परिसर में ठंड से बचाव के लिए सूखी लकड़ियों की व्यवस्था कराई गई है। इस व्यवस्था का लाभ अस्पताल में इलाज कराने आने वाले मरीजों, उनके परिजनों के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मियों को भी मिल रहा है। कड़ाके की ठंड के बीच अलाव की सुविधा मिलने से लोगों को काफी राहत महसूस हो रही है। अस्पताल परिसर में सुबह-शाम मरीजों की आवाजाही अधिक रहती है, ऐसे में ठंड से बचाव की यह पहल अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है। मुखिया प्रतिनिधि बिनोद कुमार सिंह ने बताया कि शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए जरूरतमंदों की सहायता करना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आगे भी पंचायत स्तर पर ठंड से बचाव के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण परेशानी में न पड़े। स्थानीय लोगों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने इस पहल की सराहना करते हुए मुखिया प्रतिनिधि के प्रति आभार व्यक्त किया है।

गोला में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला, विधायक ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोला : बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गोला में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के तहत प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रामगढ़ की लोकप्रिय विधायक ममता देवी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक ममता देवी के द्वारा विधिवत दीप प्रज्वलन कर किया गया। विधायक ममता देवी ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे स्वास्थ्य मेलों के माध्यम से आम जनता को एक ही स्थान पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, जांच एवं जागरूकता का लाभ मिलता है, जो ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मेला का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। प्रखंड विकास पदाधिकारी सुधा वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य मेला में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, जिसमें मुक्त जांच, परामर्श और दवाओं का वितरण शामिल है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ आशुतोष त्रिपाठी ने कहा कि स्वास्थ्य मेला में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद है, जो लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में परामर्श दे रही है। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि स्वास्थ्य विभाग कमलेश कुमार महतो, प्रखण्ड अध्यक्ष संतोष सोनी, गुलाम सरवर, डॉ शमीम अख्तर, डॉ अरविन्द कुमार, डॉ विष्णु प्रकाश, डॉ अपराजिता कुमारी, डॉ राजीव कुमार, डॉ नीरज सिंह, डॉ मोहित कुमार, डॉ पल्लवी, डॉ फारुक, डॉ साहिल वर्मा, विनय उरांव, देव कुमार, मनोज महतो, मधु कुमारी, गौरी शंकर महतो, तस्लीम अहमद, सगीर अंसारी सहित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, पार्टी के पदाधिकारी समेत स्वास्थ सहिया व सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। स्वास्थ्य मेला में विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही थीं, जिसमें मुक्त जांच, परामर्श और दवाओं का वितरण शामिल था। स्वास्थ्य मेला में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद थी, जो लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में परामर्श दे रही थी। स्वास्थ्य मेला में आयुष्मान कार्ड बनाने की भी सुविधा थी, जिसका लोगों ने जमकर लाभ उठाया। स्वास्थ्य मेला का आयोजन राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के तहत किया गया था। कार्यक्रम का संचालन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वास्थ्य मेला के आयोजन के लिए स्वास्थ्य विभाग की सराहना की।

एक नजर

स्कॉर्पियो उड़ा ले गए चोर, छानबीन में जुटी पुलिस

बरही : बरही थाना क्षेत्र में वाहन चोरी की एक और घटना सामने आई है। बिलोतिया मोड़ के समीप से अज्ञात चोरों ने एक स्कॉर्पियो वाहन चोरी कर ली। घटना की जानकारी वाहन मालिक ललिता कुमारी पति तुलसी यादव ने बरही पुलिस को दी है। अपने आवेदन में कहा है कि वह बरही बाइपास के पास इंद्रदेव यादव के मकान में रहती हैं। 5 जनवरी की रात 8:30 बजे उसके पति तुलसी यादव भाड़े के घर के पास स्कार्पियो खड़ा कर सोने के लिए चले गए। रात दो बजे उनके स्कार्पियो के स्टार्ट होने की आवाज पर दोनों पति-पत्नी बाहर निकले तो देखा कि चोर उनकी गाड़ी को ले जा रहे हैं। उन्होंने बहुत शोर मचाया लेकिन चोर गाड़ी लेकर भाग गए। पुलिस ललिता कुमारी के आवेदन पर स्कार्पियो की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। इस संबंध में प्रभारी थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दो टीम वाहन के तलाश में जुटी है।

बरही में पंसस मो. तैयब ने जरूरतमंदों के बीच बांटे 25 कंबल

बरही : कड़ाके की ठंड को देखते हुए झारखंड सरकार की पहल पर रसोईया धमना में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद तैयब ने 25 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। इस अवसर पर पंसस मो. तैयब ने कहा कि ठंड के इस कठिन मौसम में सरकार द्वारा की जा रही यह पहल गरीब एवं असहाय लोगों के लिए काफी राहत देने वाली है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाना जनप्रतिनिधियों का दायित्व है और आगे भी ऐसे कार्य निरंतर करता रहूंगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने झारखंड सरकार एवं मो. तैयब अंसारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कंबल मिलने से ठंड से राहत मिलेगी। मौके पर कई ग्रामीण एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

चलकुशा में चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था लोगों को ठंड से राहत

चलकुशा : प्रखण्ड अंचल अधिकारी नवीन भूषण कुलु और पंचायत समिति प्रतिनिधि उमेश साव की ओर से कड़कती ठंड को देखते हुए चांदनी चौक (चलकुशा) पर अलाव की व्यवस्था कराई गई अंचल अधिकारी ने कहा बढ़ती ठंड को देखते हुए लोगों को सतर्कत बरतनी चाहिए और गर्म कपड़े पहनने चाहिए। जिससे ठंड से बचा जा सके साथ ही उन्होंने कहा ठंड में बच्चे और बुजुर्गों को ठंड से बचना चाहिए और सुबह और शाम अलाव जलाकर सिकाई करें और जहां तक हो सके गर्म पानी पीएं वहीं पंचायत समिति प्रतिनिधि उमेश साव ने कहा कि हमलोगों के क्षेत्र में लगातार कुछ दिनों से ठंड बढ़ी हुई है। जिससे जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है। इस कड़कती हुई ठंड में हमें बचना अति आवश्यक है। साथ ही उन्होंने कहा कि हमलोगों बहुत जल्द कंबल का भी वितरण करेंगे जिससे आम जनो को ठंड से राहत मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

अर्जुन मुंडा का सासंद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में बरही में हुआ स्वागत

बरही : झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा का बरही चौक पर सांसद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने स्वागत किया। सांसद मनीष जायसवाल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर नव वर्ष की शुभकामनाएं दी और उनके नेतृत्व में भाजपा के सांगठनिक मजबूती के लिए प्रशंसा की। पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा का स्वागत करने वालों में जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता, भाजपा नेता रंजीत चंद्रवंशी, अमित साहू, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता समेत भाजपा के अनेक कार्यकर्ता शामिल थे। फोटो बरही पी1: बरही चौक पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा का स्वागत करते सांसद समेत भाजपा कार्यकर्ता।

विधायक के सुपुत्र रितिक चौधरी ने केरेडारी के पत्रकारों से की मुलाकात

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड (हजारीबाग) केरेडारी प्रखंड के प्रेस क्लब में आए बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के वर्तमान विधायक रोशन लाल चौधरी के छोटा सुपुत्र रितिक चौधरी ने केरेडारी प्रेस क्लब के सभी पत्रकार बंधुओ से मुलाकात किया और नया साल के शुभ अवसर पर एवं मकर संक्रांति के पावन पर्व पर किया नव वर्ष के हार्दिक शुभकामनाएं दिए और नए साल 2026 के बारे में पत्रकार बंधुओ से मिलकर रूबरू हुए सभी प्रेस क्लब के पत्रकार बंधुओ ने रितिक चौधरी को भव्य तरीके से स्वागत किया और विधायक परिवार के तरफ से मिल रहे नया साल के उपलक्ष में 14 जनवरी के शुभ अवसर पर तिलकुट एवं डायरी और कैलेंडर देकर सभी पत्रकार बंधुओ को सम्मानित किया और रितिक चौधरी बोले की सभी पत्रकार बंधुओ को आश्वासन दिया की आने वाला दिन में हमेशा हमें आप लोग को साथ रहेंगे और मुझे केरेडारी के सभी पत्रकार बंधुओ से मिलकर अच्छा लगा की प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज वर्मा को धन्यवाद देता हूं कि एक ऐसा प्रेस क्लब ग्रुप जो बना रखे हैं इसमें सभी पत्रकार को एक साथ सम्मिलित करके चलाने का कार्य कर रहे हैं। मौके पर उपस्थित प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज वर्मा सुरेश साव, अरुण यादव, अवधेश यादव, अमित माली, ज्ञान पासवान, मुकेश राम, पवन दास, सुमंत शाहा, वरुण पासवान, रोहित गोस्वामी, अजय तिवारी, रवि मिश्रा, रोली मिश्रा, गिरी जी, सनोज महतो, केंद्रीय सचिव, भोला महतो, आजसू प्रखंड अध्यक्ष पंकज शाह प्रेमचंद महतो,एवं सभी पत्रकार शामिल हुए।

बरही इंटर महाविद्यालय के प्राचार्य का निधन शिक्षा जगत में शोक की लहर

बरही : मंगलवार बरही इंटर महाविद्यालय के प्राचार्य पंचमाधव ग्राम निवासी अरुण कुमार दुबे का निधन हो गया। वे 69 वर्ष के थे। उन्होंने मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे पटना स्थित रूबन अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की सूचना उनके बड़े पुत्र अंजनी कुमार उर्फ मंटी ने दी। उन्होंने बताया कि पिता जी 16 दिनों से पटना के रूबन अस्पताल में इलाजरत थे। निधन के बाद देर शाम उनका अंतिम संस्कार पटना के गंगा घाट पर किया गया। दिवंगत अरुण कुमार दुबे ने अपने पीछे पत्नी, तीन पुत्र, तीन पुत्रवधू, एवं पोता पोती से भरा पूरा परिवार छोड़ गए। उन्होंने शिक्षा जगत में शिक्षा की अलख भी जगाया और लंबे समय तक बरही इंटर महाविद्यालय में प्राचार्य के पद पर रहे। उनका मृदुलभाषी स्वभाव और शिक्षा के प्रति लगाव रहा। उनके निधन से बरही में शिक्षा जगत को अपूरणीय क्षती हुई। उनके निधन की सूचना मिलते ही इंटर महाविद्यालय परिवार, बरही विधायक मनोज कुमार यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविन्द कुमार सिंह, राष्ट्रीय महासचिव संजय सुमन, राष्ट्रीय विधि सचिव आत्मानंद कुमार पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, प्रदेश उपाध्यक्ष घनश्याम यादव, प्रदेश संगठन सचिव राजकुमार यादव, बिपिन बिहारी पाण्डेय, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों ने शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में शक्ति प्रदान करने का भगवान से प्रार्थना किया।

कमला माता मंदिर प्रांगण में सत्संग मंडली प्रतियोगिता, बेंदुआरा मंडली बनी विजेता

चौपारण : प्रखंड के ग्राम दैहर स्थित कमला माता मंदिर प्रांगण में एकल अभियान संस्कार शिक्षा उत्तर झारखंड संभाग, अंचल हजारीबाग, संच चौपारण द्वारा सत्संग मंडली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने किया। प्रतियोगिता में कुल आठ सत्संग मंडलियों ने भाग लिया। भजन प्रस्तुति के आधार पर बेंदुआरा मंडली को प्रथम, चयकला को द्वितीय तथा वेढना मंडली को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विजेताओं को हनुमान चालीसा पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया, जबकि अन्य मंडलियों को रामनामा पट्टा प्रदान किया गया। इस अवसर पर खिचड़ी प्रसाद का भी वितरण किया गया।कार्यक्रम में एकल अभियान से जुड़े पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों की सराहनीय भूमिका रही।

विभिन्न श्रद्धांजलि सभाओं में शामिल हुए सांसद मनीष जायसवाल

चौपारण : प्रखंड में आयोजित विभिन्न ब्रह्मभोज व श्रद्धांजलि सभाओं में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल शामिल हुए। उन्होंने चय परगना ब्रह्मर्षि समाज के पूर्व सभापति स्व. खुशी प्रसाद सिंह की धर्मपत्नी स्व. सुमित्रा देवी के निधन पर उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार को संबल दिया। इसके अलावा सांसद ने सोहरा गांव में भाजपा नेता आशीष सिंह के पिता स्व. आदित्य सिंह तथा दैहर पंचायत निवासी स्व. टुकन प्रजापति की श्रद्धांजलि सभाओं में भी भाग लिया। इस दौरान उन्होंने चौपारण पूर्वी मंडल उपाध्यक्ष सुनील सिंह और मुकुंद साव से मिलकर उनका कुशलक्षेम भी जाना।

एक नजर

लोअर बाजार इलाके से महिला का शव बरामद

रांची : राजधानी रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत सेंटिबिटा अस्पताल के सामने से बुधवार को पुलिस ने एक महिला का शव बरामद किया। सूचना मिलते ही लोअर बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और महिला के शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू की। मृत महिला की उम्र करीब 60 वर्ष बताई जा रही है। उसकी की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है, हालांकि पुलिस के अनुसार वह मूल रूप से कांके की रहने वाली बताई जा रही है। लोअर बाजार थाना प्रभारी रणविजय ने बताया कि घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है।

वन भूमि घोटाले में तत्कालीन सीओ शैलेश कुमार को एचसी से बेल नहीं

रांची : हजारीबाग में वन भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री में शामिल होने के आरोपों में जेल में बंद हजारीबाग सदर अंचल के तत्कालीन अंचल अधिकारी शैलेश कुमार की जमानत याचिका हाई कोर्ट ने खारिज कर दी है। बुधवार को शैलेश कुमार की जमानत याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान एसीबी और शैलेश कुमार की ओर से बहस एवं दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने शैलेश कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी। हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। इससे पहले हाई कोर्ट इसी केस के प्रमुख अभियुक्त विनय चौबे की जमानत अर्जी भी ठुकरा चुका है। अउइ ने इस संबंध में कांड संख्या 11/2025 दर्ज की है। एसीबी की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुमित गड़ोदिया ने बहस की।

मॉरीशस अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगी डॉ पूनम

रांची : मॉरीशस में आयोजित होने जा रहे अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन में झारखंड की शिक्षाविद् एवं शोधकर्ता डॉ. पूनम को राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर वे भारत-मॉरीशस संबंधों में हिंदी भाषा का योगदान विषय पर अपना शोध आलेख प्रस्तुत करेंगी। यह जानकारी साहित्य संचय शोध संवाद फाउंडेशन के संस्थापक मनोज कुमार ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। मनोज कुमार ने बताया कि यह झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है कि इस सम्मेलन के दौरान डॉ. पूनम को अंतरराष्ट्रीय हिंदी गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण शोध, लेखन और योगदान के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन हिंदी प्रचारिणी सभा, मॉरीशस, शिक्षा एवं मानव संसाधन मंत्रालय, मॉरीशस तथा भारतीय उच्चायोग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन की शैक्षणिक यात्रा 09 जनवरी से प्रारंभ होकर 14 जनवरी को सांस्कृतिक संध्या के साथ संपन्न होगी। इस दौरान विभिन्न देशों से आए विद्वान हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में हिंदी की भूमिका पर मंथन करेंगे। मनोज कुमार ने बताया कि इस सम्मेलन में भारत के अलावा सिंगापुर, थाईलैंड, इंडोनेशिया, नेपाल और जापान सहित कई देशों के प्रतिष्ठित साहित्यकार, भाषा विशेषज्ञ, शिक्षाविद् और शोधकर्ता भाग लेंगे। उन्होंने कतहा कि डॉ. पूनम को मिले इस अंतरराष्ट्रीय आमंत्रण से झारखंड सहित शैक्षणिक और साहित्यिक जगत में हर्ष और उत्साह का माहौल है।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय युवा उत्सव-2026 के चयनित प्रतिभागियों से किया संवाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को लोक भवन में भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'राष्ट्रीय युवा उत्सव-2026' के लिए झारखण्ड से चयनित प्रतिभागियों से संवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई देते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं और कहा कि वहाँ से विजेता बन कर लौटने के पश्चात लोक भवन में उनका पुनः स्वागत किया जाएगा।
राज्यपाल ने कहा कि चयनित युवा केवल स्वयं का नहीं, बल्कि झारखण्ड राज्य की प्रतिभा, संस्कृति और आत्मविश्वास का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। विभिन्न स्तरों की चयन प्रक्रिया से गुजरकर यहाँ तक पहुँचना अपने-आप में एक बड़ी उपलब्धि है, जो उनके परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास का प्रमाण है। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ-साथ उनके मार्गदर्शकों एवं प्रशिक्षकों के योगदान की भी सराहना की।
राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय युवा उत्सव केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विचार, संस्कार और संवाद का राष्ट्रीय संगम है, जहां देश के विभिन्न राज्यों के युवा एक-दूसरे से सीखते हैं और भारत की विविधता को निकट से अनुभव करते हैं। यह 'विविधता में एकता' की जीवंत झलक प्रस्तुत करता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के विचार- 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए' का उल्लेख करते हुए कहा कि यही इस उत्सव की आत्मा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत@2047 का सपना युवाओं की सोच, संकल्प और कर्म से ही साकार होगा, इसलिए सकारात्मक दृष्टिकोण एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना आवश्यक है।
राज्यपाल ने प्रतिभागियों से कहा कि वे राष्ट्रीय मंच पर झारखण्ड के युवा एम्बेसडर होंगे और उनका आचरण, भाषा एवं व्यवहार राज्य की छवि को प्रतिबिंबित करेगा। उन्होंने आत्मविश्वास के साथ विनम्रता एवं अनुशासन बनाए रखने का विशेष आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस उत्सव से प्रतिभागी केवल पुरस्कार ही नहीं, बल्कि अनुभव, मित्रता और प्रेरणा लेकर लौटें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखण्ड को गौरवान्वित करेंगे।
उक्त अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ० नितिन कुलकर्णी ने कहा कि प्रतिभागियों ने यहां बेहतर प्रस्तुति दी है। उन्होंने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुति के दौरान समय-सीमा, स्लाइड्स एवं कंटेंट आदि पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी।

पेसा नियमावली के प्रावधानों पर आदिवासी समन्वय समिति ने राज्यपाल से जताई आपत्ति

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को रूढ़िजन्य आदिवासी समन्वय समिति का एक शिष्टमंडल ने लोक भवन में भेंट की। इस अवसर पर शिष्टमंडल ने पेसा नियमावली-2025 के विभिन्न प्रावधानों पर आपत्ति प्रकट करते हुए इसके निराकरण हेतु पहल करने का आग्रह किया। शिष्टमंडल ने ग्राम सभा के गठन की प्रक्रिया पर आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान नियमावली में पारंपरिक ग्राम सभा का उल्लेख तो है, किंतु ग्राम सभा की सीमाओं की मान्यता एवं प्रकाशन की पूरी जिम्मेदारी जिला उपायुक्त को सौंप दी गई है, जबकि वर्ष 2023 में विधि विभाग द्वारा स्वीकृत एवं प्रकाशित नियमावली में ग्राम सभा का गठन परंपराओं एवं रूढ़ियों के अनुसार किया जाना प्रस्तावित था। राज्यपाल द्वारा शिष्टमंडल से कहा गया कि वे इस संदर्भ में विभिन्न पहलुओं को देखकर समुचित कार्रवाई करेंगे।

बार के सभी स्टाफ-बाउंसर का पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य

रांची : एसएसपी राकेश रंजन ने शहर के बार संचालकों के साथ बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और बार के अंदर होने वाले विवादों को नियंत्रित करने के संबंध में कई कड़े दिशा-निर्देश दिए गए हैं। यह बैठक रांची के कोतवाली थाना परिसर में आयोजित की गई थी। बैठक में एसएसपी के अलावा कोतवाली डीएसपी, सदर डीएसपी और कई थाना प्रभारी भी मौजूद रहे। बार संचालकों को अब अपने बार में काम करने वाले सभी स्टाफ सदस्यों, विशेष रूप से बाउंसरों का पुलिस वेरिफिकेशन कराना अनिवार्य होगा। यह कदम सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों की पहचान करने के लिए उठाया गया है।

बहुभाषी शिक्षा ही झारखंड की सांस्कृतिक पहचान : सुदिव्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड भाषायी विविधता का जीवंत उदाहरण है। राज्य में पांच जनजातीय और चार क्षेत्रीय भाषाएं हैं और 24 जिलों को किसी एक भाषा में नहीं पिरोया जा सकता। बहुभाषी शिक्षा ही झारखंड की सांस्कृतिक पहचान, समावेशिता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की आधारशिला है। यह बातें उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने होटल चाणक्या बीएनआर, में बुधवार को आयोजित बहुभाषी शिक्षा पर राष्ट्रीय कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही।
उन्होंने मातृभाषा आधारित शिक्षा के वैज्ञानिक और भावनात्मक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि मां ही बच्चे की पहली शिक्षिका होती है, इसी कारण मदर टंग की अवधारणा शिक्षा का मूल आधार है। यदि बुनियादी शिक्षा सरल, रोचक और व्यवहारिक नहीं होगी, तो वह केवल ब्लैकबोर्ड तक सीमित रह जाएगी और जागरूक नागरिकों का निर्माण नहीं कर पाएगी।

जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाएं लुप्त होने के कगार पर

मंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं और बच्चों को उनकी अपनी भाषा में शिक्षा देना ही इन भाषाओं के संरक्षण का पहला और सबसे सशक्त प्रयास है। खोरठा भाषा का उदाहरण देते हुए मंत्री ने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा से ही भाषाओं की विशिष्ट ध्वनियां और पहचान जीवित रह सकती हैं।
उन्होंने बताया कि वर्तमान में पलाश परियोजना राज्य के केवल 8 जिलों में संचालित है, जबकि इसे शेष 16 जिलों तक विस्तार देने की जरूरत है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विभागीय सचिव से आग्रह किया कि खोरठा, नागपुरी, पंचपरगनिया और कुरमाली जैसी क्षेत्रीय भाषाओं को शिक्षा व्यवस्था में सशक्त रूप से सम्मिलित किया जाए।
इस अवसर पर बहुभाषी शैक्षणिक सामग्रियों के निर्माण में योगदान देने वाली छात्रा और शिक्षकों को सम्मानित करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य स्तर पर शिक्षकों को दिया गया सम्मान अन्य शिक्षकों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। साथ ही, देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव से प्राप्त अनुभव झारखंड की स्कूली शिक्षा को नई दिशा देगा। कार्यक्रम में कई शिक्षाविद सहित विभाग के कई अधिकारी सहित अन्य मौजूद थे।

पत्रकार पर हमला करने वाले दो अपराधी 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार, मोटरसाइकिल बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पत्रकार के साथ मारपीट और लूटपाट की कोशिश करने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस की टीम ने 12 घंटे के भीतर घटना में शामिल दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।
उसके पास से एक मोटरसाइकिल भी बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान बिहार के औरंगाबाद निवासी ऋषभ कुमार और रामगढ़ के मांडू निवासी मनीष कुमार के रूप में हुई है।

ड्यूटी से लौटने के दौरान लूटपाट की कोशिश

बता दें कि मंगलवार की देर रात पत्रकार मुकेश कुमार ड्यूटी से अपने घर लौट रहे थे। तभी सदर थाना क्षेत्र के सुभाष चौक, कोकर के पास एक बाइक पर सवार दो व्यक्तियों ने उन्हें रोका। दोनों अपराधियों ने मुकेश कुमार के साथ मारपीट की और उनका मोबाइल व पैसा छीनने की कोशिश की।
इस घटना के संबंध में पीड़ित के बयान पर सदर थाना कांड संख्या-06/25 दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कांड का खुलासा किया और घटना में शामिल दोनों अपराधियों की धर-पकड़ शुरू की। पुलिस ने तकनीकी और मानवीय साक्ष्यों के आधार पर दोपहिया वाहन सहित दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

थानों में मुंशी के पद पर तैनात महिला आरक्षियों की प्रतिनियुक्ति रद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : डीजीपी ने झारखंड के थानों में मुंशी के पद पर आईआरबी, जैप और एसआईआरबी के जवानों के पोस्टिंग का आदेश रद्द कर दिया है। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने 29 सितंबर 2025 को राज्य के विभिन्न थानों में मुंशी के पद पर आईआरबी, जैप और एसआईआरबी के जवानों की पोस्टिंग की थी। जिसके बाद विवाद उत्पन्न हो गया था। जैप की एडीजी प्रिया दुबे ने इसे लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने ना सिर्फ पुलिस मुख्यालय के आदेश को नियमों के खिलाफ बताया, बल्कि यह भी कहा कि इस आदेश का पालन नहीं किया जा सकता है। बीते वर्ष दो अक्टूबर 2025 को प्रिया दुबे ने डीआईजी (कार्मिक) को पत्र लिखा था। इस पत्र में कहा गया था, कि थानों में मुंशी के पद पर आईआरबी, जैप और एसआईआरबी के जवानों की पोस्टिंग नियमों के खिलाफ है, क्योंकि पुलिसकर्मियों के तबादले के लिए बनी कमेटी ने इस बारे में कोई नहीं निर्णय लिया है और ना ही एडीजी जैप ने उस पर सहमति दी है। इसके बावजूद मुख्यालय ने मुंशी के पोस्टिंग से संबंधित आदेश जारी कर दिया। वैसे भी थानों में मुंशी की पोस्टिंग जिले के एसपी के जरिए का प्रावधान है। उल्लेखनीय है कि पुलिस मुख्यालय ने 25 सितंबर 2025 को एक आदेश जारी कर आईआरबी, जैप और एसआईआरबी के 212 पुलिसकर्मियों की पोस्टिंग विभिन्न जिलों के थानों में मुंशी के पद पर किया था।

लोक भवन में रक्तदान महायज्ञ को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संतोष कुमार गंगवार के निदेश पर दिनांक 12 जनवरी, 2026 को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर लोक भवन, रांची स्थित बिरसा मंडप में झारखण्ड रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा आयोजित किए जाने वाले 'रक्तदान महायज्ञ' की तैयारियों की समीक्षा बैठक आज लोक भवन में आयोजित की गई।
बैठक की अध्यक्षता करते हुए राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ० नितिन कुलकर्णी ने कहा कि इस 'रक्तदान महायज्ञ' को सफल बनाने के लिए झारखण्ड रेड क्रॉस सोसाइटी विश्वविद्यालयों, अस्पतालों एवं अन्य संबंधित संस्थानों से समन्वय स्थापित कर पूर्ण सक्रियता के साथ कार्य करें, ताकि यह आयोजन प्रभावी एवं यादगार बन सके।

बैठक में कहा गया कि यह 'रक्तदान महायज्ञ' पूर्वाह्न 09 बजे से संध्या 05 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर यह कहा गया कि ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे एक साथ कम से कम 20 लोग रक्तदान कर सकें। इसके अतिरिक्त, लोक भवन के एम्बुलेंस के अतिरिक्त दो अन्य एम्बुलेंसों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा।
अपर मुख्य सचिव महोदय ने प्रत्येक विश्वविद्यालय को इस आयोजन के लिए एक समन्वयक नियुक्त करने का निदेश दिया, ताकि रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही, कम से कम 20 स्वयंसेवकों (वॉलंटियर्स) की बिरसा मंडप में तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने आयोजन स्थल पर दो सेल्फी पॉइंट बनाए जाने तथा यह सुनिश्चित करने का निदेश दिया कि रक्तदान करने वाले को आने-जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने रक्तदान के लिए टाइम स्लॉट निर्धारित करने की भी बात कही, जिससे व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सके।
बैठक में विश्वविद्यालयों से आह्वान किया गया कि वे इस 'रक्तदान महायज्ञ' को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। साथ ही यह भी बताया गया कि इस आयोजन की सफलता के पश्चात विश्वविद्यालय स्तर पर भी रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे।
उक्त अवसर पर विशेष सचिव, राज्यपाल सचिवालय ए०के० सत्यजीत, उप सचिव, राज्यपाल सचिवालय सागर कुमार, कुलपति, झारखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, राँची सहित अन्य विश्वविद्यालयों के कुलपति तथा असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य शल्य चिकित्सा पदाधिकारी, रांची, रिम्स के प्रतिनिधिगण, ब्लड बैंक के प्रतिनिधिगण तथा झारखण्ड रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अनगड़ा के डिग्री कॉलेज भवन के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन हटाने की मांग जिला परिषद सदस्यों ने राज्यपाल से की भेंट

अनगड़ा : जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा एवं जिला परिषद सदस्य राजेन्द्र शाही मुंडा के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर रांची विश्वविद्यालय के अधीन अनगड़ा प्रखंड के बेड़वारी में निर्मित डिग्री महाविद्यालय भवन के ठीक ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत तार को हटाने की मांग की। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को अवगत कराया कि महाविद्यालय भवन के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन छात्रों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। इसके कारण सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में जाना पड़ रहा है। उन्होंने हाईटेंशन तार का त्वरित स्थानांतरण करने अथवा उसके नीचे सेफ्टी गार्ड प्लेट लगाने या अन्य सुरक्षित विकल्प तलाशने की मांग की। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने अनगड़ा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुचारू शैक्षणिक वातावरण एवं विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण से जुड़े अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। साथ ही अनगड़ा प्रखंड क्षेत्र स्थित हुंडरु जलप्रपात, जोन्हा जलप्रपात, सीता जलप्रपात सहित अन्य छोटे-बड़े जलप्रपातों एवं गेतलसूद डैम जैसे प्रमुख पर्यटक स्थलों को सुरक्षित एवं विकसित किए जाने की आवश्यकता पर भी ध्यान आकृष्ट कराया। मुलाकात के दौरान समाजसेवी रामसाय मुंडा, बनमाली मंडल, सुरसु मुखिया सुमित्रा देवी, कुचचु मुखिया सहदेव बेदिया, श्याम सुंदर बेदिया एवं संजय नायक भी उपस्थित थे।

मारवाड़ी सहायक समिति ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

रांची : मारवाड़ी सहायक समिति की ओर से बुधवार को मारवाड़ी भवन परिसर में आरबीएल बैंक के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लेकर विभिन्न स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। स्वास्थ्य शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड काउंट, कोलेस्ट्रॉल, थायरॉयड, विटामिन डी-3 और विटामिन बी-12 सहित कई महत्वपूर्ण जांचें की गईं। इसके साथ ही आंखों की जांच कर जरूरतमंद लोगों को चश्मा भी उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष पवन शर्मा ने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में नियमित स्वास्थ्य जांच बेहद आवश्यक हो गई है। ऐसे शिविरों के माध्यम से लोगों को समय पर बीमारियों की पहचान करने और सही इलाज कराने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि सुबह से ही लोगों का उत्साह देखने लायक था। शिविर में आकर सैकड़ों लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराकर अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई। जांच के बाद उपस्थित चिकित्सक और विशेषज्ञों ने रिपोर्ट के आधार पर लोगों को उचित परामर्श दिया। शिविर के संचालन में समिति के अध्यक्ष पवन शर्मा, मंत्री विनोद जैन, ललित पोद्दार, राजेंद्र केडिया, मनोज चौधरी, कौशल राजगढ़िया, किशन पोद्दार, अनिल अग्रवाल, अशोक नारसरिया, कमलेश संचेती, पदम जैन और अजय डीडवानिया की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम में आरबीएल बैंक के शाखा प्रबंधक गोपाल कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

झारखंड प्रदेश तेली समाज की बैठक संपन्न, नरेश साहू बने अध्यक्ष

अनगड़ा : झारखंड प्रदेश तेली समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक गोंदली पोखर, बेडवारी गांव में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नरेश साहू ने की, जबकि संचालन चतुर साहू ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष अरुण साहू एवं विशिष्ट अतिथि धनी नाथ साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि समिति गठन का मुख्य उद्देश्य समाज को संगठित, मजबूत एवं सशक्त बनाना है तथा समाज के गरीब, असहाय और वंचित वर्गों को सहयोग प्रदान करना है। अध्यक्ष नरेश साहू ने अपने संबोधन में कहा कि तेली समाज की समिति के गठन से समाज को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सभी प्रखंडों में समिति का गठन कर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष जेम कुमार सिकेंदर साहू, करिनाथ महतो, रवि कांशी साहू, राकेश साहू, अविनाश साहू, प्रदीप साहू, संरक्षक चाकू साहू, मदन साहू, संदीप साहू, सुरेश साहू (उप सचिव), राकेश साहू, प्रेम साहू, जयवीर साहू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

साले ने पत्नी संग मिल की थी जीजा की हत्या, चार गिरफ्तार

रांची : रांची पुलिस ने लगभग एक साल पहले हुए एक ब्लाइंड मर्डर केस का सफल उद्भेदन करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनमें बिनोद उरांव (मृतक का साला), राजमुनी देवी (बिनोद की पत्नी), अमरदीप खलखो और अनुप उरांव शामिल है। यह मामला अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अशोक नगर गेट नं0- 01 के पीछे रेलवे लाइन के किनारे 10 फरवरी 2025 को एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से संबंधित था। इस संबंध में अरगोड़ा थाना में कांड संख्या 29/2025 दर्ज किया गया था। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर सिटी एसपी के नेतृत्व में और डीएसपी हटिया की देखरेख में गठित एक विशेष छापेमारी दल ने अनुसंधान किया। लंबी छानबीन के बाद पुलिस ने सात जनवरी को न केवल मृतक की शिनाख्त की, बल्कि हत्या में शामिल सभी अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कर लिया। मृतक की पहचान संजय उरांव, पिता अकला उरांव, ग्राम जमटी, थाना बिशनपुर, जिला गुमला के रूप में हुई है। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ के दौरान यह सनसनीखेज खुलासा हुआ कि मृतक संजय उरांव का अपने साले की पत्नी (यानी अपनी साली) के साथ कथित संबंध को लेकर सुसराल पक्ष के लोगों से लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते मृतक के साले बिनोद उरांव ने अपनी पत्नी राजमुनी देवी की सहमति से हत्या की साजिश रची। बिनोद उरांव ने अपने दो अन्य सहयोगी अमरदीप खालखो और अनुप उरांव की मदद से चाकू मारकर संजय उरांव की निर्मम हत्या कर दी। साक्ष्य छिपाने के इरादे से उन्होंने शव को अशोक नगर गेट नं0- 1 के पीछे रेलवे लाइन के किनारे झाड़ियों के पास फेंक दिया था।

एक नजर

राज्य का युवा नौकरी देने वाला बनें, ऐसा माहौल झारखंड में नही दिख रहा : अर्जुन मुंडा

कोडरमा : सीएम हेमन्त सोरेन के प्रस्तावित 18-26 जनवरी तक स्विजरलैंड के दावोस और यूके के लंदन यात्रा को लेकर पूर्व सीएम और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने तंज कसा है। पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा बिहार जाने के दौरान कोडरमा परिसदन पहुंचे,जहाँ उन्होंने भाजपा नेताओं से मुलाकात की। वहीं उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री होने के नाते यदि पूंजी निवेश के लिए जा रहे हैं, तो राज्यों को इसका लाभ मिले, जबाबदेही होनी चाहिए कि यदि हम कहीं जा रहे हैं तो राज्य की जनता को आकर के बताए उसका परिणाम क्या हुआ। राजकोषीय व्यवस्था से इस तरह के यात्रा होता है,तो जनता को इसका लाभ मिले या मिल रहा है या मिलने वाला है, इन सारी चीजों का जबाबदेह सरकार है। उन्होंने कहा कि बहुत सारे ऐसे नए उद्योग लगाने के लिए राज्य की इंडस्ट्री डिपार्टमेंट को आवेदन दिया गया है, वो सारा आवेदन पेंडिंग है। उन्होंने कहा कि राज्य में उद्योग और पूंजीनिवेश बढ़े और स्वत: व्यक्ति नौकरी के लिए नहीं बल्कि नौकरी देने के लिए अपने आप को तैयार करे, इस तरह का माहौल नही दिख रहा।

जेजेए की बैठक में संगठन की मजबूती और पत्रकार एकता पर बल

कोडरमा : बुधवार को जिला जनसंपर्क कार्यालय परिसर में झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन कोडरमा इकाई की बैठक हुई। इसमें संगठन की मजबूती, पत्रकार एकता के साथ ही कई कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कुमार रमेशम जबकि संचालन सचिव अनिल सिंह ने किया। इसमें विशेष तौर पर बीएसपीएस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी संजीव समीर और कानूनी सलाहकार जगदीश सलूजा भी उपस्थित हुए। बैठक में कंबल वितरण और पूर्व के कार्यक्रमों की समीक्षा की गई, साथ ही आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। सदस्यों ने सर्वसम्मति से 50 रुपये प्रति महीना मासिक शुल्क देने, आगामी दिनों में कार्यक्रम आयोजित करने और प्रत्येक महीना के दूसरे रविवार को यूनियन की बैठक करने का निर्णय लिया। बैठक में प्रेस क्लब की पिछले कई सालों से बैठक नहीं होने पर भी चर्चा हुई। बैठक में आशीष कुमार डे, चंद्रशेखर जोशी, प्रेम भारती, राहुल सिंह, राजेंद्र बरनवाल, सुनील कुमार सिन्हा, मनीष बरनवाल, अरविंद कुमार सिंह, मुस्लिम खान, सुधीर पांडेय, रवि छाबड़ा, पवन कुमार प्रेम, श्रीकांत गुप्ता, सचिन कुमार यादव, रितेश कुमार सिंह, सत्येंद्र सिंह समेत लगभग 50 की संख्या में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए पत्रकार उपस्थित थे।

वारंटी कांग्रेस नेता को परेड कराकर भेजा जेल

कोडरमा : कोडरमा पुलिस ने फरार वारंटी कांग्रेसी नेता संतोष यादव को गिरफ्तार कर बुधवार को जेल भेज दिया। चेक बाउंस का मामला उसपर दर्ज था। वहीं हाल ही में संतोष यादव ने अनर्गल आरोप लगाकर एक पत्रकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर वीडियो डाला था। उसने मीडिया और पत्रकारों के खिलाफ भी अनर्गल टिप्पणी की थी। इस मामले में डीसी के निर्देश पर जांच कमिटी भी बनाई गई है। इधर कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान ने बताया कि संतोष यादव के खिलाफ कोर्ट से वारंट निर्गत था और वे फरार चल रहे थे जिसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। बाघीटांड़ निवासी और कांग्रेस नेता संतोष यादव को घर के पास से ही गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के उपरांत अभियुक्त को चिकित्सा जांच के बाद कोडरमा जेल भेज दिया गया।

सिमडेगा में जल जीवन मिशन के तहत 'जल सेवा आंकलन' पर हुई महत्वपूर्ण बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन अंतर्गत 'जल सेवा आंकलन' से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार ने जानकारी दी कि भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा 30 दिसंबर 2025 को जल जीवन मिशन के तहत 'जल सेवा आंकलन का शुभारंभ किया गया है। इसके साथ ही जल जीवन मिशन पंचायत डैशबोर्ड पोर्टल भी लॉन्च किया गया है। उन्होंने बताया कि जल सेवा आंकलन के माध्यम से ग्राम पंचायत एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की सामुदायिक सहभागिता से जल जीवन मिशन के आईएमआईएस पोर्टल पर 'हर घर जल रिपोर्टेड पंचायत' के अंतर्गत विभिन्न बिंदुओं पर पेयजल आपूर्ति योजनाओं की क्रियाशीलता का डिजिटल मूल्यांकन किया जाएगा। यह ग्राम पंचायत के नेतृत्व में पेयजल सेवाओं के आकलन की एक आधुनिक पहल है। इस पायलट परियोजना के लिए सिमडेगा जिले के कोलेबिरा प्रखंड की बरसलोया, टुटीकेल एवं शाहपुर पंचायत तथा ठेठईटांगर प्रखंड की गुटबहार पंचायत का चयन किया गया है। इसके सफल क्रियान्वयन हेतु पंचायत सचिवों को प्रशिक्षण देने पर सहमति बनी। इसके अतिरिक्त पैतनू गांव एवं चिमटी घाट गांव में सोलर जलमीनार योजना अधिष्ठापन की जानकारी दी गई। उपायुक्त महोदया ने जिले के सभी क्षेत्रों में जलकर की वसूली सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी ठेठईटांगर, कोलेबिरा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नवपदस्थापित एसपी ने उपायुक्त कंचन सिंह से की शिष्टाचार भेंट

सिमडेगा : जिले के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्रीकांत सुरेशराव खोत्रे (आईपीएस) ने बुधवार को उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह से उनके कार्यालय कक्ष में शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उपायुक्त महोदया ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन हेतु शुभकामनाएं दीं। शिष्टाचार भेंट के दौरान उपायुक्त कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्रीकांत सुरेशराव खोत्रे के बीच जिले की कानून-व्यवस्था, शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने को लेकर सकारात्मक चर्चा हुई।

चापाबारी गांव में स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन का हुआ शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुरडेग : प्रखंड अंतर्गत हेठमा पंचायत के चापाबारी गांव में जिला परिषद सिमडेगा की ओर से स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन निर्माण का शिलान्यास बड़े उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ग्राम के बैगा पाहन द्वारा पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर की गई। पूजा के उपरांत जिला परिषद अध्यक्ष रोस प्रतिमा सोरेंग एवं जिला परिषद उपाध्यक्ष सोनी पैकरा ने संयुक्त रूप से स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन का शिलान्यास किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे, जिनमें महिलाओं, बुजुर्गों एवं युवाओं की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। ग्रामीणों ने कहा कि स्वास्थ्य उपकेंद्र के निर्माण से अब इलाज के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों में नहीं जाना पड़ेगा। गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। यह उपकेंद्र गांव के लिए एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। ग्रामीणों ने एक स्वर में झारखंड सरकार एवं जिला परिषद सिमडेगा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य उपकेंद्र गांव के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। सरकार की इस जन कल्याणकारी पहल से अब उन्हें बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधा अपने ही गांव में उपलब्ध होगी, जिससे ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

सिमडेगा में धुमकुड़िया भवनों के लिए पारम्परिक वाद्ययंत्र आपूर्ति को मिली मंजूरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अध्यक्षता में आदिवासी संस्कृति एवं कला केन्द्र/धुमकुड़िया भवनों में पारम्परिक वाद्ययंत्रों की आपूर्ति हेतु जिला स्तरीय क्रय समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक पूर्व में दिनांक 28.11.2025 को सम्पन्न बैठक के आलोक में आज दिनांक 07.01.2026 को आयोजित की गई, जिसमें वाद्ययंत्रों की दर एवं क्रय प्रक्रिया पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक, पलाश झारखण्ड स्टेट लाईवलीहुड प्रमोशन सोसाईटी (जेएसएलपीएस) सिमडेगा द्वारा पत्रांक जेएसएलपीएस/डीएमएमयू/ सिम/ एडीएम/359/2025 दिनांक 13.12.2025 के माध्यम से उराँव मांदर एवं उराँव नगाड़ा की दर समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई। समिति द्वारा उराँव मांदर (लंबाई 24.5 इंच) की दर ?5000 तथा उराँव नगाड़ा (2022 इंच) की दर ?8000 को अनुमोदन प्रदान किया गया। इसके साथ ही इन्हीं दरों पर स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आपूर्ति आदेश जारी करने की सहमति दी गई। शेष आठ पारम्परिक वाद्ययंत्र ढोल, पिटा घट, करताल, घुँघरू (जोड़ा), झुनझुना, शहनाई, बाँसुरी एवं थेचका को जेम पोर्टल के माध्यम से क्रय करने का निर्णय लिया गया। परियोजना निदेशक, आईटीडीए सिमडेगा ने बताया कि जिले के 111 पूर्ण धुमकुड़िया भवनों में तत्काल पारम्परिक वाद्ययंत्रों की आपूर्ति की जानी है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जेएसएलपीएस सिमडेगा को आवश्यक कार्य दिशा निर्गत करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष हरिश्चंद्र भगत ने मांदर बजाकर उसकी ध्वनि गुणवत्ता की जांच की, जिसके पश्चात समिति से क्रय पर सहमति बनी। बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए सरोज तिर्की, जेएसएलपीएस डीपीएम शांति मार्डी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिना ट्रेड लाइसेंस के संचालित दो दुकानों को नगर परिषद ने किया सील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददता

झुमरी तिलैया : उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर नगर परिषद की टीम ने शहर के बजरंग नगर में ट्रेड लाइसेंस जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान प्राची फर्नीचर और पुष्कर राज नमकीन नमक प्रतिष्ठानों का ट्रेड लाइसेंस नहीं पाया गया। जिसके बाद दोनों प्रतिष्ठानों को सील कर दिया गया। नगर प्रबंधक रणधीर कुमार वर्मा ने कहा कि यह कार्रवाई झारखंड नगर पालिका अधिनियम 2011 की धारा 455 का उल्लंघन करने पर की गई है। दुकान के संचालक को नगर परिषद के द्वारा पूर्व में भी नोटिस दिया गया था। जिसके बाद भी दुकानदारों के द्वारा ट्रेड लाइसेंस नही लिया गया। झारखंड नगर पालिका अधिनियम 2011 की धारा 466 एवं धारा 600 के नियमानुसार परिसर को सील किया गया है। नगर प्रशासक अंकित गुप्ता ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत व्यापार करने से पूर्व अपने व्यवसाय का ट्रेड लाइसेंस अवश्य ले और जिन लोगों का ट्रेड लाइसेंस का समय सीमा समाप्त हो चुका है वो जल्द से जल्द अपना ट्रेड लाइसेंस नवीनीकरण करवा लें। मौके पर नगर परिषद राजस्व निरीक्षक शंभू कुमार रजक, अभिषेक कुमार मेहता, संतोष कुमार, सुदर्शन श्रीवास्तव, लखन सिंह, मुकेश राणा, भोला कुमार दास, राजेश मोदी, बलराम कुशवाहा समेत होमगार्ड के जवान मौजूद थे।

कोडरमा में ब्राउन शुगर के कारोबार पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चार गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : ब्राउन शुगर के कारोबार से जुड़े 4 युवकों को पकड़ने में कोडरमा पुलिस को कामयाबी मिली है। बरही से ब्राउन शुगर लाकर झुमरीतिलैया में बेचने वाले 4 युवकों को तिलैया पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दरअसल बरही इलाके का रहने वाला रोहित उर्फ टाइगर और अमित सिंह झुमरीतिलैया के रहने वाले नितेश आनंद और राकेश राज को ब्राउन शुगर सप्लाई करने आ रहा था।लेकिन इसकी भनक तिलैया पुलिस को मिल गयी। तिलैया पुलिस ने पहले जाल बिछाकर राकेश और नितेश को धर दबोचा। फिर बाद में ब्राउन शुगर सप्लाई करने वाले रोहित और अमित को धर दबोचा।हालांकि इन चारों के पास से करीब 60 हजार कीमत की महज 2.84 ग्राम ही ब्राउन शुगर बरामद हो सका।वहीं इनलोगो के पास से 63 हजार रुपये नगद भी बरामद किया गया। एसडीपीओ अनिल सिंह ने बताया कि अनुसंधान जारी है और ब्राउन शुगर कारोबार के मास्टर माइंड तक पुलिस पहुंचने में जुटी है।

सीटू का राष्ट्रीय सम्मेलन में मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट और तीव्र संघर्ष का आह्वान : संजय पासवान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में संपन्न सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) के 18वें अखिल भारतीय सम्मेलन में मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट और तीव्र संघर्ष का आह्वान किया गया। यह बात राष्ट्रीय सम्मेलन से लौटकर सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में यह नोट किया गया कि मोदी सरकार ने मजदूर वर्ग पर हमला तेज कर दिया है। नई श्रम नीति ले आयी है और मजदूर विरोधी चार लेबर कोड को लागू कर दिया गया है। राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन के जरिए निजीकरण की ओर तेजी से बढ़ रही है। जिसमें बिजली, दूरसंचार, माइंस, रेलवे, राजमार्ग, बंदरगाह और डाक सेवा सहित महत्वपूर्ण सार्वजनिक उपक्रमों को निजी हांथों में देने का लगातार अभियान जारी है। मोदी सरकार ने बिजली संशोधन विधेयक 2025 पेश किया है, जो आबादी के एक बड़े हिस्से को बिजली के अधिकार से वंचित कर देगा। इसके साथ साथ जनविरोधी नीतियों के चलते मजदूर वर्ग और मेहनतकश वर्गों को और नीचे धकेला जा रहा है। आरएसएस संचालित सरकार की राजनीति ने पूरे समाज में सांप्रदायिक और विभाजनकारी, नफरती जहर घोल दिया है। इस साजिश का मकसद धर्मों, जातियों और अन्य आधारों पर अविश्वास और फूट का माहौल बनाना है। साथ ही कमजोर अल्पसंख्यकों और एससी एसटी ओबीसी व अन्य कमजोर वर्गों के बीच डर और असुरक्षा का माहौल बनाना है। संजय पासवान ने कहा कि हमें मौजूदा व्यवस्था के अंदर हस्तक्षेप के साथ वैकल्पिक नीतियों के लिए संघर्ष को आगे बढ़ाना होगा। समाजवादी विकल्पों को लोकप्रिय बनाना होगा। साथ ही यह भी समझना होगा कि भारतीय समाज आज गहरे संकट और तनाव से गुजर रहा है। बदलाव के लिए ठोस व व्यवहारिक रास्ते की जरूरत है, जो जनता में आशा जगा सकता है। समाजवाद के लिए लड़ते हुए तत्काल प्राप्त किए जाने वाले विकल्पों के लिए भी अभियान जारी रखना होगा।

संक्षिप्त खबरें

सिमडेगा में इमारत-ए-शरिया की एसआईआर को लेकर बेदारी मुहिम, अवाम से सक्रिय भागीदारी की अपील

सिमडेगा : इमारत-ए-शरिया बिहार, ओडिशा और झारखंड की ओर से एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर झारखंड में चलाए जा रहे व्यापक जन-जागरूकता अभियान (बेदारी मुहिम) के तहत आज सिमडेगा के जाम जाम मैरिज हॉल में एक अहम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इमारत-ए-शरिया बिहार, ओडिशा और झारखंड के सहायक शरीयत नाजिम मौलाना अहमद हुसैन कासमी ने की। इस मौके पर उन्होंने अवाम को एसआईआर की अहमियत बताते हुए कहा कि मतदाता सूची में नाम का सही और अद्यतन होना लोकतांत्रिक अधिकारों के संरक्षण के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में इस मुहिम से जुड़कर काम को उसके अंजाम तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में काजी-ए-शरीयत सिमडेगा मौलाना मुख्तार अहमद कासमी, सेंट्रल अंजुमन सिमडेगा के सदर साहब मस्तर गियास साहब विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा हाजी जवाद, मौलाना मिन्हाज साहब कासमी, हाजी लुकमान साहब, मुहम्मद शफी साहब समेत कई अन्य जिम्मेदार हजरात और स्थानीय गणमान्य लोग भी शामिल हुए। सभी वक्ताओं ने अपने-अपने संबोधन में अवाम को जागरूक करते हुए कहा कि एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही से बचना चाहिए और अपने वोटर रिकॉर्ड की जांच कर आवश्यक सुधार समय पर कराना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में दुआ के साथ बैठक का समापन हुआ।

मकर संक्रांति के अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का होगा आयोजन

सिमडेगा : प्रखंड के बीरू भैरव बाबा धाम फुलवाटांगर में दिनांक 14/01/2026 दिन बुधवार को मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर रात्रि 9 बजे से रंगारंग नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें संगम म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा मुख्य कलाकार रूपेश बड़ाईक, लक्ष्मण सिंह, मुनी देवी, मुनिता देवी, दामिनी कुमारी, बिंदेश्वरी देवी और डांसर खुशबू कुमारी, अंजलि कुमारी अपना जलवा बिखरेंगी। यह जानकारी भैरव बाबा विकास समिति के घनश्याम सिंह जी ने दी।

आजाद समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री पर साधा निशाना

सिमडेगा : आजाद समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी ने झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के व्यवहार और भाषा को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि मंत्री का लहजा अलग-अलग समुदायों के प्रति अलग दिखाई देता है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मोहम्मद शफी ने कहा कि हाल ही में एक आदिवासी प्रतिनिधि को जिस सम्मान और आत्मीयता से बैठाकर चाय पिलाई गई, वहीं व्यवहार साथ में अगर एक मौलाना या मुस्लिम धर्मगुरु के साथ किया जाता तो यह सामाजिक समरसता का बेहतर उदाहरण होता। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस समुदाय ने अपने वोट से मंत्री को सत्ता तक पहुँचाया, उसी समुदाय के प्रति इस्तेमाल की गई भाषा निराशाजनक है। शफी ने कहा, ऐसी भाषा इसलिए इस्तेमाल की जा रही है क्योंकि इन्हें लगता है कि मुसलमान के पास कोई और राजनीतिक विकल्प नहीं है। भाजपा और कांग्रेस के चरित्र में कोई विशेष अंतर नहीं रह गया है। उन्होंने आगे कहा कि आजाद समाज पार्टी की मुहिम मुसलमानों को इस राजनीतिक बेबसी से बाहर निकालने की है। जहाँ दूसरे राजनीतिक दल अपने-अपने धार्मिक गुरुओं को सम्मान का स्थान देते हैं, वहीं एक मुस्लिम मंत्री का अपने ही धर्म के गुरु के प्रति ऐसा व्यवहार बेहद अनैतिक और शर्मनाक है, उन्होंने कहा। मोहम्मद शफी ने लोकतंत्र की ताकत का ज़िक्र करते हुए कहा कि जनता ही सर्वोपरि है। जो जनता आपको सत्ता का शिखर दिखा सकती है, वही आपको शून्य पर भी ला सकती है, उन्होंने चेतावनी दी। अंत में उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से इस पूरे मामले पर मुसलमानों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की।

ठंड को देखते हुए गरीब असहाय जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का किया गया वितरण

कोडरमा : झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देश के आलोक मे जिला विधिक सेवा प्राधिकार, कोडरमा के तत्वावधान मे कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकांत मिश्रा के कुशल मार्ग दर्शन मे एंव जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार के नेतृत्व में गठित प्राधिकार की टीम ने इस कडाके की ठंड से ठिढुरते हुए गुमो झुमरी तिलैया रैन बसेरा में अपना जीवन बीता रहे गरीब बेसहारा व जरूरतमंद लोगो को कम्बल वितरित करते हुए अपनी संवेदनशीलता को प्रकट किया है। उल्लेखनीय है कि आज बुधवार को कोडरमा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार रमाकान्त मिश्रा ने एक दैनिक समाचार पत्र में रैन बसेरा में गुजर बसर कर रहे जरूरतमंद लोगो के ठंड से ठिढुरने की खबर पढ़ कर उसे गंभीरता से लेते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार को तत्काल रैन बसेरा पहुच कर वहाँ रह रहे लोगो को कम्बल उपलब्ध करने का निर्देश दिया ।

सचिव ने किया मंडल कारा का औचक निरीक्षण

सिमडेगा : झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर बुधवार को सिमडेगा मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल ने जेल परिसर के विभिन्न सेक्शनों,वार्डों,रसोईघर तथा बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण की शुरूआत बंदियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता एवं मानकों की जांच से की गई। इस क्रम में सचिव ने स्वयं बंदियों के लिए तैयार दाल,रोटी एवं सब्जी का स्वाद चखकर उसकी गुणवत्ता परखी,जो संतोषजनक पाई गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि भोजन जेल मैनुअल में निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार कर बंदियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही भोजनालय की स्वच्छता,खाद्य सामग्री के भंडारण तथा आवश्यक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता की भी जांच की गई। इसके बाद निरीक्षण दल ने सभी वार्डों का भ्रमण किया। इस दौरान बंदियों के रहने की व्यवस्था,साफ-सफाई,रोशनी,पेयजल एवं शौचालय की स्थिति की पड़ताल की गई। बंदियों के व्यक्तिगत सामान की जांच भी की गई, हालांकि किसी भी वार्ड से कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। निरीक्षण के क्रम में अधिकारियों ने बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याओं,आवश्यकताओं एवं शिकायतों की जानकारी ली। साथ ही उन्हें कानूनी सहायता एवं उनके अधिकारों से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी गई। सचिव ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि बंदियों की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए,ताकि किसी भी बीमारी की स्थिति में समय पर उचित उपचार उपलब्ध कराया जा सके। इस दौरान मेडिकल रिकॉर्ड,दवाइयों की उपलब्धता एवं स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई।

गणतंत्र दिवस-2026 की तैयारियों को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : गणतंत्र दिवस 26 जनवरी, 2026 के अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से झण्डोत्तोलन हेतु मुख्य समारोह स्थानीय बिरसा मुंडा स्टेडियम, सरायकेला में आयोजित किया जाएगा। उक्त समारोह के भव्य, गरिमामय एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर आज नदिया एग्रीको फार्म, सिनी में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश लुनायत की उपस्थिति में तैयारी संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त रीना हांसदा, अनुमंडल पदाधिकारी, सरायकेला अभिनव प्रकाश, निदेशक, डीआरडीए अजय तिर्की तथा अपर उपायुक्त जयवर्धन कुमार सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों से संबंधित सभी कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई तथा संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी आयोजन राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप, समयबद्ध एवं आपसी समन्वय के साथ सुनिश्चित किए जाएं। उपायुक्त ने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। साथ ही मुख्य समारोह स्थल पर शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, परिवहन, ग्रामीण विकास, अग्निशमन, पेयजल समेत कुल 12 विभागों द्वारा झांकियाँ निकाली जाएंगी। उपायुक्त ने निर्देशित किया कि सभी झांकियाँ जन-आकांक्षाओं के अनुरूप, विषय-वस्तु की दृष्टि से स्पष्ट एवं आकर्षक हों तथा इनमें वर्तमान सरकार की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, जिले की संस्कृति एवं विकास यात्रा की झलक परिलक्षित हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने मुख्य समारोह स्थल एवं नगर क्षेत्र की व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि समारोह स्थल की साफ-सफाई, समतलीकरण, पेयजल एवं शौचालय की समुचित व्यवस्था ससमय सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त नगर के प्रमुख चौक-चौराहों की विशेष साफ-सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा दल एवं अग्निशमन दल की तैनाती सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने बताया कि मुख्य समारोह के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तीन प्लाटून, तीन झांकियाँ तथा जिले के स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों को सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस समारोह की पूर्ण तैयारी को लेकर 24 जनवरी 2026 को फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में विभिन्न बलों एवं विद्यालयों के कुल 10 प्लाटून भाग लेंगे।

एक नजर

पटमदा प्रखंड सभागार में पूर्णिमा नेत्रालय का नेत्र जांच शिविर

पटमदा : पटमदा प्रखंड सभागार में पूर्णिमा नेत्रालय तामुलिया के द्वारा राज्य कर्मी स्वास्थ्य बिना योजना के तहत सभी राज्य कर्मी एवं उनके आश्रितों के नेत्र जांच करते हुए नि:शुल्क सफल ऑपरेशन करवाने को लेकर शिविर में जांच किया गया। जिसमें कुल 78 मरीजों का नेत्र जांच किया गया। शिविर का उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू एवं सीओ डॉक्टर राजेंद्र कुमार दास,झामुमो नेता सुभाष कर्मकार के द्वारा किया गया। शिविर में पूर्णिमा नेत्रालय से मो शहाबुद्दीन, गौतम पारीक, मौसमी, लक्ष्मी कुमारी, एसके मौसिन आदि उपस्थित थे।

अंधविश्वास से ऊपर स्वास्थ्य, समय पर इलाज ही जीवन की सुरक्षा : जोबा माझी

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में बुधवार को आयोजित स्वास्थ्य मेला ग्रामीणों के लिए जागरूकता और उपचार का केंद्र बना। मेले की मुख्य अतिथि सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा लोगों से अंधविश्वास छोड़कर समय पर चिकित्सकीय उपचार अपनाने की अपील की। अपने संबोधन में सांसद जोबा माझी ने कहा कि स्वस्थ शरीर ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने बताया कि मनोहरपुर प्रखंड क्षेत्र जंगल और पहाड़ों से घिरा होने के कारण यहां आज भी अंधविश्वास और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की कमी देखने को मिलती है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि बीमारी की स्थिति में झाड़-फूंक या घरेलू उपायों में समय न गंवाएं, बल्कि तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या चिकित्सक के पास जाकर इलाज कराएं, क्योंकि देरी होने पर बीमारी गंभीर रूप ले सकती है। स्थानीय लोगों की मांग पर सांसद ने छोटानागरा क्षेत्र के लिए एक एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की घोषणा करते हुए कहा कि संचालन की व्यवस्था सुदृढ़ होते ही एम्बुलेंस की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी।

नगर निकाय चुनाव में देरी के खिलाफ भाजपा का धरना प्रदर्शन

जमशेदपुर : झारखंड में नगर निकाय चुनावों में लगातार हो रही देरी और बैलेट पेपर से चुनाव कराने के फैसले को लेकर भारतीय जनता पार्टी झारखंड सरकार पर लगातार हमलावर है। इसी कड़ी में, भाजपा जमशेदपुर महानगर के की ओर से बुधवार को जुगसलाई नगर परिषद कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया गया। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में आयोजित धरना-प्रदर्शन में भाजपा नेताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और विरोध दर्ज किया। धरने पर बैठे भाजपा नेताओं ने कहा कि हेमंत सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया से खिलवाड़ कर रही है। चुनाव की तिथि घोषित न करना, दलीय आधार पर चुनाव से बचना और ईवीएम हटाकर बैलेट पेपर लागू करने की मंशा सरकार की नीयत पर बड़ा प्रश्न चिन्ह है। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि लंबे समय से निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के अभाव में नगर निकायों की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। प्रशासनिक अधिकारियों की मनमानी हो गयी है और जनता साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, स्ट्रीट लाइट जैसी बुनियादी सुविधाओं से आभावग्रस्त है।

ड्रोन सर्वे और पुलिस की सख्ती से चौका क्षेत्र में अफीम माफियाओं पर नकेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला-खरसावाँ : जिले में नशा कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को और धार देते हुए सरायकेलाझ्रखरसावाँ पुलिस ने बुधवार को चौका थाना क्षेत्र में सघन कार्रवाई कर यह स्पष्ट कर दिया कि अफीम की अवैध खेती को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक महोदय के निदेर्शानुसार चौका थाना पुलिस एवं रइ मतकमडीह के सशस्त्र बलों द्वारा ग्राम तानिसोया, रंका एवं टुरू में ड्रोन कैमरे के माध्यम से व्यापक निगरानी एवं भौतिक सत्यापन किया गया। ड्रोन सर्वेक्षण के दौरान खेतों में सरसों, मटर, आलू एवं चना जैसी वैध फसलों की खेती पाई गई, जबकि अधिकांश भूमि परती अवस्था में मिली। पुलिस ने मौके पर ही स्पष्ट किया कि फिलहाल अफीम की अवैध खेती के कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं, लेकिन पूरे क्षेत्र को हाई अलर्ट जोन में रखते हुए आगे भी नियमित निगरानी जारी रहेगी। कार्रवाई के साथ-साथ पुलिस ने गांव-गांव जाकर अफीम की अवैध खेती एवं बिक्री के विरुद्ध जन-जागरूकता अभियान चलाया। चौका थाना प्रभारी एवं रइ मतकमडीह के अधिकारियों ने ग्रामीणों को अफीम के दुष्परिणामों, इससे जुड़े कठोर कानूनी प्रावधानों और सख्त दंड की जानकारी दी। साथ ही किसानों को अफीम के स्थान पर वैकल्पिक एवं लाभकारी खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए सामुदायिक पुलिसिंग एवं CIVIC ACTION PROGRAMME के तहत करीब 100 जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया गया। वहीं बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए उन्हें पुस्तक, कलम एवं चॉकलेट भेंट की गई। इस संयुक्त अभियान से ग्रामीण इलाकों में पुलिस-प्रशासन की सक्रियता और प्रतिबद्धता का मजबूत संदेश गया है कि सरायकेला-खरसावाँ पुलिस नशा-मुक्त समाज के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सिमडेगा के नए पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे ने संभाला पदभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : दिनांक 07 जनवरी 2026 को सिमडेगा जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे, भा.पु.से. (2015 बैच) ने जिले के 21वें पुलिस अधीक्षक के रूप में औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के उपरांत उन्होंने उपायुक्त सिमडेगा से शिष्टाचार मुलाकात की। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने जिले के वरीय एवं अन्य पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सिमडेगा की भौगोलिक स्थिति, विधि व्यवस्था, अपराध नियंत्रण एवं सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर श्री खोटरे ने कहा कि जिले में विधि व्यवस्था बनाए रखना और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर पुलिस की सक्रिय एवं सकारात्मक पहुंच सुनिश्चित करने तथा पुलिस कर्मियों को बेहतर कार्य वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता जताई। पदभार ग्रहण के मौके पर सार्जेंट मेजर, सिमडेगा द्वारा उन्हें औपचारिक सलामी दी गई। वहीं वरीय पुलिस उपाधीक्षक सिमडेगा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमडेगा एवं परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया गया।

जन्म मृत्यु पंजीकरण को लेकर जिला स्तरीय एकदिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त सह जिला रजिस्ट्रार जन्म मृत्यु, सिमडेगा कंचन सिंह की उपस्थिति में जिला सांख्यिकी शाखा, सिमडेगा द्वारा समाहरणालय सभागार में नागरिक निबंधन कार्य (जन्म मृत्यु) से जुड़े पदाधिकारी एवं कर्मियों का एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण की प्रक्रिया को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाना था। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि जन्म और मृत्यु का पंजीकरण केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों को निर्देश दिया कि जन्म मृत्यु पंजीकरण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सही और अद्यतन आंकड़े शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन एवं नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी रजिस्ट्रार से 1 वर्ष में पंजीकृत डेटा मंगाने का निर्देश दिया गया, साथ ही उन्होंने प्रत्येक माह की जन्म एवं मृत्यु में निबंधन होने वाला डाटा उपलब्ध कराने की बात कहीं। इसके अलावा उन्होंने 21 दिन, एक माह, एक वर्ष, एवं एक वर्ष से अधिक समय का निबंधन होता है तो उसकी भी जानकारी उपलब्ध कराएंगे। प्रशिक्षण सत्र के दौरान जन्म मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, नियमावली, ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली, डेटा प्रविष्टि की प्रक्रिया, प्रमाण पत्र निर्गमन, विलंबित पंजीकरण तथा त्रुटि सुधार से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई।

बोड़ाम प्रखंड कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में नामांकन को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड सभागार में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बोड़ाम में बोड़ाम क्षेत्र के योग्य ड्रॉप आउट बच्चों का नामांकन प्रक्रिया से संबंधित एक बैठक बोड़ाम पार्षद गीतांजलि महतो की उपस्थिति में संपन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख ललिता सिंह ने किया। जानकारी देते हुए वार्डन ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बोड़ाम में नामांकन प्रक्रिया को संपन्न करवाने के लिए जनप्रतिनिधियों के साथ एक बैठक कर कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। वही जिला पार्षद गीतांजलि महतो ने बताया कि क्षेत्र के योग्य लाभुकों का चयन करते हुए विभाग के द्वारा नामांकन प्रक्रिया किया जाए। ताकि एकल अभिभावक सहित वैसे ड्रॉप आउट बच्चों को नामांकन में मौका मिले। इस दौरान बैठक में भुला में लंबित बोड़ाम प्रखंड के लिए स्वीकृत निर्माणधीन कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय भवन के निर्माण में हो रही विलंब को समाधान करवाने के लिए निर्णय लेकर सभी जनप्रतिनिधियों ने अभिभावकों के साथ बैठक करने का भी निर्णय लिया। जिसकी तिथि को जल्द घोषित किया जाएगा ताकि सुन्दरनगर में बोड़ाम की छात्राएं के अध्ययन में हो रही समस्या का समाधान करते हुए। उन्हें अपना विद्यालय भवन उपलब्ध हो सके। बैठक में बीडीओ किकू महतो, जिला पार्षद गीतांजलि महतो, प्रमुख ललिता सिंह, पंसस प्रीति सिंह सरदार, मेनका किस्कू, देवजानी दास, उप प्रमुख संतोषी महतो, समाजसेवी मानिक चंद्र महतो, मुखिया अजब सिंह,शत्रुघ्न सिंह, मंगल सिंह, प्रबोध महतो, वार्डन रीना सिंह, बीआरपी मनोरंजन महतो सहित कई लोग उपस्थित थे।

अवैध पत्थर उत्खनन के मामले में पटमदा थाना में भाजपा नेता समेत छह पर प्राथमिकी दर्ज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

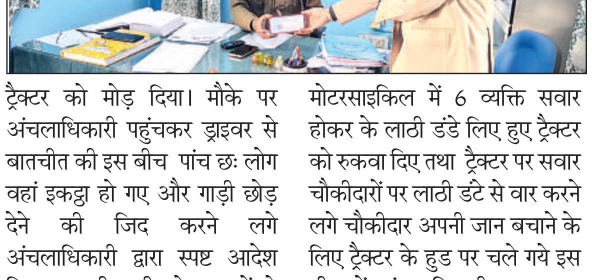

पटमदा : पटमदा थाना में अंचल अधिकारी पटमदा के द्वारा अवैध पत्थर उत्खनन से लोडेड ट्रैक्टर को सुबह करीब पांच बजे में बामणी चौक के आगे ठनठनी घाटी की ओर से आते पकड़ा गया। अंचलाधिकारी के साथ दो चौकीदार सनातन सिंह एवं सुरेश हांसदा मौके पर मौजूद थे। ट्रैक्टर को रुकवा कर अंचलाधिकारी द्वारा ट्रैक्टर चालक से पूछताछ की जाने लगी तथा उसका मोबाइल जप्त कर लिया गया इसी बीच ट्रैक्टर पर सवार दो मजदूर मौका पाकर के भाग गए अंचलाधिकारी द्वारा अपने दोनों चौकीदारों को ट्रैक्टर में बैठकर थाना ले जाने का आदेश दिया तथा पीछे-पीछे स्वयं चले लेकिन बामणी चौक के पास ट्रैक्टर चालक दूसरी दिशा में ट्रैक्टर को मोड़ दिया। मौके पर अंचलाधिकारी पहुंचकर ड्राइवर से बातचीत की इस बीच पांच छः लोग वहां इकट्ठा हो गए और गाड़ी छोड़ देने की जिद करने लगे अंचलाधिकारी द्वारा स्पष्ट आदेश दिया गया की गाड़ी को थाना में ले जाकर के रखो पुनः गाड़ी स्टार्ट कर चौकीदारों की सहायता से थाना ले जाने लगा बामणी चौक से 500 मीटर की दूरी जाने पर पीछे से तीन मोटरसाइकिल में 6 व्यक्ति सवार होकर के लाठी डंडे लिए हुए ट्रैक्टर को रुकवा दिए तथा ट्रैक्टर पर सवार चौकीदारों पर लाठी डंटे से वार करने लगे चौकीदार अपनी जान बचाने के लिए ट्रैक्टर के हुड पर चले गये इस बीच में अंचलाधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए जो कुछ ही दूरी पर थे हो हल्ला सुनते हुए घटनास्थल पहुंचे देखें की छह लोगों के द्वारा चौकीदारों को डराया धमकाया और उनके ऊपर लाठी चलाया जा रहा है। मेरे द्वारा प्रतिरोध किए जाने पर मुझे धक्का मुक्की देते हुए रोड के किनारे साइड ले गए और कुछ देर तक साइट पर ही मुझे रोक कर रखे रहे इस बीच चौकीदार भी अपनी जान की सुरक्षा को देखते हुए साइड हो गए।मौका पाते हैं ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को लेकर भाग निकला इसके बाद तीनों मोटरसाइकिल से वे सभी लोग वहां से निकल गए इस घटना की जानकारी मैं तुरंत थाना प्रभारी को दिया आधे घंटे बाद फोर्स आने के बाद उसे क्षेत्र में सघन छापामारी की गई। किंतु उक्त घटना में शामिल सभी लोग एवं अवैध पत्थर लदा ट्रैक्टर का कहीं कोई अता-पता नहीं चला।अंचल अधिकारी द्वारा उन छह लोगों में से तीन लोगों की पहचान कर ली गई है। नामजद में आसमान सिंह, भाजपा पटमदा मंडल अध्यक्ष वासुदेव मंडल एवं दिवाकर मंडल सभी ग्राम बमनी समेत अज्ञात तीन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अंचल अधिकारी द्वारा एक लिखित आवेदन थाना प्रभारी को दिया गया। ट्रैक्टर चालक का जप्त मोबाइल भी सोपा गया उक्त लोगों पर प्राथमिक दर्ज करते हुए उचित कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार के पुनर्विवृत्ति ना हो और अवैध उत्खनन पर रोक लगाया जा सके। मामले पर पटमदा थाना प्रभारी करमपाल भगत के अनुसार मामला दर्ज होते ही कार्यवाही करने की बात कही गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

कुकडू में स्वास्थ्य मेला का हुआ आयोजन

ईचागढ़ : कुकडु प्रखंड स्तरीय कुकडु हाट मैदान में बुधवार को स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। इस मेले का उद्घाटन जीप उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, प्रमुख प्रतिमा बाला पातर, बीडीओ राजश्री ललिता बाखला, और डॉ हरेंद्र सिंह मुण्डा ने संयुक्त रूप से किया। इस स्वास्थ्य मेले में बीपी, शुगर, मलेरिया, नेत्र, और अन्य विभिन्न प्रकार के रोगों का जांच किया गया। मरीजों को चिकित्सा के उपरांत सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी दिया गया। ईचागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ हरेन्द्र नाथ सिंह मुण्डा ने बताया कि इस कार्यक्रम में आवश्यक चिकित्सा परामर्श और निशुल्क दवाई वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि मेला में सामान्य चिकित्सा के साथ ही प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, यक्ष्मा, मलेरिया, कुष्ठ , बंध्याकरण योजना आदि के संबंध में जानकारी दिया गया। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मेला का उद्देश्य स्वास्थ्य संबंधी सभी योजनाओं का लाभ एक ही जगह पर सुनिश्चित करना है, ताकि सभी तरह का लाभ उठा सकें।लोगों में स्वास्थ्य जांच के प्रति काफी रुझान देखा गया। स्वास्थ्य मेला में आयुष, योगा, आयुर्वेदिक, होमियोपैथी, एलोपैथिक आदि चिकित्सा सुविधा के लिए अलग-अलग स्टाल लगाया गया। प्रधानमंत्री टीवी मुक्त अभियान के तहत यक्ष्मा मरीजों को अनुदान राशन का पत्र सौंपा गया।

जमशेदपुर में 9 से 11 जनवरी तक तीन दिवसीय डॉग शो

जमशेदपुर : जमशेदपुर में आगामी 9 से 11 जनवरी तक लगातार तीन दिनों तक भव्य डॉग शो का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन जमशेदपुर केनल क्लब द्वारा किया जा रहा है, जिसमें देशभर से सैकड़ों खूबसूरत और दुर्लभ नस्ल के स्वान हिस्सा लेंगे। केनल क्लब की अध्यक्ष रूचि नरेन्द्रन ने एक प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि इस बार 79वां, 80वां और 81वां डॉग शो एक साथ आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में जमशेदपुर केनल क्लब के 38 स्वान शामिल होंगे, जबकि कुल मिलाकर देशभर से 326 स्वान भाग लेंगे। इस डॉग शो में कुल 43 अलग-अलग डोमेस्टिक और इंटरनेशनल ब्रीड के स्वान दर्शकों को देखने को मिलेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक टी. वी. नरेन्द्रन करेंगे। यह आयोजन न सिर्फ स्वान प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा, बल्कि बच्चों और परिवारों के लिए भी एक यादगार अनुभव साबित होगा। जमशेदपुर में इस तरह का बड़ा डॉग शो शहर की पहचान को भी नई ऊंचाई देगा।

झामुमो प्रखंड कमेटी बानो ने 87 छात्रों के बीच किया कंबल वितरण

बानो : अत्यधिक ठंड और शीतलहर को देखते हुए तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया के पहल व निर्देश पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रखंड कमेटी बानो द्वारा प्रखंड क्षेत्र के राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय बालक मध्य विद्यालय, हाटिंगहोड़े में अध्ययनरत 87 बच्चों के बीच कंबल का वितरण किया गया। इस अवसर पर झामुमो प्रखंड कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि ठंड काफी बढ़ चुकी है और शीतलहर का प्रभाव लगातार बना हुआ है। ऐसे में बच्चों को ठंड से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया के द्वारा यह पहल की गई है। उन्होंने सभी से ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े पहनने और घर आंगन में अलाव की व्यवस्था करने की अपील की। कार्यक्रम में ग्राम सभा अध्यक्ष गोर्रा शांतिएल हेमरोम, झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य धर्मदास तोपनो, प्रखंड उपाध्यक्ष तनवीर हुसैन, कोषाध्यक्ष जगदीश बागे, सचिव अमित बडिंग, पंचायत अध्यक्ष सेजन हेमरोम,सक्रिय सदस्य फ्रांसिस मड़की उपस्थित रहे। इसके अलावा विद्यालय के प्रधानाध्यापिका विश्वासी डांग, होस्टल सुपरिटेंडेंट शिक्षिका प्रतिमा कुमारी धान, सहायक शिक्षक छटन सिंह, सहायक विकास कुमार साहू, नन टीचिंग स्टाफ अनुसेविका मरियम लुगुन, रसोईया आनंदी हेमरोम, रसोईया अंकित डुंगडुंग, विधालय के कर्मचारी विलासी कांवरिया, कमल कंडुलना, सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं कार्यक्रम में मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन एवं छात्रों ने इस मानवीय पहल के लिए झामुमो प्रखंड कमेटी बानो एवं विधायक सुदीप गुड़िया के प्रति आभार व्यक्त किया।

DISTRICT AGRICULTURE OFFICE, SIMDEGA
Ref No: 11 Date: 06.01.2026
Very Short Term Tender Notice

NOTICE INVITING EXPRESSION OF INTEREST (EoI) FOR THE SELECTION OF AGENCY FOR SUPPLY AND INSTALLATION OF EQUIPMENT AND CAPACITY BUILDING OF FARMERS FOR PROJECT HIVE - Hydroponics Integration for Vegetable Cluster Establishment IN SIMDEGA

Sl. No.	INFORMATION/SUBJECT	DETAILS
1	2	3
01	Name of Work	Supply and Installation of equipment for implementation of Project HIVE - Hydroponics Integration for Vegetable cluster Establishment in Simdega.
02	Tender fees	Rs. 10,000.00 (In the form of demand Draft in favour of District Agriculture Officer, Simdega)
03	Earnest Money to be Deposited (@ 2% of the project cost)	Rs. 3,55,733.00 (In the form of Fixed Deposit of any nationalized bank duly pledged in favour of District Agriculture Officer, Simdega) MSME Registered Organization to be exempted as per Jharkhand Procurement Policy 2014
04	Date of Pulication of EoI	06.01.2026 12:30 PM
05	Last Date and Time fo EoI Submission	15.01.2026 11:00 AM
06	EoI Submission Place	https://jharkhandtenders.gov.in
07	Presentation place, Date & Time	DRDA Conference Hall, Simdega 16.01.2026 12:30 PM
08	Date and Time for EoI Opening	16.01.2026 at 11:30 AM
09	EoI Opening Place	DRDA Conference Hall, Simdega
10	Name and Office for Inviting EoI	District Agriculture Officer, Simdega
11	Helpline Number and E-Mail Address	+91 8658660488 simdegaagriculture@gmail.com

NOTE: FOR FURTHER DETAILS PLEASE VISIT www.simdega.nic.in

District Agriculture Officer
Simdega.

PR 370246 Simdega(25-26)D

मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण का राजनैतिक प्रभाव

मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए देश के 12 राज्यों में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का प्रथम चरण पूर्ण हो गया है।

मसौदा सूची जारी होने के बाद 20 प्रतिशत तक मतदाताओं के वोट कटने की संभावना से राजनैतिक दलों के नेताओं और उनके समर्थकों की नींद उड़ी हुई है। सभी राज्यों में पार्टी के बड़े नेता लगातार अपने बूथ स्तर के कार्यकताओं को इसके लिए चेता रहे हैं और पार्टी समर्थकों के वोट न कटने देने के लिए प्रयास करने को कह रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तो बीते दिनों जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों की बैठक बुलाकर चेतावनी दी थी कि जिन मतदाताओं के नाम कट रहे हैं उनमें 90 प्रतिशत भाजपा के समर्थक हैं। इतना ही नहीं एसआईआर को लेकर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और गुजराज आदि राज्यों में भी भारी हलचल है। मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण का राजनैतिक दलों पर क्या प्रभाव पड़ने वाला है इसका आकलन करने से पहले इस अभियान के तहत हटाए जाने वाले मतदाताओं का विश्लेषण आवश्यक है। गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान बड़ी संख्या में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे (डुप्लीकेट) मतदाताओं के वोट काटे जा रहे हैं। अनुपस्थित की श्रेणी में उन मतदाताओं को रखा गया है जो गहन पुनरीक्षण के दौरान बूथ लेबल अधिकारी (बीएलओ) को मिले ही नहीं। इनमें स्थानांतरित और दोहरे मतदाता भी शामिल हो सकते हैं। स्थानांतरित मतदाताओं में उनको शामिल किया गया है जो अपना निवास स्थान छोड़ कर कहीं और चले गए हैं। जिन मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है उनका नाम भी मसौदा सूची से हटा दिया गया है इसके अलावा जिन मतदाताओं के एक से अधिक स्थान पर वोट थे उनके नाम भी इस सूची से हटाए जा चुके हैं। इसके बाद एक बड़ी संख्या उन मतदाताओं की है जिनके नाम साल 2025 की मतदाता सूची में तो दर्ज है लेकिन गहन मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है और न ही उनके माता, पिता, दादी या दादा का नाम उसमें मिला है। ऐसे मतदाताओं के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उन्हें अन्तिम मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा तय किए गए 12 दस्तावेजों में से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। लेकिन सबसे बड़ी चिंता की बात पश्चिम बंगाल में मिले लगभग एक करोड़ 36 लाख तार्किक विसंगतियों वाले संदिग्ध मतदाताओं को लेकर है। इन मतदाताओं द्वारा भरे गए गणना प्रपत्रों में जिस प्रकार की विसंगतियां मिली हैं उन पर सहज रूप से विश्वास करना मुश्किल है। अनेक मतदाताओं की आयु और उनके माता-पिता की आयु में दस वर्ष या दादा-दादी की आयु से 40 वर्ष से कम का अन्तर है। चुनाव आयोग की तरफ से इस प्रकार के मतदाताओं की विशेष जांच की तैयारी की जा रही है। मतदाता सूचियों के प्रगाढ़ पुनरीक्षण के प्रथम चरण पूरा होने के बाद उत्तर प्रदेश में दो करोड़ 89 लाख मतदाताओं के नाम अन्तिम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। इस आंकड़े के सामने आने के बाद विपक्षी दल समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ही नहीं बल्कि सत्ताधारी भाजपा के नेताओं के चेहरे पर भी चिंता की लकीरें साफ नजर आ रही हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि आगामी चुनाव में भाजपा की सीटें इकाई के अंकों में सिमट कर रह जाएंगी तो भाजपा के नेता सपा नेताओं पर आरोप लगा रहे हैं कि अवैध मतदाताओं के वोट कटने से वे बौखलाए हुए हैं। इसी तरह पश्चिम बंगाल में भी 58.20 लाख मतदाताओं के नाम कटने के अलावा एक करोड़ 67 लाख मतदाताओं का नाम अन्तिम सूची में शामिल करने से पहले गहन परीक्षण किया जा रहा है जिसने ममता दीदी के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता दीदी तो इस प्रक्रिया को रुकवाने के लिए उच्चतम न्यायालय तक पहुंच गई हैं लेकिन उन्हें किसी भी प्रकार की राहत मिलने की उम्मीद कम ही है। बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कटने के बाद सबसे ज्यादा हलचल पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में ही दिखाई दे रही है। राजनैतिक दलों के नेताओं के अलावा बुद्धिजीवियों का एक बड़ा वर्ग भी इस पर दिमागी कसरत करता दिख रहा है कि हर विधानसभा क्षेत्र से औसतन 50 हजार वोट कटने का चुनावी नतीजों पर क्या असर होगा?

सूडोकु नवताल- 7668

★☆☆☆☆ सरल

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7667 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

अवैध कब्जे और बेघर होता भारत : एक अंतहीन राष्ट्रीय संकट

ललित गर्ग

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की समस्या भारत में न तो नई है और न ही किसी एक क्षेत्र तक सीमित। यह एक ऐसी जटिल और बहुआयामी चुनौती है, जो शहरीकरण, पलायन, राजनीतिक स्वार्थ, प्रशासनिक लापरवाही और सामाजिक मजबूरियों के सम्मिलित परिणाम के रूप में सामने आती है। देश के लगभग हर राज्य, हर बड़े शहर और अनेक कस्बों में सरकारी जमीन पर मकान, दुकानें, झुग्गियां, गोदाम, यहां तक कि बड़े-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान और संस्थान खड़े मिल जाते हैं। वर्षों तक यह सब कुछ खुलेआम होता रहता है, लेकिन जिम्मेदार तंत्र या तो आंखें मूंदे रहता है या जानबूझकर चुप्पी साधे रहता है। जब अचानक विकास परियोजनाओं, सड़क चौड़ीकरण, रेलवे, मेट्रो, औद्योगिक गलियारों या स्मार्ट सिटी योजनाओं की जरूरत सामने आती है, तब सरकार की नींद खुलती है और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होती है। इस प्रक्रिया में सबसे बड़ा संकट उन लोगों पर टूटता है, जो वर्षों से वहां रह रहे होते हैं और जिनका जीवन, आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य उसी जमीन से जुड़ चुका होता है। हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क जैसे संगठनों के आंकड़े इस समस्या की भयावहता को उजागर करते हैं। वर्ष 2017 से 2023 के बीच साढ़े तीन लाख से अधिक मकानों पर बुलडोजर चलाए गए और करीब सोलह लाख लोग बेघर हुए। इससे भी अधिक चिंता की बात यह है कि आने वाले समय में लगभग 1.7 करोड़ लोग ऐसे दायरे में हैं, जिनके घर विकास परियोजनाओं या अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के कारण टूट सकते हैं। इनमें से बड़ी संख्या उन लोगों की है, जिन्होंने अपनी जीवनभर की पूंजी लगाकर घर बनाए, बच्चों को स्कूल में डाला, आसपास रोजगार तलाशा और एक स्थायी जीवन की कल्पना की। जब ये घर टूटते हैं तो केवल दीवारें नहीं गिरतीं, बल्कि पूरे परिवार की सामाजिक और आर्थिक संरचना ढह जाती है।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को प्रायः एक आवश्यक प्रशासनिक कदम के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, लेकिन इसके मानवीय पक्ष को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। बेघर होना केवल सिर से छत छिनने की समस्या नहीं है, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, सम्मान और भविष्य की संभावनाओं पर सीधा प्रहार है। बच्चों की पढ़ाई बीच में छूट जाती है, महिलाएं असुरक्षा और अस्थिरता के भय में जीने लगती हैं, बुजुर्ग इलाज और सहारे से वंचित हो जाते हैं और पुरुष वर्ग बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव से जूझने लगता है। पुनर्वास योजनाएं कागजों पर तो आकर्षक लगती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे या तो अधूरी होती हैं या इतनी दूरस्थ जगहों पर लागू की जाती हैं कि वहां रोजगार और बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता है। इस पूरी समस्या का एक कड़वा सच यह भी है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण एक दिन या एक रात में नहीं हो जाता। यह एक लंबी प्रक्रिया होती है, जिसमें प्रशासनिक उदासीनता, स्थानीय स्तर पर मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण की बड़ी भूमिका होती है। जब गांवों से पलायन कर गरीब परिवार शहरों की ओर आते हैं, तो उन्हें सबसे पहले सस्ती या खाली जमीन की तलाश होती है। सरकारी जमीन इस दृष्टि से सबसे आसान निशाना बनती है। पहले अस्थायी झोपड़ियां खड़ी होती हैं, फिर धीरे-धीरे पक्के मकान, दुकानें और अन्य निर्माण होने लगते हैं। सरकारी एजेंसियां एवं जिम्मेदार तो तब ही हरकत में आते हैं जब या तो कोई हादसा होता है या फिर विकास कार्यों के दौर में इन्हें हटाने की जरूरत पड़ती है। महज सात साल में 16 लाख लोगों के बेघर होने का आंकड़ा छोटा नहीं है। इनमें भी 58 प्रतिशत से ज्यादा के बेघर होने की वजह अतिक्रमण ही है। सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के मामलों की मिलीभगत से अनदेखी होती है, यह भी किसी से छिपा नहीं है। बिजली, पानी, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसी सुविधाएं भी किसी न किसी रास्ते से मिल जाती हैं, जिससे यह अतिक्रमण धीरे-धीरे 'वैधता' का भ्रम पैदा करने लगता है।

इस पूरी प्रक्रिया में भू-माफिया की भूमिका भी बेहद खतरनाक है। वे सरकारी जमीनों की पहचान कर गरीबों को वहां बसाते हैं, उनसे पैसे वसूलते हैं और बाद में राजनीतिक संरक्षण के जरिए उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखते हैं। चुनाव आते ही ये बस्तियां वोट बैंक में बदल जाती हैं। इस राजनीतिक खेल में न तो कानून की प्रतिष्ठा बचती है और न ही आम नागरिकों का भविष्य सुरक्षित रहता है। अतिक्रमण हटाने के बाद होने वाले नुकसान को यदि समग्र रूप से देखा जाए तो यह केवल प्रभावित परिवारों का नुकसान नहीं, बल्कि पूरे देश का नुकसान है। एक ओर लोग अपने सीमित संसाधनों से घर बनाते हैं, दूसरी ओर सरकार अतिक्रमण हटाने पर भारी खर्च करती है। यदि शुरूआत में ही सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, समय पर निगरानी हो और अवैध कब्जे को बढ़ने से रोका जाए, तो यह दोहरा नुकसान टाला जा सकता है। दुर्भाग्य से हमारे यहां किसी परियोजना की घोषणा और उसके क्रियान्वयन के बीच लंबा अंतराल रहता है, जिसका फायदा अतिक्रमणकारी उठाते हैं। वर्षों तक जमीन खाली पड़ी रहती है और देखते ही देखते वहां एक पूरी बस्ती खड़ी हो जाती है।

विकास के लिए कई बार राह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए विध्वंस की कार्रवाई जरूरी हो जाती है। लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए केवल बुलडोजर चलाना पर्याप्त नहीं है। जरूरत एक ऐसी दूरदर्शी नीति की है, जिसमें अतिक्रमण रोकने की व्यवस्था शुरूआत से ही सख्त और प्रभावी हो। सरकारी जमीनों का डिजिटल रिकॉर्ड, नियमित सर्वेक्षण, स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई इस दिशा में जरूरी कदम हो सकते हैं। साथ ही शहरी गरीबों के लिए सस्ती आवास योजनाओं को वास्तविक जरूरतों के अनुरूप और रोजगार के करीब लागू करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि वे मजबूरी में अवैध कब्जे की ओर न जाएं। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर ईमानदार आत्ममंथन करना होगा। वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध अतिक्रमण को संरक्षण देना अंततः समाज और शासन दोनों के लिए घातक सिद्ध होता है। यदि कानून का पालन सभी के लिए समान रूप से हो और अवैध कब्जे को किसी भी स्तर पर समर्थन न मिले, तो ऐसी स्थितियां स्वतः कम होंगी। सरकारी भूमि जनता की साझा संपत्ति है और इसका उपयोग योजनाबद्ध विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए होना चाहिए, न कि अव्यवस्था और अवैध कब्जों के लिए। अंततः सवाल यही है कि क्या हम समस्या के मूल कारणों पर गंभीरता से विचार करेंगे या हर बार बुलडोजर के बाद कुछ दिनों की संवेदना दिखाकर आगे बढ़ जाएंगे। यदि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे की प्रवृत्ति को समय रहते नहीं रोका गया, तो आने वाले वर्षों में बेघर होने वालों की संख्या और बढ़ेगी, सामाजिक असंतोष गहराएगा और विकास का दावा खोखला साबित होगा। जरूरत इस बात की है कि सरकार, प्रशासन, राजनीतिक दल और समाज मिलकर इस जटिल समस्या का मानवीय, न्यायपूर्ण और दूरगामी समाधान तलाशें, ताकि विकास भी हो और किसी का जीवन उजड़ने से भी बच सके।

समुचित देश एवं विभिन्न प्रांतो में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके लोगों ने न केवल अपने मकान बने कुछ भी खड़े कर लिए हैं कुछ व्यापारिक संस्थान और कुछ संस्थाएं भी संचालित हो रही है जब सरकार की नींद खुलती है तो इन सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करके बनाए गए मकान में रहने वाले लोगों को बेघर किया जाता है या उन्हें अन्यत्र बसाने की योजनाएं लागू की जाती है जिससे इन परिवारों और उनके सदस्यों की न केवल बेघर होने की समस्या खड़ी होती है बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं भी खड़ी होती है इन गतिविधियों को संचालित करने में विभिन्न राजनीतिक दलों को अपना वोट वोट बैंक दिखाई देता है और यह राजनीतिक दल ही ऐसी सरकारी भूमि पर लोगों को बचाने के षड्यंत्र करते हैं फिर उन्हें विस्थापित होने पर आंदोलन खड़े किए जाते हैं और अन्यत्र बसाने की मांग की जाती है यह भारत की एक जटिल समस्या है। क्यों नहीं सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा होने की स्थितियों को सरकार पहले से ही गंभीरता से लेती?

दिल्ली में साल 2020 के दंगेः न्याय की कसौटी, राजनीति, हिंसा और नैरेटिव

कैलाश चन्द्र

दिल्ली में साल 2020 के दंगे योजनाबद्ध अराजकता, राजनीतिक संरक्षण और वैचारिक उद्दीपन का भयावह उदाहरण थे। यह हिंसा अचानक भड़की कोई घटना नहीं थी बल्कि इसके पीछे महीनों से तैयार किया गया ऐसा तंत्र था, जिसमें शब्दों को हथियार और भीड़ को औजार बनाया गया। इन दंगों में 53 निर्दोष लोगों की जान गई। इनमें एक होनहार खुफिया अधिकारी अंकित शर्मा, पौड़ी गढ़वाल से दिल्ली रोजगार की तलाश में आया दिलबर नेगी और दो पुलिसकर्मी भी शामिल थे। इन हत्याओं की क्रूरता ने पूरे देश की आत्मा को झकझोर दिया, किंतु उससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह रही कि पीड़ितों का दर्द धीरे-धीरे हाशिये पर चला गया और आरोपितों के लिए सहानुभूति का एक संगठित नैरेटिव खड़ा किया गया।

अंकित शर्मा, जो देश की आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी संस्था के लिए कार्यरत थे, उनके शरीर पर 74 चाकू के घाव मिले। यह सिर्फ हत्या नहीं थी, एक संदेश था। वहीं दिलबर नेगी, एक गरीब मां का बेटा, जिसकी कोई राजनीतिक पहचान नहीं थी, उसके हाथ-पैर काट कर उसे जिंदा जला दिया गया। सवाल यह है कि क्या यह केवल दंगा था या फिर भीड़ की हिंसा को वैचारिक समर्थन देने वाली मानसिकता का परिणाम?

इस पूरे प्रकरण में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि जिन लोगों पर इस हिंसा की साजिश रचने और उसे भड़काने के गंभीर आरोप हैं, उनके बचाव में खड़े होने वाले वकील कोई साधारण नाम नहीं हैं। ये सभी देश के पूर्व केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राजनीतिक रूप से बेहद प्रभावशाली व्यक्ति हैं। उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे आरोपितों की पैरवी करने वालों में कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, अश्विनी कुमार जैसे नाम शामिल हैं, जो देश में कांग्रेस सरकारों के समय बड़े मंत्रालय संभाल चुके हैं। इनके साथ सिद्धार्थ दवे, सिद्धार्थ लूथरा और त्रिदीप पैइस जैसे वरिष्ठ वकील भी जुड़े रहे। ऐसे में ये सिर्फ कानूनी सहायता का मामला नहीं लगता, साफ तौर पर एक विशेष वैचारिक झुकाव का संकेत देता है।

यहां प्रश्न उठता है कि क्या कांग्रेस और उससे जुड़े वैचारिक तंत्र को पीड़ितों की चीखें सुनाई नहीं देतीं। क्या अंकित शर्मा की मां का विलाप उन्हें विचलित नहीं करता। लेकिन वही तंत्र उमर खालिद और शरजील इमाम में लोकतंत्र का रक्षक और अभिव्यक्ति की आजादी का प्रतीक खोज लेता है। यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि सोची-समझी विचारधारा का परिचय है, जहां राष्ट्र की सुरक्षा एजेंसियों को संदेह के घेरे में रखा जाता है और दंगों के आरोपित नैरेटिव के नायक बना दिए जाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो कांग्रेस को पीड़ितों की चीखें नहीं दिखतीं, पर आरोपितों में वह "पीड़ित" ढूँढ लेती है। वह अंकित शर्मा जैसे शहीद अधिकारी की निर्मम हत्या को राजनीतिक चर्चा का विषय नहीं बनाती, पर "टुकड़े-टुकड़े गैंग" के पोस्टरबॉय को लोकतांत्रिक अधिकारों की कथा बनाकर प्रस्तुत करती है। यह कोई संयोग नहीं बल्कि एक विचारधारा का परिचय है, जहाँ राष्ट्र की सुरक्षा एजेंसियाँ गलत और दंगों के आरोपी "नैरेटिव हीरो" बन जाते हैं। यही वह नैरेटिव-निर्माण है जिसने देश को भ्रमित किया, जहाँ अपराधी को एक्टिविस्ट और पीड़ित को अदृश्य कर दिया जाता है। जमानत दंगे के हत्यारों का अधिकार कैसे..? सवाल यह उठता है कि क्या यह केवल "कानूनी सहायता" है या किसी विशेष मानसिकता का स्पष्ट संकेत?

सुप्रीम कोर्ट का हालिया निर्णय इस पूरे विमर्श में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उमर खालिद और शरजील इमाम की भूमिका प्रथम दृष्टया अत्यंत गंभीर है और दिल्ली पुलिस द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य विश्वसनीय हैं। अदालत ने यह भी कहा कि इस प्रकार की संगठित और हिंसक साजिश में शामिल लोगों को इस आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती कि वे लंबे समय से जेल में हैं। इसे समझें तो यह टिप्पणी नैतिक संदेश भी है कि कानून भावनाओं या राजनीतिक दबाव से संचालित नहीं होगा। हालांकि अदालत ने कुछ अन्य आरोपितों को सख्त शर्तों के साथ जमानत दी, पर साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि शर्तों के उल्लंघन पर उन्हें दोबारा जेल भेजा जा सकता है। इससे यह संदेश गया कि न्यायपालिका ने साजिश और हिंसा की गंभीरता को केंद्र में रखकर निर्णय दिया है, न कि किसी नैरेटिव या जनमत के दबाव में।

जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि यह हिंसा अचानक नहीं भड़की थी। आम आदमी पार्टी का तत्कालीन पार्षद ताहिर हुसैन इस हिंसा में एक प्रमुख भूमिका में सामने आया। सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शी गवाहों और डिजिटल साक्ष्यों से संकेत मिला कि उसकी छत से पेट्रोल बम फेंके गए और दंगाइयों के लिए संसाधन जुटाए गए। आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान का नाम भी कई बयानों में सामने आया। यह भी एक कड़वा सत्य है कि इस दंगे में सबसे अधिक नुकसान हिंदुओं को हुआ, चाहे वह जान-माल का हो या धार्मिक स्थलों का।

इसके समानांतर एक और चिंताजनक परत सामने आई, मीडिया और तथाकथित इकोसिस्टम पत्रकारिता की। अजित अंजुम और आरफा खानम जैसे नाम उमर खालिद और शरजील इमाम के लिए संवेदना, आक्रोश और पीड़ा व्यक्त करते दिखाई दिए, लेकिन अंकित शर्मा के परिजनों का दर्द उन्हें शायद ही दिखाई दिया। यह वही नैरेटिव निर्माण है, जिसमें अपराधी को एक्टिविस्ट और पीड़ित को अदृश्य कर दिया जाता है। यह सवाल आज भी अनुत्तरित है कि दंगे में शामिल हत्यारों की जमानत को मानवाधिकार का विषय कैसे बना दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद जब भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर यह कहते हुए निशाना साधा कि यह कांग्रेस इकोसिस्टम पर करारा तमाचा है, तो यह केवल राजनीतिक बयान नहीं था। निश्चित ही यह उस नैरेटिव की हार थी, जो वर्षों से गढ़ा जा रहा था। अदालत के निर्णय ने उन तमाम लेखों, बहसों और अभियानों को अप्रासंगिक कर दिया जिनका उद्देश्य आरोपितों को मासूम और पीड़ितों को संदिग्ध साबित करना था।

दिल्ली के साल 2020 के दंगे केवल एक शहर की त्रासदी नहीं थे, यह भारत के लोकतंत्र, न्याय व्यवस्था और मीडिया की भूमिका की भी परीक्षा थे। इतिहास केवल अदालतों में नहीं लिखा जाता, वह जनता की स्मृति में भी अंकित होता है। अंकित शर्मा और दिलबर नेगी की पीड़ा उस स्मृति का हिस्सा है। इतिहास न्याय करता है और जनता भी आखि?रकार न?याय ही चाहती है, हम ये नहीं भूलें। इस पूरे प्रकरण का सार यही है जो दल, नेता, पत्रकार और बुद्धिजीवी दंगाइयों के साथ खड़े होंगे, जनता उन्हें कितने भी प्रयासों के बावजूद राष्ट्रीय, देशभक्तपूर्ण नहीं मान सकती।? जो तंत्र शहीदों को भुलाकर आरोपितों को निर्दोष साबित करने में अपनी ऊर्जा लगाए, उसकी नीयत और राष्ट्रभक्ति दोनों कटघरे में खड़ी होती है।

(लेखक, वरिष्ठ स्तंभकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता हैं।)

राम रहीम को 15वीं बार पैरोल पर उठते सवाल

अजय कुमार

हरियाणा के रोहतक स्थित सुनारिया जेल में बलात्कार और हत्या के गंभीर आरोपों में 20 साल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को 15वीं बार पैरोल मंजूर कर दी गई है। इसके तहत वह करीब 40 दिनों के लिए जेल से बाहर सिरसा डेरा में रहेंगे। 2017 में सजा मिलने के बाद अब तक यह सबसे निरंतर और लंबा पैरोल सिलसिला है, जिसने न केवल न्याय व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि पीड़ित परिवारों और समाज में नाराजगी भी पैदा की है। गुरमीत राम रहीम ने सोमवार को जेल से बाहर आते ही अपने समर्थकों के स्वागत में पहुंची बड़ी संख्या में गाड़ियों के काफिले के बीच सिरसा डेरा सच्चा सौदा के लिए प्रस्थान किया। पैरोल अवधि के दौरान वह वहीं रहेंगे। रिकॉड्र्स के अनुसार, 2017 से अब तक वह कुल 405 दिन से अधिक समय जेल से बाहर रह चुके हैं। यानी सिर्फ 8 साल और 4 महीने की सजा में उन्होंने लगभग एक पूरा साल जेल की सुरक्षा से बाहर गुजारा है। पहली बार उन्हें 24 अक्टूबर 2021 को बीमार मां से मिलने के लिए सिर्फ एक दिन की पैरोल दी गई थी। इसके बाद 21 मई 2021 को भी मां की बीमारी के कारण एक दिन की पैरोल मिली। लेकिन तीसरी बार, 7 फरवरी 2022, उन्हें 21 दिन के लिए जेल से बाहर आने की अनुमति मिली, उस समय पंजाब में विधानसभा चुनाव चल रहे थे। चौथी बार 17 जून 2022, उन्हें 30 दिन के लिए पैरोल मिली, हरियाणा में निकाय चुनाव के दौरान। पांचवीं बार 15 अक्टूबर 2022 को उन्हें 40 दिन के लिए जेल से बाहर रहने की अनुमति मिली, उसी दौरान आदमपुर उपचुनाव था।

इसके बाद भी सिलसिला लगातार चलता रहा। छठी बार 21 जनवरी 2023 को शाह सतनाम जयंती के मौके पर 40 दिन, सातवीं बार 20 जुलाई 2023 को जन्मदिन के समय 30 दिन, आठवीं बार 21 नवंबर 2023 को राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान 21 दिन, नौवीं बार 19 जनवरी 2024 को लोकसभा चुनाव के समय 50 दिन, दसवीं बार 13 अगस्त 2024 को जन्मदिन के आसपास 21 दिन, ग्यारहवीं बार 1 अक्टूबर 2024 हरियाणा चुनाव में 21 दिन, बारहवीं बार 28 जनवरी 2025 दिल्ली विधानसभा चुनाव के समय 30 दिन, तेरहवीं बार 9 अप्रैल 2025 डेरा सच्चा सौदा स्थापना दिवस के मौके पर 41 दिन, चौदहवीं बार 5 अगस्त 2025 जन्मदिन के आसपास 40 दिन और अब पंद्रहवीं बार 3 जनवरी 2026 को 40 दिन के लिए पैरोल मिली।इस लगातार पैरोल सिलसिले को देखकर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या बलात्कार और हत्या जैसे गंभीर अपराध में सजायाफ्ता के प्रति प्रशासन और सरकार की नरमी का कारण राजनीतिक दबाव या सामाजिक स्थिति है। पैरोल नियमों के अनुसार कैदी को केवल परिवार में मौत, गंभीर बीमारी, करीबी की शादी या किसी अन्य अत्यावश्यक मानवीय कारण से ही अस्थायी रूप से जेल से बाहर आने की अनुमति मिल सकती है। लेकिन गुरमीत राम रहीम को जन्मदिन, चुनाव या धार्मिक आयोजन जैसे अवसरों पर बार-बार जेल से बाहर भेजा जाना नियमों की सीमाओं के परे है।

सामाजिक संगठनों और पीड़ित परिवारों ने इस बार-बार की पैरोल की अनुमति को न्यायिक मयार्दाओं के विरुद्ध बताया है। ज्ञानी राम सिंह खासला ने इसे जख्मों पर नमक छिड़कने के समान बताया। उनका कहना है कि सरकार लंबे समय से जेलों में बंद सिख कैदियों की रिहाई के मुद्दे पर चुप है, लेकिन बलात्कारी गुरमीत राम रहीम को लगातार पैरोल मिल रही है, जिससे समाज और समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है।इस सिलसिले में आँकड़े भी हैरान कर देने वाले हैं। आठ साल और चार महीने की सजा में गुरमीत राम रहीम कुल 387 दिन जेल से बाहर रह चुके हैं। यानी वह इस सजा का एक वर्ष से अधिक समय जेल की दीवारों से दूर गुजार चुके हैं। वहीं, आसाराम बापू को जेल से बाहर आने में एक दशक से अधिक समय लग गया और उन्हें हाल ही में मेडिकल ग्राउंड पर छह महीने की अंतरिम जमानत मिली। कुलदीप सेंगर को बलात्कार के लिए उम्रकैद मिली थी, जिसे हाईकोर्ट ने सस्पेंड किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पलट दिया। इस तुलना से यह स्पष्ट होता है कि गुरमीत राम रहीम को दी जाने वाली रियायत असाधारण और विवादास्पद है। सामाजिक और राजनीतिक विशेषज्ञ बताते हैं कि पैरोल का बार-बार मिलना केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इसमें राजनीतिक और सामाजिक कारणों का असर भी देखा जा सकता है। चुनाव के समय, जन्मदिन या धार्मिक आयोजन के मौके पर पैरोल देना न्याय व्यवस्था की पारदर्शिता और समानता पर सवाल खड़ा करता है।

पारिवारिक और मानवीय कारणों से पैरोल दी जाती है, लेकिन राजनीतिक अवसरों और व्यक्तिगत उत्सवों के लिए बार-बार पैरोल देना न्याय और समाज के लिए गंभीर चुनौती है। इससे पीड़ित परिवारों की पीड़ा और बढ़ती है, और यह संदेश जाता है कि समाज में कुछ लोग कानून से अलग विशेषाधिकार पा सकते हैं। गुरमीत राम रहीम के बार-बार जेल से बाहर आने के सिलसिले ने यह भी उजागर किया कि सजा का वास्तविक अर्थ और जेल का उद्देश्य क्या है, इसे आम जनता और पीड़ित परिवार सही ढंग से नहीं समझ पा रहे हैं। अदालत और प्रशासन के निर्णयों में समानता और पारदर्शिता होनी चाहिए, ताकि न्याय व्यवस्था में विश्वास बनाए रखा जा सके। सामाजिक दृष्टि से यह भी देखा गया है कि ऐसे अपराधियों के बार-बार जेल से बाहर आने से समुदायों की भावनाएं आहत होती हैं और समानता का संदेश कमजोर होता है।

दैनिक पंचांग

8 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

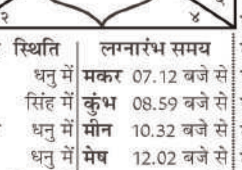

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	07.12 बजे से
चंद्र	सिंह में	कुंभ	08.59 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	10.32 बजे से
बुध	धनु में	मेष	12.02 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.42 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	15.40 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.54 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.10 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	22.22 बजे से
		तुला	00.33 बजे से
		वृश्चिक	02.47 ब.से
		धनु	05.03 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का आठवा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ (दक्षिण भारत में पौष)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी अहोरात्र।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 12.25 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 17.26 बजे को समाप्त।
करण गर 18.44 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 18.9 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 16'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872583
जूलियन दिन 2461048.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब
तारीख 18

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

राजमहल-मानिकचक गंगा पुल : केंद्रीय मंत्री ने डीपीआर तैयार करने का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड से पश्चिम बंगाल एवं नॉर्थ ईस्ट को जोड़ने वाली राजमहल-मानिकचक के बीच बहुप्रतीक्षित गंगा पुल के निर्माण की दिशा में एक बड़ी और ऐतिहासिक पहल सामने आई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए डीपीआर डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दे दिया है। इस निर्णय को क्षेत्र के विकास की दिशा में मील का पत्थर माना जा रहा है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के पीछे राजमहल के सांसद विजय कुमार हांसदा एवं

राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा के निरंतर प्रयास और केंद्र सरकार के समक्ष रखी गई ठोस मांग का अहम योगदान है। दोनों जनप्रतिनिधियों ने लंबे समय से इस पुल की आवश्यकता को विभिन्न मंचों पर प्रभावी ढंग से उठाया था।जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आया है। गंगा नदी पर प्रस्तावित यह पुल झारखंड के साहिबगंज जिले के राजमहल को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मानिकचक से सीधे जोड़ेगे। पुल के निर्माण से न केवल दोनों राज्यों के बीच आवागमन अत्यंत सुगम होगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन, कृषि उत्पादों के परिवहन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी नई गति मिलेगी। राजमहल विधायक ने कहा कि झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड की नई ऊर्जा गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के राजमहल के प्रति विकास की रफ्तार का यह सार्थक परिणाम देखने को मिल रहा है। राजमहल आगमन पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी कि राजमहल-मानिकचक गंगापुल निर्माण कार्य में बजट का आधा खर्च 50 प्रतिशत राज्य सरकार वहन करेगी। जिस पर कैबिनेट में राज्य सरकार प्रस्ताव भी ले चुकी है। मुख्यमंत्री के आदेशानुसार सांसद और विधायक केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मिले और उन्होंने भी सकारात्मक आश्वासन दिया था और आज डीपीआर बनाने का आदेश विभाग को निर्गत किए हैं इसके लिए मुख्यमंत्री व केन्द्रीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री व कल्पना सोरेन का यह प्रयास रहता है कि राजमहल में विकास की दिशा में सौगात दी जाए और राजमहल के वर्षों की पिछड़ेपन की अभिशाप से मुक्ति दिलाई जाए। यह प्रयास जमीनी स्तर पर देखने को भी मिल रहा है।

एक नजर

मुफस्सिल पुलिस ने एक आरोपी व एक वारंटी को किया गिरफ्तार

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना कांड संख्या 148/19, धारा 175/379/414 आईपीसी के प्राथमिकी आरोपी बिहार, बेगूसराय के बखरी थाना क्षेत्र अंतर्गत बगरस, वार्ड नंबर 1 निवासी सुभाष कुमार एवं भागलपुर न्यायालय का जीआर नंबर 4687/15 के वारंटी मुफस्सिल थाना क्षेत्र निवासी पांचू उर्फ राशिद खान को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मुफस्सिल थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस दोनों को काफी दिनों से तलाश कर रही थी।

समाज की भागीदारी से ही स्वस्थ भारत का सपना होगा पूरा : जोसिमा खाखा

सिमडेगा : जिले के पाकरटांड में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य मेला आयोजन किया गया। मेला का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिप सदस्य सह कांग्रेस महिला मोर्चा ज़िलाध्यक्ष जोसिमा खाखा ने दीप जलाकर किया। जोसिमा ने अपना हिमोग्लोबिन जाँच भी करवाई। वहीं शिविर में लगे विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर स्वागत भाषण एमओवाइसी डॉ आकांक्षा ने दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से चलाए जा रहे योजनाओं की जानकारी देते हुए योजना का लाभ लेने का आग्रह किया। जोसिमा खाखा ने कहा कि स्वास्थ्य मेला सिर्फ इलाज का माध्यम नहीं, जागरूकता, रोकथाम और समय पर उपचार का सशक्त मंच है। दूर-दराज क्षेत्रों के लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना इसका मुख्य उद्देश्य है। उत्तम स्वास्थ्य किसी की कृपा नहीं हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। विधायक भूषण बाड़ा की प्राथमिकता रही है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पहुँचे। जोसिमा ने कहा कि इस क्षेत्र में कुपोषण, एनीमिया, मातृ-शिशु मृत्यु दर जैसी चुनौतियाँ आज भी मौजूद हैं। महागठबंधन सरकार ने हमेशा आदिवासी, गरीब और ग्रामीण समाज के लिए विशेष स्वास्थ्य योजनाएँ लागू की हैं। स्वस्थ माँ से ही स्वस्थ समाज बनता है।

डायन कुप्रथा को बढावा देनेवालों पर प्रशासन करेगा कड़ी कार्रवाई : उपायुक्त

धनबाद : डायन कुप्रथा उन्मूलन, बाल विवाह मुक्त झारखंड, मिशन शक्ति के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं को लेकर बुधवार को न्यू टाउन हॉल में अनुमंडल स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उपायुक्त आदित्य रंजन ने महिलाओं को सुरक्षित और सशक्त बनाकर सशक्त झारखंड के निर्माण के लिए डायन कुप्रथा एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को दूर करने, महिलाओं की सुरक्षा तथा बालिकाओं की शिक्षा के लिए तत्पर रहने की सभी को शपथ दिलाई। उपायुक्त ने कहा कि डायन कुप्रथा और बाल विवाह समाज के लिए गंभीर मुद्दा है एवं समाज पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। ऐसी कुप्रथाओं की रोकथाम के लिए सभी को सावधान, सचेत और सक्रिय रहना होगा। यह तभी संभव होगा जब हर नागरिक जागरुक बनेगा। उपायुक्त ने कहा कि सभी प्लस टू विद्यालयों में ऐसी कार्यशाला का आयोजन कर बच्चियों को कुप्रथा के विरुद्ध जागरूक किया जाएगा। वहीं कुप्रथा को बढ़ावा देने वालों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि कुप्रथा में शामिल लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई जिला प्रशासन करेगा। कुप्रथा को रोकने के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम को सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में भ्रमणशील सिटी हॉक्स भी निगरानी रखेंगे।

डीसी की अध्यक्षता में भू-अर्जन योजनाओं की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में भू-अर्जन विभागान्तर्गत संचालित योजनाओं की मासिक समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीसी ने पूर्व बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में अब तक की गई प्रगति की गहन समीक्षा की तथा संबंधित पदाधिकारियों से योजनावार विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए एवं योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीसी ने विशेष रूप से भूमि अधिग्रहण से संबंधित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन से जिले के विकास कार्यों को गति मिलेगी, अतः सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज अमर जॉन आईन्द, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल सदानंद महतो, भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास सहित जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी उपस्थित थे।

साहिबगंज में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह-2026 के सातवें दिन के अवसर पर जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी के नेतृत्व में साहिबगंज ज़िले के सभी बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, टैम्पोझटोटो स्टैंड तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बस चालकों, ऑटो एवं टैम्पो चालकों, कंडक्टरों तथा आम नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने, सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु संवेदनशील एवं जागरूक किया गया। इस अभियान का उद्देश्य जिले में सड़क दुर्घटनाओं एवं मृत्यु दर को न्यूनतम करना तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ के माध्यम से ऑडियो संदेश प्रसारित किये गए तथा पंपलेट, बुकलेट एवं हैंडबिल का वितरण कर आमजन को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही, सड़क सुरक्षा एलईडी वैन द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में घूम-घूमकर लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, ताकि किसी भी व्यक्ति को जानकारी के अभाव में जोखिम का सामना न करना पड़े। जिला परिवहन पदाधिकारी मिथिलेश कुमार चौधरी ने सभी वाहन चालकों तथा नागरिकों से अपील की कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें, चार पहिया वाहन चालाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें, बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन न चलाएँ तथा शराब पीकर वाहन चलाने से परहेज करें। इस अवसर पर एम.भी.आई. अभिषेक मुंडा एवं कुमार उत्कर्ष, जिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक नीरज कुमार साह, आर.पी.एफ. एस.आई. रविन्द्र तिवारी, कार्तिक कुमार, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर एवं आईटी सहायक राजहंस उपस्थित रहे।

झारखंड में चार स्पीड कॉरिडोर : खनन और औद्योगिक कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज: भारत सरकार ने रांची-साहिबगंज के बीच एक्सप्रेस कनेक्टिविटी, साहिबगंज में गंगा नदी पर नया हाई-लेवल पुल और चार स्पीड कॉरिडोर के विकास में सहयोग का भरोसा दिया है। झारखंड सरकार से सभी परियोजनाओं को पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है, ताकि क्रियान्वयन के लिए सक्षम प्राधिकार से अनुमति प्राप्त की जा सके। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ झारखंड की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को लेकर मंगलवार को दिल्ली में समीक्षा बैठक में इन परियोजनाओं पर सहमति बनी। समीक्षा बैठक के दौरान झारखंड में जारी और प्रस्तावित एनएच और एनएचएआई परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण और फॉरेस्ट क्लीयरेंस की गति अच्छी पाई गई। गडकरी ने कुछ परियोजनाओं को गति देने के लिए अधिग्रहण और क्लीयरेंस की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। प्रधान सचिव ने प्रस्तुतीकरण के जरिए बताया कि उपरोक्त परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों से कनेक्टिविटी बेहतर होगी। औद्योगिक और खनन की ढुलाई का समय घट जाएगा। व्यापार आसान और यात्रा सुगम हो जाएगी। कई तरह से पर्यटन का भी विकास होगा। सहमति के मुताबिक रांची से साहिबगंज तक 4/6 लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे विकसित किया जाएगा, जिससे दूरी 80 से 100 किलोमीटर तक कम होगी। साथ ही साहिबगंज मल्टी-मोडल टर्मिनल को तेज सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी। यह कॉरिडोर उर्जाचल, औद्योगिक क्लस्टरों और पूर्वी बंदरगाहों को सीधे जोड़ेगा। बैठक में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के राज्यमंत्री अजय टम्टा, हर्ष मल्होत्रा, एनएचएआई के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव और झारखंड से पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार मौजूद रहे। सरकार ने झारखंड के पूर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण, पूर्वी और केंद्रीय कॉरिडोर समेत चार प्राथमिक सड़क गलियारों को भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना है।

अवैध खनन मामले में साहिबगंज पहुंची सीबीआई की 6 सदस्यीय टीम, जांच शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला में अवैध खनन मामले की हाईकोर्ट से सुपुर्दगी के बाद सीबीआई की 6 सदस्यीय टीम बुधवार को साहिबगंज पहुंची। टीम यहां सबसे पहले सुबह लगभग 10:53 जिला खनन कार्यालय पहुंची। इसके उपरांत ईडी के जब्त किए गए जहाज को देखने सकरीगली पहुंची। टीम ने यहां जहाज का मुआयना कर जब्ती सूची व अन्य दस्तावेज का मिलान करते हुए मौजूद कर्मियों से पूछताछ की। इसके बाद सीबीआई की टीम ने महादेवगंज, चुआ मौजा के चर्चित नींबू पहाड़ में पत्थर खदानों का जायजा लेते हुए लोकेशन व दस्तावेज सहित ईडी के फाइंडिंग दस्तवेज से मिलान किया। टीम ने बासा पहुंच संकट मोचन माइंस का मुआयना करते हुए वहां भी जांच-पड़ताल व पूछताछ की। इसके उपरांत सीबीआई की टीम वापस लौट आयी। बताया जा रहा है कि सीबीआई की टीम यहां कुछ दिनों तक रहकर पूर्व में ईडी व खुद की जांच में चिन्हित स्थलों, प्राप्त दस्तावेजों का गहन पड़ताल करेगी। फिलहाल सीबीआई के आगमन से एक बार फिर साहिबगंज का पत्थर जगत चर्चा में है और पत्थर कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

भाजपा ने साहिबगंज में धरना प्रदर्शन कर राज्य सरकार के खिलाफ जताया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूरे झारखंड प्रदेश में नगर पंचायत, नगर परिषद एवं नगर निगम क्षेत्रों में राज्य की हेमन्त सोरेन सरकार के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। भाजपा का स्पष्ट आरोप है कि राज्य सरकार ने जानबूझकर नगर निकाय चुनाव को वर्षों तक टालकर प्रशासनिक अराजकता को बढ़ावा दिया, जिसके कारण पूरे प्रदेश में अफसरशाही हावी हो गई और आम जनता के काम ठप हो गए।भाजपा का कहना है कि नगर निकायों में बिना लेन-देन के कोई भी कार्य नहीं हो पा रहा है और बिचौलियों का बोलबाला बढ़ गया

है। जब चुनाव कराने की बारी आई तो हेमन्त सोरेन सरकार ने दलीय आधार पर चुनाव न कराने और बैलेट पेपर से चुनाव कराने का निर्णय लिया, जिसका भाजपा लगातार विरोध कर रही है। भाजपा की स्पष्ट मांग है कि नगर निकाय चुनाव दलीय आधार पर और ईवीएम से कराए जाएं। इसी क्रम में आज भाजपा साहेबगंज जिला द्वारा साहेबगंज नगर परिषद क्षेत्र में धरना प्रदर्शन नगर अध्यक्ष बिनोद कुमार चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ । इस धरने में भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता एवं पूर्व विधायक अनन्त ओझा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। धरना को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अनन्त ओझा ने कहा कि हेमन्त सोरेन की सरकार दलीय आधार पर चुनाव कराने से डर रही है। सरकार को यह भली-भांति पता है कि जनता को गुमराह कर सत्ता तो हासिल कर ली गई, लेकिन जनता अब जवाब देने के लिए तैयार है। दलीय आधार पर चुनाव हुआ तो इनका सूपड़ा साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ईवीएम से चुनाव कराने से भाग रही है, जबकि यह भी सत्य है कि ईवीएम कांग्रेस की ही देन है, जिनके साथ झामुमो आज सत्ता में शामिल है। अनंत ओझा ने आरोप लगाया कि राज्य में ब्लॉक से लेकर नगर निकाय कार्यालय तक बिना पैसे दिए कोई काम नहीं होता। हर स्तर पर बिचौलियों का वर्चस्व है और आम जनता परेशान है। उन्होंने साहेबगंज जिले के विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सत्ता पक्ष के नेता केवल विकास के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। पश्चिमी एवं पूर्वी फाटक रेल ओवरब्रिज के लिए उन्होंने लगातार आवाज उठाई, जिसके बाद राज्य और केंद्र सरकार द्वारा 50-50 प्रतिशत राशि से ओवरब्रिज निर्माण पर सहमति बनी। बावजूद इसके, 2022 में कुछ विकास विरोधी बिचौलियों के साथ मिलकर झामुमो नेताओं द्वारा पथ निर्माण विभाग को पत्र लिखकर निर्माण कार्य रुकवाने का काम किया गया। पूर्व विधायक ने कहा कि ओवरब्रिज निर्माण के लिए उन्होंने रेल मंत्री से लेकर विधानसभा तक लगातार आंदोलन किया, लेकिन झामुमो नेताओं ने केवल जनता को गुमराह किया।

संक्षिप्त खबरें

अवैध खनन मामले में साहिबगंज पहुंची सीबीआई की 6 सदस्यीय टीम, जांच शुरू

साहिबगंज: जिला में अवैध खनन मामले की हाईकोर्ट से सुपुर्दगी के बाद सीबीआई की 6 सदस्यीय टीम बुधवार को साहिबगंज पहुंची। टीम यहां सबसे पहले सुबह लगभग 10:53 जिला खनन कार्यालय पहुंची। इसके उपरांत ईडी के जब्त किए गए जहाज को देखने सकरीगली पहुंची। टीम ने यहां जहाज का मुआयना कर जब्ती सूची व अन्य दस्तावेज का मिलान करते हुए मौजूद कर्मियों से पूछताछ की। इसके बाद सीबीआई की टीम ने महादेवगंज, चुआ मौजा के चर्चित नींबू पहाड़ में पत्थर खदानों का जायजा लेते हुए लोकेशन व दस्तावेज सहित ईडी के फाइंडिंग दस्तवेज से मिलान किया। टीम ने बासा पहुंच संकट मोचन माइंस का मुआयना करते हुए वहां भी जांच-पड़ताल व पूछताछ की। इसके उपरांत सीबीआई की टीम वापस लौट आयी। बताया जा रहा है कि सीबीआई की टीम यहां कुछ दिनों तक रहकर पूर्व में ईडी व खुद की जांच में चिन्हित स्थलों, प्राप्त दस्तावेजों का गहन पड़ताल करेगी। फिलहाल सीबीआई के आगमन से एक बार फिर साहिबगंज का पत्थर जगत चर्चा में है और पत्थर कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

रिवैंप्ड आरजीएसए के तहत पाकुड़ के 70 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गोड्डा के लिए रवाना

पाकुड़ : ज़िले में पंचायती राज विभाग, झारखण्ड सरकार के निदेर्शों के आलोक में पाकुड़ जिले के ग्रामीण नेतृत्व को आधुनिक और सक्षम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। रिवैंप्ड राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत, जिले के 70 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को दो दिवसीय 'एक्सपोजर विजिट' हेतु गोड्डा जिले के लिए रवाना किया गया। जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया। इस अवसर पर प्रभारी जिला परियोजना प्रबंधक (ई-पंचायत) ई० आनंद प्रकाश भी उपस्थित थे। इस दल में पंचायत राज व्यवस्था के सभी महत्वपूर्ण स्तरों का प्रतिनिधित्व शामिल है, जिसमें मुखिया, उप-मुखिया, वार्ड सदस्य, पंचायत सचिव, पंचायत सहायक और प्रखंड समन्वयक,पंचायत राज स्वशासन परिषद के सदस्य शामिल हैं। साथ ही महिला सशक्तिकरण की कड़ी को मजबूत करने हेतु जेएसएलपीएस सीएलएफ की दो दीदियों को भी विशेष रूप से दल का हिस्सा बनाया गया है। रवानगी के दौरान जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू ने कहा कि यह विजिट प्रतिनिधियों के विजन को बदलने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि रिवैंप्ड आरजीएसए का मुख्य उद्देश्य पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाना है। गोड्डा में संचालित बेहतर मॉडल, स्वच्छता प्रबंधन और सामुदायिक विकास के कार्यों को देखकर हमारे जनप्रतिनिधि पाकुड़ की पंचायतों में भी सकारात्मक बदलाव लाएंगे। यह 70 सदस्यीय दल गोड्डा जिले की आइएसओ ग्राम पंचायतों का भ्रमण करेगा। इस दौरान वहां के पंचायत सचिवालयों के सफल संचालन, सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण और स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग की बारीकियों को समझा जाएगा। दल की वापसी के बाद, प्राप्त अनुभवों को पाकुड़ की पंचायतों में कार्ययोजना बनाकर लागू किया जाएगा।

72 हजार रुपये के नकली नोट के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

साहिबगंज: महाराष्ट्र पुलिस ने बुधवार को राधानगर पुलिस की मदद से अमानत दियारा में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान महाराष्ट्र पुलिस ने एक महिला को हिरासत में लिया है। पुलिस जानकारी के अनुसार 72 हजार के जाली करेंसी के मामले में देर शाम महाराष्ट्र राज्य के शिवाजी पार्क थाने की चार सदस्यीय टीम राधानगर थाना पहुंची। इस दौरान शिवाजी पार्क थाने की पुलिस ने राधानगर पुलिस के सहयोग से संयुक्त रूप से थाना क्षेत्र के अमानत दियारा गांव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान कथित जाली नोट के कारोबार में एक महिला आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार 31 दिसम्बर की शाम को करीब 5 बजे शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन के क्राइम डिटेक्शन ऑफिसर सपोनी मंगेश जमदडे और उनकी टीम दादर इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने डी सिल्वा स्ट्रीट में शगुन होटल के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध तरीके से घूमते देखा। जब उस पर शक बढ़ा तो पुलिस ने दो पंचायतों की मौजूदगी में उसकी तलाश ली। तलाशी के दौरान पता चला कि आरोपी ने अपने अंडर वियर में सिली हुई जेब में 500 के 144 नकली नोटों का बंडल छिपा रखा था। पुलिस ने तुरंत 72 हजार इस नकली नोटों को जब्त कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार आरोपी के पहचान अमरुद्दीन अली हुसैन शेख (61) राधानगर थाना क्षेत्र है। पुलिस के जांच में पता चला कि उक्त आरोपी एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ अंधेरी, डीबी मार्ग, नेरुल, भोईवाड़ा और अंबरनाथ जैसे कई पुलिस थानों में चोरी मारपीट जैसे कई गंभीर अपराध दर्ज है। शिवाजी पार्क पुलिस ने इंडियन पीनल कोड 2023 की धारा 180 के तहत मामला दर्ज किया। वही पकड़े गए आरोपी से पुलिस ने पूछताछ की कई लोगों का इस धंधे में संलिप्तता पाई गई। वही पकड़े गए आरोपी के निशानदेही पर शिवाजी पार्क थाने के हेड कांस्टेबल आकाश अप्पासो मंगले के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम देर शाम को राधानगर थाना पहुंची। इस दौरान स्थानीय पुलिस के सहयोग से अमानत दियारा पंचायत में छापेमारी कर एक महिला को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया। वही बुधवार को पूछताछ के बाद कागजी प्रक्रिया पूर्ण करते हुए राजमहल व्यवहार न्यायालय में पेश कर आरोपी महिला को ट्रांजिट रिमांड में अपने साथ शिवाजी पार्क थाना ले जाया जाएगा। छापेमारी में शिवाजी पार्क पुलिस में पुलिस कांस्टेबल अमित प्रकाश कदम,महिला पुलिस कांस्टेबल गायत्री राजेंद्र राउत व राधानगर थाना के सब इंस्पेक्टर जुमराती अंसारी, एएसआई मनोज कुमार पासवान सहित पुलिस बल शामिल थे।

स्वास्थ्य मेले में कई लोगों ने कराई स्वास्थ्य की जांच

चतरा : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पत्थलगडा में बुधवार को स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से आयोजित मेले का शुभारंभ जिला परिषद सदस्य राम सेवक दांगी, अंचल अधिकारी उदल राम, मुखिया महेश दांगी, राधिका देवी, कुमारी संगीता सिन्हा सहित अन्य की उपस्थिति में फीता काटकर किया गया। मेले में विभिन्न बीमारियों के इलाज और जांच के लिए कई स्टॉल लगाए गए। शिविर में 305 से अधिक लोगों ने कई बीमारियों के जांच के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। मेले में 8 फाइलेरिया से पीड़ित मरीज के बीच किट का वितरण किया गया। वहीं इस दौरान जनरल ओपीडी 130, मातृत्व स्वास्थ्य के 38, आंख जांच के लिए 90, आयुर्वेद और होम्योपैथिक जांच के लिए 90, मलेरिया के 36 और 50 वरिष्ठ नागरिकों ने जांच कराई। वहीं स्वास्थ्य मेले में एनसीडी स्क्रीनिंग (गैर संचारी बीमारियों की जांच) के लिए 120 मरीज पहुंचे।

वेनेजुएला अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल कच्चा तेल देगा

ट्रंप बोले- बिक्री का पैसा मेरे नियंत्रण में रहेगा

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल उच्च गुणवत्ता वाला कच्चा तेल सौंपेगी। यह तेल फिलहाल प्रतिबंधों के दायरे में है। ट्रंप ने यह घोषणा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर की। उनके मुताबिक, अमेरिका इस तेल को बाजार भाव पर बेचेगा और बिक्री से मिलने वाली राशि राष्ट्रपति के नियंत्रण में रहेगी, जिसका इस्तेमाल वेनेजुएला और अमेरिका दोनों देशों के लोगों के हित में किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि तेल की सप्लाई तुरंत शुरू की जाएगी। उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को बिना किसी देरी के इस योजना को लागू करने का निर्देश दिया है। योजना के तहत तेल को स्टोरेज जहाजों के जरिए अमेरिका लाया जाएगा और सीधे अमेरिकी बंदरगाहों पर उतारा जाएगा। फिलहाल कच्चे तेल की कीमत करीब 56 डॉलर प्रति बैरल बताई जा रही है। इस हिसाब से 30 से 50 मिलियन बैरल का यह सौदा लगभग 2.8 अरब डॉलर तक का हो सकता है। अमेरिका रोजाना करीब 2 करोड़ बैरल तेल की खपत करता है, ऐसे में वेनेजुएला से मिलने वाला यह तेल लगभग ढाई दिन की जरूरत के बराबर होगा। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में प्रमुख तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक बुलाने की बात कही है। इसमें एक्सॉन, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। यह घोषणा उस सैन्य कार्रवाई के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया। वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार, इस ऑपरेशन में 24 सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई। अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने ट्रंप के बयानों का विरोध किया है, जबकि अमेरिका में डेमोक्रेट पार्टी ने इस कार्रवाई की आलोचना की है।

टाटा, जेएसडब्ल्यू और सेल पर स्टील कीमत तय करने का आरोप

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग की जांच में हुआ खुलासा

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की जांच में पता चला है कि टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील और सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी सेल ने आपस में मिलकर स्टील की कीमतें तय की। यह कदम भारतीय प्रतिस्पर्धा कानून के खिलाफ माना गया है। आयोग ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट तैयार कर कंपनियों से जवाब और वित्तीय विवरण मांगे हैं।

सूत्रों के अनुसार, सीसीआई ने अभी तक कोई अंतिम आदेश जारी नहीं किया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कंपनियों की आपत्तियों और सुझावों को सुना जाएगा, और फिर ही आयोग अंतिम फैसला लेगा। अगर कंपनियों पर जुर्माना लगाया जाता है, तो उसकी गणना वित्तीय विवरणों के आधार पर की जाएगी। टाटा स्टील और सेल ने उक्त मामले में अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सीसीआई ने 2021 से स्टील क्षेत्र में गोलबंदी और कीमत तय करने की गतिविधियों की जांच शुरू की थी। पिछले साल केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि स्टील और सीमेंट उद्योग में सांठगांठ देश और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए गंभीर समस्या है।

एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में तेजी, 5 फीसदी तक होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले कुछ महीनों में रोजमर्रा के सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) की बिक्री में 5 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम मुद्रास्फीति, नकारात्मक खाद्य मुद्रास्फीति और उपभोक्ता विश्वास में बढ़ोतरी से एफएमसीजी क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 18 महीनों के सुस्त प्रदर्शन के बाद अगस्त से अक्टूबर की अवधि में एफएमसीजी बिक्री में 5.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह अप्रैल 2024 के बाद की सबसे मजबूत तिमाही वृद्धि है और पिछली तिमाही व पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम से कम एक प्रतिशत अंक अधिक है। पिछले साल इसी अवधि में बिक्री 4.2 प्रतिशत बढ़ी थी। रिपोर्ट के अनुसार भारत कोविड से पहले एफएमसीजी उत्पादों के लिए 139 गुना खरीदारी कर रहा था। कोविड महामारी के पहले वर्ष के दौरान यह आंकड़ा घटकर 130 रह गया। तब से यह 2024 और 2025 में बढ़कर 157 हो गया है। यह महत्त्वपूर्ण है कि प्रमुख आवश्यक श्रेणियों में कीमतों में बढ़ोतरी के कारण खरीदार हर खरीदारी पर दस रुपये अतिरिक्त दे रहे हैं। इसके अलावा, वस्तु एवं सेवा कर दरों में कटौती से ब्रांडेड और गैर-ब्रांडेड उत्पादों के बीच अंतर कम होने की उम्मीद है।

यूनियन बैंक और बैंक ऑफ इंडिया होंगे एक!

- प्रस्ताव अभी अधिकारिक रूप से अनुमोदित नहीं हुआ

मुंबई ।

सरकार ने एक बार फिर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया के संभावित विलय पर विचार शुरू कर दिया है। यह प्रस्ताव अभी अधिकारिक रूप से अनुमोदित नहीं हुआ है लेकिन कई मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि वित्त मंत्रालय इस बड़े कदम पर गंभीरता से काम कर रहा है, जिससे बैंकिंग सेक्टर को मजबूती मिल सके और प्रतिस्पर्धा बढ़े।

अगर यह विलय लागू होता है, तो नई इकाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के बाद देश का दूसरा सबसे बड़ा सरकारी बैंक बन जाएगी। इससे ऑपरेशनल एफिशिएंसी, पूंजी शक्ति और नेटवर्क में वृद्धि होने की उम्मीद जताई जा रही है। यह कदम 2017-2020 के दौरान सरकारी बैंकों के बड़े विलयों की दूसरी लहर की तरह माना जा रहा है, जब 27 बैंकों को 12 में संकरा गया था।

अब फिर से ऐसे मर्जर 2.0 पर चर्चा तेज हुई है, जिसमें कुछ बैंकों के बहुमत का विलय या पुनर्गठन हो सकता है। कुछ विश्लेषक मानते हैं कि विलय से बैंक की वित्तीय स्थिति और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बेहतर होगी, जबकि बैंक कर्मचारी संघों ने चेतावनी दी है कि इससे ग्रामीण सेवाओं और स्थानीय पहुंच पर नकारात्मक असर पड़ सकता है।

हालांकि संसद में वित्त राज्य मंत्री ने बताया है कि इस समय कोई आधिकारिक मर्जर प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है, लेकिन प्रारंभिक चर्चा और रणनीति तैयार की जा रही है।

आरबीआई ने बैंकों के डिविडेंड पर कड़े नियम जारी किए

बैंक तभी डिविडेंड देंगे जब वे न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं और अनिवार्य बफर्स का पालन करेंगे

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय बैंकिंग सेक्टर की वित्तीय स्थिरता मजबूत करने के लिए बैंकों द्वारा डिविडेंड भुगतान पर नए और सख्त नियमों का मसौदा जारी किया है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि बैंक मुनाफा बांटने से पहले अपनी पूंजी पर्याप्तता और परिसंपत्ति की गुणवत्ता सुनिश्चित करें और भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए संसाधन सुरक्षित रखें। ये नियम सभी वाणिज्यिक बैंकों और भारत में काम करने वाले विदेशी बैंकों पर लागू होंगे। हालांकि क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक और पेमेंट बैंक फिलहाल इस दायरे से बाहर हैं। बैंक केवल तब डिविडेंड दे पाएंगे जब वे न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं और अनिवार्य बफर्स का पालन करेंगे। घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंकों को अतिरिक्त पूंजी बफर बनाए रखना अनिवार्य होगा।

डिविडेंड देने के बाद भी बैंक का पूंजी अनुपात निर्धारित सीमा से नीचे नहीं जाना चाहिए। अब बैंक डिविडेंड के लिए समायोजित कर पश्चात लाभ दिखाएंगे। इसमें शुद्ध एनपीए घटाने के बाद भी लाभ सकारात्मक होना जरूरी है। विदेशी शाखाओं वाले बैंक भी तभी अपने देश में मुनाफा भेज पाएंगे। यदि कोई बैंक इन शर्तों को पूरा नहीं करता है, तो उसे डिविडेंड देने या मुनाफा विदेश भेजने की अनुमति नहीं होगी। आरबीआई के दिशा-निर्देशों या कानून का उल्लंघन करने पर बैंक पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

आरबीआई का बैंक पर्यवेक्षण सूचकांक बढ़ा

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर तिमाही में अपने बैंक पर्यवेक्षण आंकड़ा गुणवत्ता सूचकांक (एसडीक्यूआई) को 90.7 बताया, जो अप्रैल-जून तिमाही के 89.9 की तुलना में बढ़ा है। यह संकेत है कि बैंकों ने वित्तीय आंकड़े अधिक सटीक, समय पर और पूर्णता के साथ जमा किए। एसडीक्यूआई का उद्देश्य यह जांचना है कि बैंक आरबीआई के पर्यवेक्षण रिटर्न नियमों का कितना पालन कर रहे हैं। यह सूचकांक बैंकों की निगरानी और जांच में केंद्रीय बैंक के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। आरबीआई के अनुसार एसडीक्यूआई स्कोर का वर्गीकरण इस प्रकार है- 70 से कम गंभीर चिंता, 70-80 सुधार की जरूरत, 80-90 स्वीकार्य एवं 90 से अधिक अच्छा। सितंबर 2025 तिमाही में किसी भी बैंक का स्कोर 80 से कम नहीं था, जो सकारात्मक संकेत है। यह सूचकांक 87 बैंकों के आंकड़ों को शामिल करता है, जिसमें ऋण की गुणवत्ता, जोखिम प्रबंधन, नकदी स्थिति और पूंजी पर्याप्तता शामिल हैं।

लेनोवो का भारत में अगले तीन साल में कारोबार दोगुना करने का लक्ष्य

- वृद्धि का आधार घरेलू खपत और भारत, दुनिया के लिए नवाचार रणनीति होगा

लास वेगास । लेनोवो (एशिया प्रशांत) के एक अधिकारी ने कहा कि कंपनी अगले तीन वर्षों में भारत में अपने कारोबार को दोगुना करना चाहती है। इस वृद्धि का आधार घरेलू खपत और भारत, दुनिया के लिए नवाचार रणनीति होगा। मोटोरोला व्यवसाय पिछले दो वर्षों में राजस्व दोगुना से अधिक बढ़ा। बुनियादी ढांचा और सेवाओं का कारोबार उच्च दोहरे अंकों की दर से बढ़ रहा है। कंपनी का दृष्टिकोण है कि यह वृद्धि जारी रहे और अगले तीन वर्षों में लक्ष्य पूरा हो। लेनोवो भारत में अपने मुख्य सर्वरों का निर्माण कर रही है। मोटोरोला फोन के लिए सॉफ्टवेयर का महत्वपूर्ण हिस्सा स्थानीय स्तर पर विकसित किया जा रहा है। कंपनी भारत, भारत के लिए और भारत, दुनिया के लिए नीति को आगे बढ़ाएगी। भर्ती संख्या साझा नहीं की गई, लेकिन संसाधन समय से पहले जोड़ने की योजना है। जुलाई-सितंबर तिमाही में राजस्व 23 फीसदी बढ़कर 1.2 अरब डॉलर हुआ, डिजिटलीकरण, प्रीमियम उत्पादों की मांग और जीएसटी सुधारों का लाभ मिला।

सीएमएस को एसबीआई से मिला 1000 करोड़ का ठेका

मुंबई । सीएमएस इन्फो सिस्टम्स ने भारतीय स्टेट बैंक से 5000 एटीएम प्रबंधन का 1,000 करोड़ रुपये का 10 साल का ठेका हासिल किया है। अनुबंध में प्रबंधित सेवाएं, नकदी दक्षता सुधार और एटीएम कार्यक्षमता बढ़ाना शामिल है। कंपनी के मुख्य व्यापार अधिकारी अनुष राघवन ने कहा कि इससे राजस्व में 500 करोड़ रुपये की वृद्धि होगी। इस कदम से लाखों ग्राहकों को स्थिर और उच्च गुणवत्ता वाली स्व-सेवा बैंकिंग सुविधा मिलेगी।

भारत को चांदी आयात पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता- जीटीआरआई

- जनवरी-नवंबर 2025 तक कुल आयात 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

भारत वर्तमान में चांदी के आयात में अत्यधिक निर्भर है। वित्त वर्ष 2024-25 में देश ने 4.83 अरब अमेरिकी डॉलर का चांदी आयात किया, जबकि निर्यात केवल 47.84 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा। 2025 में यह आयात और तेज़ी से बढ़ा, अक्टूबर में 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर और नवंबर में 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात हुआ। जनवरी-नवंबर 2025 तक कुल आयात 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया और पूरे वर्ष का अनुमान 9.2 अरब अमेरिकी डॉलर है। विश्व में चांदी प्रसंस्करण में चीन सबसे बड़ा केंद्र है। चीन 6.3 अरब अमेरिकी डॉलर के चांदी अयस्क और सांद्रण का आयात करता है, जिसमें से 5.6 अरब अमेरिकी डॉलर का आयात ही देश के भीतर प्रसंस्कृत किया जाता है। इसके बाद यह उच्च मूल्य वाले उत्पादों इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर पैनल और चिकित्सा उपकरणों में परिवर्तित होकर निर्यात होता है। टीआरआई के एक अधिकारी का कहना है कि भारत को चांदी को केवल कीमती धातु नहीं, बल्कि औद्योगिक और ऊर्जा धातु के रूप में अपनाना चाहिए। इसके लिए घरेलू शोधन एवं पुनर्चक्रण क्षमता बढ़ाना और आयात स्रोतों में विविधता लाना आवश्यक है। दीर्घकालिक खनन साझेदारियों के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित करना भी जरूरी है। वैश्विक चांदी की लगभग 55-60 प्रतिशत मांग औद्योगिक क्षेत्रों में है। विशेषकर सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, इलेक्ट्रिक वाहन और चिकित्सा उपकरणों में इसका उपयोग बढ़ रहा है। सौर फोटोवोल्टिक सेल्स में कंडक्टिव पेस्ट के रूप में चांदी दक्षता बढ़ाने में मदद करती है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 102.20 अंक टूटकर 84,961.14 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 37.95 अंक नीचे आकर 26,140.75 पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान लार्जकैप में गिरावट रही जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप में बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 276.15 अंक ऊपर आकर 61,424.70 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 70.65 अंक नीचे आकर17,958.50 पर बंद हुआ। वहीं सेक्टोरल आधार पर , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स , निफ्टी फार्मा और निफ्टी इंडिया डिफेंस तेजी के साथ बंद हुआ।दूसरी ओर निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी कमोडिटीज की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, सन फार्मा, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, इटरनल, एलएंडटी के शेयर उछले जबकि पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, एचयूएल, एसबीआई, भारती एयरटेल, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, इंडिगो के शेयरों को नुकसान हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली के साथ ही विदेशी निवेशकों के सतर्कता बरतने से बाजार नीचे आया है। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में आईटी शेयरों में खरीदारी देखने को मिली, लेकिन ऑटो और फाइनेंशियल सेक्टर में मुनाफावसूली के कारण बाजार पर दबाव बना रहा। सेंसेक्स बड़ी गिरावट के साथ 84,620 के स्तर पर खुला। । वहीं निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 26,143 अंक पर खुलने के बाद निफ्टी 33.70 अंक की कमजोरी के साथ

26,145 के स्तर पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं एशिया के शेयर बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार देखा गया। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स, एसएंडपी 200 इंडेक्स 0.38 फीसदी बढ़ा, क्योंकि नवंबर में महंगाई दर घटकर 3.4 फीसदी रही, जो अक्टूबर के 3.8 फीसदी से कम और बाजार के अनुमान से नीचे थी। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.89 फीसदी चढ़ा, जबकि जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.45 फीसदी गिर गया। वहीं एशियाई कारोबार के दौरान अमेरिकी शेयर बाजारों के फ्यूचर्स में ज्यादा बदलाव नहीं दिखा। अमेरिका की वेनेजुएला में हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा। इससे एसएंडपी 500 और डाउ जोंस नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए। इस दौरान एसएंडपी 500 में 0.62 फीसदी, डाउ जोंस में 0.99 फीसदी और नैस्डैक में 0.65 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

एलआईसी ने पेश की नई लाइफटाइम इंश्योरेंस स्कीम व रिवाइवल ऑफर

- योजना 12 जनवरी 2026 से उपलब्ध होगी

नई दिल्ली । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने नए साल की शुरुआत में अपनी नई पॉलिसी जीवन उत्सव सिंगल प्रीमियम लॉन्च करने का ऐलान किया है। यह योजना 12 जनवरी 2026 से उपलब्ध होगी। यह नॉन-लिंक्ड और नॉन-पार्टिसिपेटिंग पॉलिसी है, जिसमें शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव का कोई असर नहीं। ग्राहक केवल एक बार प्रीमियम जमा करेंगे और जीवनभर का बीमा कवर पाएंगे। यह पॉलिसी बचत और बीमा का संतुलित मिश्रण प्रदान करती है। एलआईसी ने लैप्स हुई पॉलिसियों के लिए भी विशेष ऑफर पेश किया है। इसमें लेट फीस पर 30 फीसदी तक की छूट (अधिकतम 5,000 रुपए) दी जाएगी। लाभार्थी वे ग्राहक होंगे जिनकी पॉलिसी बकाया प्रीमियम की तारीख से पांच साल के भीतर बंद हुई हो, और इसमें माइक्रो इंश्योरेंस व नॉन-लिंक्ड प्लान शामिल हैं। मेडिकल छूट नहीं मिलेगी। एलआईसी के अनुसार पुरानी पॉलिसी को चालू रखना नई पॉलिसी लेने से अधिक फायदेमंद है, क्योंकि पुराने बोनस और बीमा कवर का लाभ निरंतर मिलता रहता है।

भारत ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए, व्यापारिक राहत की उम्मीद

क्यूसीओएस ने उत्पादन लागत बढ़ाई और निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर की

नई दिल्ली ।

भारत ने हाल ही में गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) को वापस लेना शुरू किया है, जिसे उद्योग जगत ने राहत और कुछ क्षेत्रों में तारीफ के साथ स्वागत किया। यह कदम उन नीतियों को पलटने की दिशा में पहला संकेत है जिन्होंने उत्पादन और निर्यात को प्रभावित किया। वस्त्र, इस्पात और रसायन उद्योग में कच्चे माल की आपूर्ति सबसे अधिक बाधित हुई। विशेषज्ञों के अनुसार क्यूसीओएस ने उत्पादन लागत बढ़ाई और निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर की। विश्लेषकों का कहना है कि क्यूसीओ को वापस लेना केवल हानि नियंत्रण है, इसे सुधार या नीति सफलता नहीं मानना चाहिए। यह घटना भारत की आर्थिक शासन प्रणाली में गहराई से मौजूद समस्या, अंदरूनी हस्तक्षेप और समय पर नुकसान की पहचान में देरी का संकेत देती है। इससे नीतियों को अक्सर बाद में पलटना पड़ता है। क्यूसीओ सिर्फ एक उदाहरण हैं। इसी तरह जीएसटी संरचना और रुपये की सॉफ्ट-पेगिंग जैसी नीतियाँ भी समय के साथ संशोधित की गईं।

नीति का अचानक विस्तार और तत्काल पलटना यह दर्शाता है कि नीति निर्माण में समन्वय और स्थायित्व की कमी है। क्यूसीओएस ने विशेष रूप से निर्यातोन्मुखी क्षेत्रों पर असर डाला। उदाहरण के लिए, वस्त्र और परिधान उद्योग में पॉलिएस्टर और विस्कॉस के आयात में गिरावट आई, जिससे कंपनियों को महंगे घरेलू विकल्प अपनाने पड़े और उत्पादन प्रभावित हुआ। नवंबर 2025 से उनका क्रमिक निरस्तीकरण शुरू हुआ, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में सहजता लौट रही है।

बैंकों में सेल्स स्टाफ की भर्ती में बढ़ोतरी, व्यवसाय पक्ष पर जोर

नई दिल्ली ।

बैंकों में हाल के महीनों में सेल्स स्टाफ की नियुक्तियों में तेजी आई है। टीम लीज सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार बैंकों ने पिछले छह महीनों में भर्ती में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव सतर्क भर्ती माहौल से सक्रिय भर्ती रणनीति की ओर संकेत करता है। भर्ती का अधिकांश ध्यान आवास, वाहन और स्वर्ण ऋण जैसे सुरक्षित और बढ़ते खंडों पर रहा, जबकि रिकवरी खंड में नियुक्तियां कम रही। टीमलीज सर्विसेज के एक अधिकारी ने बताया कि मझोले निजी बैंक और एनबीएफसी छोटे और मझोले शहरों में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से फ्रंटलाइन स्टाफ की नियुक्ति कर रहे हैं। इसके विपरीत बड़े निजी बैंक तकनीकी आधारित उत्पादकता और लागत अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित कर संतुलित भर्ती कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने दिसंबर में रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की। वर्ष 2025 में कुल 125 आधार अंक की कटौती हुई। बैंक अधिकारियों का कहना है कि कम निधि लागत का लाभ धीरे-धीरे व्यवसाय वृद्धि में दिखाई दे रहा है। इस कारण बैंकों की भर्ती रणनीति अब संग्रह की तुलना में व्यवसाय और ऋण विस्तार पर अधिक केंद्रित है।

मुस्लिम लड़के से शादी की,7 दिन साथ रहकर घर लौटी

मुंगेर। में हिन्दू लड़की ने घर से भागकर अपने प्रेमी नियाजुल से 30 जनवरी को शादी की। मांग में सिंदूर लगाकर लड़की ने अपने प्रेमी के साथ वीडियो जारी किया। वीडियो में कहा- 'मैंने अपनी मर्जी से शादी की है। ये लव जिहाद नहीं। नियाजुल अब मेरा पति है।' अब शादी 7 दिन बाद अब लड़की का कहना है कि 'मुझे मुस्लिम लड़के के साथ नहीं रहना है।' लड़की मंगलवार को कोर्ट पहुंची और वहां कहा कि मैं अपने परिवार वालों के साथ रहना चाहती हूं। इस बाद घर वाले लड़की को लेकर महावीर मंदिर पहुंचे। यहां लड़की को स्नान कराया गया फिर गंगाजल से शुद्धिकरण किया गया। इसके बाद उसने हनुमान चालीसा पढ़ी और मैसेज दिया कि अपना धर्म ही अच्छा है। दूसरे धर्म में शादी करना ठीक नहीं है। अब सिलसिलेवार तरीके से जानिए हिंदू लड़की की मुस्लिम लड़के से शादी की पूरी कहानी... मुंगेर में हिंदू लड़की मंशा ने मुस्लिम युवक नियाजुल से शादी कर ली थी। लड़की ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर बताया था कि उसने 30 दिसंबर को दिल्ली के तीस हजारी स्थित आर्य समाज वैदिक संस्कार ट्रस्ट में नियाजुल से अपनी मर्जी से शादी की है।

वीडियो में लड़की बोल रही थी कि मुझे कोई जबरदस्ती नहीं लाया है। मैं खुद नियाजुल के साथ घर से भागी थी। मैं पुलिस प्रशासन से अपील करती हूं कि मुझे और उनके परिवार को परेशान ना किया जाए। लड़की ने वीडियो में नियाजुल का चेहरा भी दिखाया और बताया कि वे दोनों ने गवाहों की मौजूदगी में शादी की है। लड़की सफियाबाद थाना की रहने वाली है। इस मामले में मंसा के पिता ने सफियासराय थाने में 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। पिता ने अपने आवेदन में बताया कि 29 दिसंबर की सुबह उनकी बेटी रोजाना की तरह प्रैक्टिकल क्लास के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। काफी खोजबीन के बाद उन्हें पता चला कि गांव के पठानटोली निवासी नियाज उल हक उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पिता ने आरोप लगाया था कि जब उन्होंने नियाजुल के घरवालों से संपर्क किया, तो उन्होंने दो दिन का समय मांगा। दो दिन बाद जब वे फिर बेटी की बरामदगी के लिए उनके घर पहुंचे, तो उन्हें गाली-गलौज कर भगा दिया गया। पिता की शिकायत पर मोहम्मद नियाजुल हक, महफूज आलम उर्फ गुडलक, शमीना खातून, रानी खातून, शमशाद खान, निराली खातून और आफताब उर्फ अहिल खान के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। घटना के बाद मंशा की मां ने कहा था कि मेरी बेटी को एक मुस्लिम लड़के ने माइंड वाश कर भाग ले गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,सम्राट चौधरी,विजय सिन्हा और एसपी सैयद इमरान मसूद से अपील करते हुए कहा है कि हम लोग हिंदू धर्म को मानने वाले

लोग हैं, किसी भी कीमत पर मुस्लिम समाज से आने वाले युवक को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मुझे मेरी बेटी फ्रिज और कुकर में नहीं बल्कि सही सलामत चाहिए। लड़की के परिवार ने हिंदू संगठनों से भी मदद मांगी थी। विश्व हिंदू परिषद के विभाग मंत्री प्राण नाथ भारत ने बताया कि बीते 29 दिसंबर को हिन्दू समाज की एक लड़की मुस्लिम लड़के के साथ चली गई थी। जब संगठन को इस बात की जानकारी हुई तभी हमलोग लड़की के परिवार वालों से संपर्क किया। पहले थाने में केस फाइल नहीं किया जा रहा था, लेकिन जब हम लोग परिवार के साथ हुए तब थाना में केस लिया गया। इसके बाद पुलिस अपने स्तर पर कार्रवाई में जुट गई, जिसका परिणाम हुआ कि प्रेशर-दबाव बनाने पर मंगलवार यानी 6 जनवरी को लड़की वापस आ गई। उन्होंने कहा कि इस घटना में समाज के लोग, पुलिस के साथ सभी लोगों का सहयोग रहा। वहीं उन्होंने एक अपील करते हुए कहा कि हिन्दू महिलाएं भटकाव में नहीं आएं अपने धर्म में ही शादी करें। उन्होंने कहा कि आरोपी लड़का अबतक फरार है। जिसपर पुलिस जल्द कार्रवाई करे। पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, कोर्ट ने परिवार को सौंपी लड़की मंशा 6 जनवरी को अपने एक रिश्तेदार के साथ मुंगेर कोर्ट पहुंची थी। पुलिस ने कोर्ट में मंशा का बयान दर्ज कराया। इसके बाद कोर्ट ने मंशा को परिवार वालों को सौंप दिया। घर आने के बाद हिंदू संगठनों ने लड़की के शुद्धिकरण का फैसला लिया। हिंदू संगठनों ने कहा कि लड़की 7 दिन मुस्लिम लड़के के साथ रहकर आई है। ऐसे में शुद्धिकरण जरूरी है। इसके बाद लड़की से हनुमान मंदिर में पूजा करवाई गई। प्रसाद चढ़ाया और सुंदरकांड का पाठ किया। उसके बाद लड़की के घर वाले उसे अपने साथ ले गए। लड़की बोली- पिता से बात कर के लगा कि मैंने गलती कर दी मंशा ने बताया कि, मैंने नियाजुल से हिन्दी रीति रिवाज से शादी की थी। हम लोगों ने मुंगेर में कोर्ट मैरिज की थी। उसके बाद दिल्ली चले गए। वहां आर्य समाज वैदिक संस्कार ट्रस्ट में हम दोनों ने शादी को रजिस्टर करवाया। जब माता पिता से फोन पर बातचीत तो लगा कि मुझे घर लौट जाना चाहिए। उसके बाद मैं दिल्ली से वापस आपने घर आ गई। मंशा का कहना है कि, अपने धर्म में शादी करना ही अच्छा होता है। दूसरे धर्म को नहीं अपनाना चाहिए।मां ने बेटी को सपना समझकर भूल जाने को कहा लड़की की मां ने कहा कि, मेरी बेटी अब हमारे साथ ही रहना चाहती है, इसलिए वो दिल्ली से वापस लौट आई है। हमारी बेटी हमारे साथ है इससे हम बहुत खुश हैं। मंदिर में पूजा पाठ कराया गया उसके बाद हम लोग बेटी को घर लेकर गए। वहीं बेटी से उन्होंने कहा कि इस घटना को एक सपना समझकर भूल जाए।

पोखर में डूबकर चार साल के मासूम की हुई मौत, परिवार में मचा कोहराम

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र में खेलते समय एक मासूम बच्चे की डूबकर मौत हो गई, जिससे इलाके में मातम छा गया। मृतक बच्चे की पहचान अयांश कुमार (4) के रूप में हुई है। अयांश के पिता हीरा कुमार और माता सलोनी कुमारी हैं। घटना जिराती टोला रोड स्थित धर्मेश्वर नाथ महादेव मंदिर के पास दास पोखड़ के निकट हुई। मिली जानकारी के अनुसार, अयांश की मां सलोनी कुमारी पूजा-अर्चना के लिए अपने बेटे के साथ मंदिर गई थीं। पूजा में व्यस्त रहने के दौरान अयांश खेलते-खेलते मंदिर के पास स्थित पोखर में चला गया और डूब गया। घटना के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय लोग बच्चे की खोजबीन में जुट गए, लेकिन कुछ पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों और पुलिस की संयुक्त खोजबीन के बाद बच्चे को डूबा हुआ पाया गया और पानी से बाहर निकाला गया। मौके पर बच्चा का शव निकलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और माता-पिता रो-रोकर बुरा हाल हैं। साहेबगंज थाना प्रभारी ने बताया कि अयांश कुमार मंदिर के पास पोखर में डूब गया था। शव को मौके से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नशे में धुत मनचलों का तांडव, घर के पास 5 राउंड फायरिंग, ग्रामीणों के डर के बाद बाइक छोड़ भागे आरोपी

बाढ़। बाढ़ थाना क्षेत्र में आपराधिक घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रतिदिन गोलीबारी, मारपीट और अवैध शराब की बिक्री जैसी घटनाओं से आम लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थिति यह है कि थाना क्षेत्र में फायरिंग और मारपीट अब आम बात हो गई है, जबकि पुलिस पर मूकदर्शक बने रहने के आरोप लग रहे हैं। ताजा मामला थाना क्षेत्र के बलीपुर गांव का है, जहां मंगलवार को नशे में धुत मनचले युवकों ने जमकर उत्पात मचाया और इलाके में दहशत फैलाने के लिए ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। फायरिंग की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से गोलियों के खोखे बरामद किए। स्थानीय निवासी मोहम्मद अहसान ने बताया कि कुछ युवक आपस में गाली-गलौज करते हुए उनके घर के पास से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनका छोटा बच्चा घर से बाहर निकल गया। जब वे और उनके भाई मोहम्मद इमरान बच्चे को घर के अंदर लाने के लिए बाहर आए, तो मनचले युवकों ने बिना किसी उकसावे के दोनों भाइयों पर फायरिंग शुरू कर दी। मोहम्मद इमरान और मोहम्मद अहसान के अनुसार, अपराधियों ने करीब 4 से 6 राउंड गोलियां चलाईं। गोलियों की तड़तड़ाहट

सुनकर जब ग्रामीण एकजुट हुए और अपराधियों को पकड़ने के लिए दौड़े, तो आरोपी अपनी मोटरसाइकिल मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों का आरोप है कि फायरिंग करने वाले युवक आसपास के ही रहने वाले हैं, जो अक्सर शराब के नशे में मारपीट और हंगामा करते रहते हैं। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि गोलीबारी से महज एक घंटा पहले इन्हीं युवकों ने एक अन्य व्यक्ति के साथ मारपीट की थी, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई थी, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं होने से उनका मनोबल बढ़ा हुआ था। फिलहाल पुलिस ने मौके से गोलियों के खोखे और एक मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। फरार आरोपियों की पहचान की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

औरंगाबाद में बनेगा 19KM लंबा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे बाईपास

औरंगाबाद में शहरवासियों को लंबे समय से जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए एक बार फिर बाईपास निर्माण की दिशा में विभागीय स्तर पर पहल शुरू कर दी गई है। इस संबंध में पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह की सक्रियता को अहम माना जा रहा है पूर्व सांसद ने बताया कि औरंगाबाद शहर के बीचोंबीच एनएच-139 गुजरने के कारण रोजाना भीषण जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे आम लोगों के साथ-साथ राहगीरों और भारी वाहनों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। जाम की समस्या को स्थायी रूप से दूर करने के उद्देश्य से पहले 9 किलोमीटर लंबे बाईपास का प्रस्ताव तैयार कर डीपीआर एनएचएआई, नई दिल्ली को भेजा गया था। हालांकि, यह एलाइनमेंट शहरी क्षेत्र से जुड़ा होने और भूमि अधिग्रहण पर अत्यधिक खर्च आने के कारण स्थगित कर दिया गया था। योजना के रद्द होने से लोगों में निराशा फैल गई थी। अब एक बार फिर विभाग की ओर से नए सिरे से बाईपास निर्माण का

प्रस्ताव तैयार किया गया है। 19 किलोमीटर लंबा होगा नया बाईपास विभागीय जानकारी के अनुसार, नए एलाइनमेंट के तहत लगभग 19 किलोमीटर लंबे बाईपास के निर्माण की योजना बनाई गई है। यह बाईपास नगर परिषद क्षेत्र से बाहर से गुजरेगा, जिससे शहरी यातायात प्रभावित नहीं होगा और शहर में लगने वाले रोजाना के जाम से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। प्रस्तावित बाईपास खैरी मोड़ से शुरू होकर मंजुराही, रायपुरा और पवई गांवों से होते हुए भड़कुर गांव के पास अंबा की ओर जाने वाली सड़क के माध्यम से एनएच-139 से जुड़ेगा।बाइपास का यह रास्ता नगर परिषद क्षेत्र के बाहर होगा, जिससे शहरी यातायात पर सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा, और भारी वाहनों के गुजरने से रोजाना लगने वाले जाम में बड़ी राहत मिलेगी। पहले प्रस्ताव में 835 करोड़ की थी लागत विभागीय सूत्रों के अनुसार, पहले तय बाईपास योजना की अनुमानित लागत करीब 835 करोड़ रुपए थी। इसमें लगभग 490 करोड़ रुपए भूमि अधिग्रहण और 345 करोड़ रुपए सड़क निर्माण पर खर्च होने थे। शहरी क्षेत्र में प्रस्तावित बाइपास के लिए नहर रोड का विकल्प भी देखा गया था। यह रोड जीटी रोड स्थित एलआईसी कार्यालय के सामने से

प्रारंभ होकर चतरा मोड़ के पास NH-139 तक जाती है। तत्कालीन डीएम सौरभ जोरवाल और श्रीकांत शास्त्री ने इसका निरीक्षण कर इसे बाइपास बनाने का प्रस्ताव पथ निर्माण विभाग को भेजा था। हालांकि, सड़क का अधिकांश हिस्सा नगर परिषद क्षेत्र में आने और भूमि अधिग्रहण की अधिक लागत के कारण ही योजना को रोक दिया गया था। अब नए एलाइन्मेंट के साथ डीपीआर तैयार कर एनएचएआई को भेजने की प्रक्रिया चल रही है। दूसरी नई एलाइन्मेंट का डीपीआर तैयार हो चुका है और इसे एनएचएआई को भेजा जाएगा। जिस डीपीआर को एनएचएआई स्वीकृति देगा, उसी पर आगे काम शुरू किया जाएगा। रोजाना जाम से जूझ रहे हैं शहरवासी औरंगाबाद में रोजाना जाम की विकराल स्थिति देखने को मिलती है। ओवरब्रिज के आसपास भारी वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। ट्रक, हाइवा और ट्रेलर के फंसे रहने से हालात इतने खराब हो जाते हैं कि दोपहिया चालकों और पैदल यात्रियों को भी निकलना मुश्किल हो जाता है। रामाबांध बस स्टैंड से लेकर जीटी रोड और टोयोटा शोरूम तक वाहनों की कतारें लग जाती हैं। सर्विस रोड पर भी रोजाना जाम की समस्या बनी रहती है। एनएच-139 के चौड़ीकरण की भी मांग एनएच-139 पटना, झारखंड के अलावा मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है। लगातार बढ़ते यातायात दबाव के कारण इस सड़क पर जाम और दुर्घटनाओं की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पहले सड़क चौड़ीकरण को लेकर स्वीकृति और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की ओर से घोषणा भी की गई थी, लेकिन बाद में यह प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया। अब लोग फिर से जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से सड़क चौड़ीकरण की मांग कर रहे हैं। एनएचएआई के कार्यपालक अभियंता तुलसी प्रसाद ने बताया कि पहले भेजे गए प्रस्ताव में भूमि अधिग्रहण की लागत अधिक होने के कारण उसे अस्वीकृत किया गया था। अब बाईपास निर्माण के लिए दूसरा विकल्प तैयार किया गया है, जिसमें 19 किलोमीटर का नया एलाइन्मेंट तय किया गया है। नए और पुराने प्रस्ताव की तुलना करते हुए विस्तृत रिपोर्ट विभाग को भेजी जाएगी। स्वीकृति मिलने के बाद बाईपास निर्माण की दिशा में आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

दरभंगा में सड़क किनारे मिली लाश

दरभंगा। के बिरौल थाना क्षेत्र अंतर्गत एसएच-17 पर बलरा और सोनपुर के बीच आज एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। सूचना मिलते ही बिरौल थानाध्यक्ष चंद्रमणि पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिरौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रभाकर तिवारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू कराई। पुलिस ने शव को

अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लापता व्यक्तियों के बारे में जानकारी जुटा रही पुलिस पुलिस अधिकारियों के अनुसार अब तक शव की पहचान नहीं हो सकी है। मृतक की पहचान के लिए पुलिस की ओर से शव की तस्वीरें विभिन्न वॉट्सऐप ग्रुप और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की गई हैं। साथ ही आसपास के थाना क्षेत्रों को भी सूचना देकर लापता व्यक्तियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। घटनास्थल की प्रारंभिक जांच में पुलिस को हत्या की आशंका है। एसडीपीओ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया से प्रतीत होता है कि अज्ञात व्यक्ति की हत्या कर शव को सुनसान स्थान पर फेंक दिया गया है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके अलावा स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना से जुड़े किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि के बारे में जानकारी मिल सके। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि मृतक किस क्षेत्र का रहने वाला था और उसकी हत्या किन परिस्थितियों में की गई। एसडीपीओ प्रभाकर तिवारी ने कहा कि इस घटना में जो भी लोग संलिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शव की पहचान होते ही जांच की दिशा और स्पष्ट हो जाएगी और दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

नवादा मंडल कारा में कैदी की संदिग्ध मौत, परिवार ने जेल प्रशासन पर लगाया लापरवाही का आरोप

नवादा। बिहार के नवादा जिले से एक बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आई है। नवादा मंडल कारा में बंद एक कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मृतक की पहचान हिसुआ

थाना क्षेत्र के अंदर बाजार तेली टोला निवासी मनोज साव उर्फ टुनटुन साव के रूप में की गई है। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और उन्होंने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का कहना है कि मनोज साव को पूरी तरह स्वस्थ हालत में हिसुआ थाना पुलिस ने 21 दिसंबर 2025 की शाम करीब 6 बजे उनके घर से गिरफ्तार किया था। अगले दिन 22 दिसंबर को उन्हें न्यायिक हिरासत में नवादा मंडल कारा भेज दिया गया। मृतक की पत्नी संजू देवी ने बताया कि उनके पति को किसी तरह की कोई बीमारी नहीं थी और वे पूरी तरह स्वस्थ थे। बावजूद इसके मंगलवार, 06 जनवरी 2026 को जेल प्रशासन की ओर से उन्हें सूचना दी गई कि जेल में मनोज साव की मौत हो गई। मृतक के पुत्र सन्नी कुमार ने बताया कि 28 दिसंबर 2025 को उन्होंने अपने पिता से जेल में मुलाकात की थी। उस समय पिता ने किसी भी तरह की तबीयत खराब होने की बात नहीं बताई थी और न ही किसी परेशानी का जिक्र किया था। अचानक मौत की खबर ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया। परिजनों का आरोप है कि उन्हें अब तक यह स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई कि मनोज साव की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद परिजन आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचे, लेकिन वहां पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि मनोज साव की मौत हो चुकी है। इसके बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जेल में उनके साथ प्रताड़ना की गई होगी, जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी संजू देवी ने भावुक होते हुए कहा कि उनके पति ही परिवार के एकमात्र कमाऊ सदस्य थे। उनकी मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। उन्होंने कहा, मेरे पति हमारे घर को मेहनत से चलाते थे। आज हमारे सिर से छत छिन गई है। मैं इस पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच की मांग करती हूं। जो भी लोग मेरे पति की मौत के जिम्मेदार हैं, उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मुझे न्याय चाहिए और मेरे परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए.इस घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जेलों में बंद कैदियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर प्रशासन को गंभीर होना चाहिए। सवाल उठ रहे हैं कि अगर कैदी पूरी तरह स्वस्थ था, तो कुछ ही दिनों में उसकी मौत कैसे हो गई। वहीं इस मामले पर जेल प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। प्रशासन के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। अब सभी की निगाहें पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्रशासनिक जांच पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि क्या मृतक के परिजनों को न्याय मिल पाता है या यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

ठंड का कहर या हृदयाघात? ट्रेनिंग के दौरान शिक्षक दिनेश कुमार की मौत, मचा हड़कंप

अररिया। फारबिसगंज के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में चल रहे शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एक शिक्षक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक शिक्षक की पहचान उत्क्रमित मध्य विद्यालय में

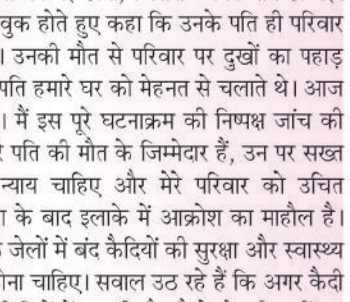

पदस्थापित दिनेश कुमार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मोकामा के निवासी बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अचानक दिनेश कुमार की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तुरंत फारबिसगंज अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए अररिया सदर अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि, सदर अस्पताल पहुंचने के कुछ ही देर बाद उनकी मौत हो गई डायट फारबिसगंज के निदेशक आफताब आलम ने बताया कि दिनेश कुमार नियमित रूप से प्रशिक्षण में भाग ले रहे थे और अचानक अस्वस्थ हो गए। अररिया सदर अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला हृदयाघात से जुड़ा प्रतीत होता है, हालांकि ठंड के प्रभाव को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चलेगा। इस घटना के बाद शिक्षा विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है। साथी शिक्षक और प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागी गहरे सदमे में हैं। विभागीय स्तर पर मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

ज्वेलर्स एसोसिएशन का फैसला-हिजाब पहनने वालों को नहीं देंगे ज्वेलरी

बिहार। ज्वेलर्स एसोसिएशन ने बुधवार यानी 7 जनवरी को सुरक्षा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। बिहार की सभी ज्वेलरी शॉप में अब हिजाब, नकाब या घूंघट पहनकर आने वालों को सोने-चांदी की दुकानों में एंट्री नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही हेलमेट, मुरेठा पहनकर आने वाले पुरुषों की भी एंट्री बैन की गई है। इसकी कॉपी ज्वेलरी शॉप के बाहर लगाई जा रही है। इस पर साफ लिखा है कि मास्क, बुर्का, हेलमेट और नकाब पहनकर दुकान में आना मना है। इस फैसले पर विवाद भी शुरू हो गया है। राजद का कहना है कि सुरक्षा के नाम पर हिजाब और नकाब को निशाना बनाना गलत है। बीजेपी ने राजद को जवाब देते हुए कहा है कि, ये भारत है इस्लामिक कंट्री नहीं। यहां हिजाब का क्या काम है। सरार्फा कारोबारियों का कहना है कि यह कदम किसी समुदाय या वर्ग के खिलाफ नहीं, बल्कि पूरी तरह से सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। बीते कुछ समय से बिहार के अलग-अलग जिलों में सरार्फा दुकानों में लूट और चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कई मामलों में अपराधी पहचान छिपाने के लिए चेहरे ढककर दुकान में घुसते हैं और वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। ऐसे में दुकानदारों की सुरक्षा के साथ-साथ ग्राहकों की जान-माल की रक्षा भी एक बड़ी चुनौती बन गई है। फैसला सिर्फ सुरक्षा को लेकर लिया गया है इस मामले में ऑल इंडिया गोल्ड एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि, 'सरार्फा कारोबार हमेशा से अपराधियों के निशाने पर रहा है। हमने यह निर्णय पूरी तरह से सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया है। आए दिन दुकानों में लूटपाट की घटनाएं हो रही हैं। चेहरे ढके होने के कारण अपराधियों की पहचान कर पाना मुश्किल हो जाता है। इसी को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है।' फैसले पर पॉलिटिकल रिएक्शन जानिए राजद बोली- सुरक्षा के नाम पर हिजाब और नकाब को निशाना बनाया जा रहा राजद के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने इस फैसले पर कहा कि, यह कदम भारत के संविधान और संवैधानिक परंपराओं के पूरी तरह खिलाफ है।

इन देशों में सुरक्षा की नहीं होगी चिंता, बेफिक्र होकर बनाएं घूमने का प्लान

कई लोग विदेश घूमने की इच्छा रखते हैं। विदेश घूमने के लिहाज से अधिकतर देश शानदार हैं। हालांकि विदेशों की खूबसूरती किसी भी टूरिस्ट के मन को आसानी से भा सकती है। लेकिन जब भी विदेश घूमने की बात आती है तो सबसे पहले हमारे दिमाग में यह आता है कि क्या वह जगह सुरक्षा के लिहाज से सही है। क्योंकि सेफ्टी हमारी फर्स्ट प्रायॉरिटी होती है। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको सुरक्षा की चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। आइए जानते हैं कि वह कौन-कौन से देश हैं, जहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं।

आइसलैंड

आइसलैंड की आबादी 3,72,295 है। ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का सबसे सुरक्षित देश है। बता दें कि यहां पर क्राइम रेट काफी कम है। इसके साथ ही यह हाई-सिक्योरिटी वाला देश भी है। सभी तरह के अपराधों के प्रति यहां के नागरिकों का एक मजबूत सामाजिक दृष्टिकोण है। यह देश धार्मिक स्वतंत्रता देने के साथ ही महिलाओम और पुरुषों को समान अधिकार देता है। अगर आप भी विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आइसलैंड सुरक्षित देश है।

न्यूजीलैंड

आपको बता दें कि न्यूजीलैंड की जनसंख्या 5,124,100 के आसपास है। यह देश भी घूमने और रहने के लिहाज से सुरक्षित है। यहां पर आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं। न्यूजीलैंड का भी क्राइम रेट कम है। हालांकि साल 2019 में क्राइस्टचर्च की दो मस्जिदों पर हुए आतंकवादी हमले के कारण यहां का क्राइम स्कोर थोड़ा कम हो गया है। यह पर आप सुरक्षा का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि न्यूजीलैंड में शांति वाले इलाके में पुलिस अपने पास हथियार भी नहीं रखती है।

पुर्तगाल

साल 2014 के अनुसार, पुर्तगाल दुनिया का 18वां सबसे सुरक्षित देश है। ऐसे में आप बिना सुरक्षा की चिंता किए बगैर यहां पर घूम सकते हैं। 10,270,865 के करीब आबादी वाला यह देश विभिन्न कारणों से सबसे सुरक्षित देशों में शीर्ष 5वां स्थान अर्जित किया है। बता दें कि आर्थिक विकास के कारण इस देश की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत से 7 प्रतिशत तक कम हो गई है।

आस्ट्रिया

26,177,413 के करीब जनसंख्या वाला देश आस्ट्रिया भी सुरक्षित देशों की गिनती में आता है। यहां पर भी अपराध दर काफी कम है। लेकिन यहां पर घूमने आने वाले टूरिस्टों और यहां पर रहने वाले स्थानीय निवासियों को जेबकतरों और पर्स-स्नैचर्स आदि घटनाओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए अगर आप भी यहां पर घूमने आना चाहते हैं तो

आपको जेबकतरों से सावधान रहने की जरूरत होगी।

डेनमार्क

डेनमार्क 5,896,026 आबादी वाला देश है। बता दें कि ग्लोबल पीस इंडेक्स के अनुसार, यह दुनिया का 5वां सबसे सुरक्षित देश है। इस देश में अच्छी शिक्षा, अच्छा रोजगार और कम भ्रष्टाचार होने के साथ ही कुशल सुरक्षाबन मिलेगा। इसके अलावा यहां की हेल्थ सुविधाएं भी काफी बेहतर हैं। इस देश में लोग आरामदायक तरीके से अपनी जीवन व्यतीत करते हैं।

कनाडा

कनाडा की कुल आबादी 37,742,154 के करीब है। आबादी के लिहाज से कनाडा काफी छोटा देश है। यहां का अधिकतर हिस्सा बंजर जंगल है और यह बंजर जंगल हजारों मीलों तक फैला हुआ है। लेकिन घूमने के लिहाज से यह काफी सुरक्षित देश है। इस देश का अपराध दर भी काफी कम है।

सिंगापुर

सिंगापुर 59,43,546 के करीब आबादी वाला है। सिंगापुर में छोटी-मोटी चोरी और अन्य अपराधों के खिलाफ कुछ सख्त कानून हैं। जिसके कारण इसकी गिनती दुनिया के सुरक्षित देशों में होती है। हालांकि सिंगापुर को शहर-राज्य के रूप में परिभाषित किया गया है। इसलिए ऐसा कहा जा सकता है कि यह दुनिया के दूसरे नंबर का सबसे सुरक्षित राज्य है।

जापान

जापान की जनसंख्या 125.93 मिलियन के आसपास है। सुरक्षा के लिहाज से यह सबसे सुरक्षित देश है। चीन और उत्तर कोरिया के करीब होने के बाद भी जापान एशियाई महाद्वीप का एक सुरक्षित और आर्थिक रूप से स्थिर देश है। वैश्विक शांति सूचकांक में जापान हमेशा हाई स्कोर हासिल करता है।

चेक गणराज्य

चेक गणराज्य की आबादी 10,512,397 के करीब है। यहां पर हर वर्ष अपराध दर घटता प्रतीत होता है। यूरोप के अन्य देशों की तुलना में चेक गणराज्य सुरक्षित देशों में से एक है। यहां पर आप सुरक्षा की परवाह किए बिना आराम से घूम-फिर सकते हैं।

स्विट्ज़रलैंड

स्विट्ज़रलैंड घूमने के लिए हर साल लाखों टूरिस्ट वहां पहुंचते हैं। बता दें कि यहां की आबादी 8.6 मिलियन के आसपास है। रहने और घूमने के लिहाज से यह देश सबसे ज्यादा बेस्ट है। फूड सिक्योरिटी के मामले में भी स्विट्ज़रलैंड दुनिया भर में चौथे स्थान पर है।

इन टिप्स को फॉलो कर हॉलिडे को बनाएं शानदार, ऐसे करें पैसों की बचत

कई लोगों को घूमना काफी पसंद होता है। कई बार लगातार ट्रैवल करने के बाद भी छकान नहीं होती है। लेकिन घूमने के लिए पैसों की भी जरूरत होती है। ऐसे में सेविंग्स का होना जरूरी होता है। घूमने के दौरान कई बार ज्यादा पैसा खर्चा हो जाता है। लेकिन अगर आप स्मार्ट तरीके से घूमने की प्लानिंग करें तो आप पैसों की बचत कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ट्रैवल के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप ट्रैवल भी कर लेंगे और पैसों की सेविंग भी कर लेंगे।

हॉलिडे की योजना

अगर आप भी छुट्टी पर जाने की सोच रहे हैं। तो सबसे पहले यह डिसाइड करें की आप रिलैक्सिंग हॉलिडे के लिए समुद्र तट पर चाहते हैं या एडवेंचर्स करना चाहते हैं। जब आपको यह पता होता है कि आप घूमने के लिए कहां जाने वाले हैं तो वहां होने वाले खर्चे और यात्रा कार्यक्रम की योजना पहले से बना लें। इस दौरान आपके लिए रियलिस्टिक बजट बनाना आसान हो जाएगा।

रियलिस्टिक बजट

घूमने जाने की शुरूआत हॉलिडे रीयलिस्टिक बजट तय करने से शुरू होती है। आप कहीं भी घूमने जा रहे हों। कोई भी स्मार्ट ट्रैवलर यह बात काफी अच्छे से जानता है कि शानदार छुट्टियां बिताने के लिए एक रियलिस्टिक बजट की जरूरत होती है। जिसे आप आसानी से पहले ही बना सकते हैं।

ट्रैवल और खरीदारी

घूमने जाने के दौरान बुकिंग या खरीदारी पर कैशबैक कमा सकते हैं। इससे आपकी ट्रैवलिंग आसान हो जाती है। कई बार खरीददारी करने पर या बुकिंग करने के दौरान आपको कैशबैक मिलता है। इसलिए हमेशा इस ऑप्शन को ओपेन रखना चाहिए।

ऑफ सीजन में यात्रा

इस सीक्रेट को सभी स्मार्ट ट्रैवलर्स अपनाते हैं। अधिकतर ट्रैवल करने वाले ऑफ सीजन में यात्रा कर बड़ी बचत करते हैं। इस दौरान उनका ज्यादा खर्च नहीं होता है। क्योंकि वह ऑफ-पीक हॉलिडे सीजन में ट्रैवल करते हैं। ऑफ सीजन में ट्रैवल करने से फ्लाइट्स, होटल आदि सस्ते और आसानी से मिल जाते हैं।

फ्लाइट्स चुनते समय फ्लेक्सिबल

पर्यटकों की आवाजाही सप्ताह के कुछ दिनों में कम होती है। इस समय यात्रा करने पर आपको सस्ती उड़ान भरने का मौका मिल सकता है। फ्लाइट की कीमत के आधार पर आप अपनी छुट्टियों को प्लान कर सकते हैं। इससे भी आप अच्छी खासी सेविंग कर लेंगे।

हॉस्पिटैलिटी कंपनी

आपको बता दें कि अपने नियमित ग्राहकों के लिए कई प्रमुख होटल चेंस और एयरलाइंस बहुत कम या बिना किसी एडिशनल कॉस्ट के लॉयल्टी प्रोग्राम्स पेश करती हैं। इस दौरान आपको होटल चेंस और एयरलाइंस के जरिए स्पेशल ट्रीटमेंट मिलता है।

क्रेडिट/डेबिट कार्ड

क्रेडिट या डेबिट कार्ड रिवार्ड पॉइंट अर्जित कर सकते हैं। यह पॉइंट अर्जित करने का एक क्विक और आसान तरीका है। जिसके बदले कई प्रमुख बैंक गिफ्ट्स और सर्विस के बदले में आपको रिवार्ड पॉइंट प्रदान करते हैं। जिन्हें किसी भी समय रिडीम किया जा सकता है।

सस्ता विकल्प खोजें

अगर आपके पास पर्याप्त समय है तो आप उन विकल्पों को पता करें। जिनमें यात्रा सस्ती होने के साथ ही आने-जाने से लेकर रहने तक हर चीज के लिए काफी सारे विकल्प होते हैं। इस दौरान हॉलिडे प्लान करने के दौरान शानदार अनुभवों के लिए फ्लाइट्स के स्थान पर ट्रेनों की खोज करें।

सिक्किम घूमने का बना रहे हैं प्लान तो...

इन खूबसूरत जगहों को करें एक्सप्लोर, जन्नत में आने का होगा एहसास

देश की टॉप ट्रैवल डेस्टिनेशन्स में नॉर्थ ईस्ट के कई राज्यों का नाम गिना जाता है। नॉर्थ ईस्ट की ट्रिप प्लान करने वाले अधिकतर लोग सिक्किम घूमना नहीं भूलते हैं। वैसे तो सिकिम्म में घूमने के लिए कई खूबसूरत जगहें हैं। ऐसे में अगर आप भी सिक्किम घूमने का प्लान बना रहे हैं तो इन जगहों को एक्सप्लोर करना न भूलें। इन खूबसूरत जगहों पर घूमने के बाद आपका वापस आने का दिल नहीं करेगा। हिमालय की गोद में बसा सिक्किम भले ही एक छोटा सा राज्य है। लेकिन यहां की खूबसूरत वादियों से लेकर नेचर की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको सिक्किम की कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

त्सोमगो झील की सैर

अगर आप सिक्किम में किसी रोमांटिक जगह पर घूमना चाहते हैं तो त्सोमगो लेक आपके लिए बेस्ट ऑप्शन होगा। त्सोमगो लेक सिक्किम की राजधानी गंगटोक से महज 40 किलोमीटर दूर है। यह लेक 12,400 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। इस लेक को चांगु झील के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि सर्दियों में यह लेक पूरी तरह से जम जाती है। वहीं बसंत ऋतु के मौके पर इस लेक की सुंदरता कई खूबसूरत फूलों से खिल उठती है।

जुलुक का दीदार

जुलुक का दीदार करने के लिए सिक्किम की राजधानी गंगटोक से लगभग 3 घंटे का सफर तय करना होता है। इस दौरान रास्ते में 32 हेयरपिन मोड़ आपकी यात्रा को अधिक शानदार बना सकते हैं। वैसे तो जुलुक सिक्किम का एक छोटा सा और काफी खूबसूरत गांव है। लेकिन यहां से 11 फीट की ऊंचाई पर स्थित थुंबी व्यू प्वाइंट कंचनजंघा चोटी अपने खूबसूरत नजारों के लिए फेमस है। जुलुक की ट्रिप के दौरान कपुप लेक या हाथी झील का भी दीदार कर सकते हैं।

पेलिंग की ट्रिप

गंगटोक से लगभग 140 किलोमीटर की दूरी पर स्थित पेलिंग भी घूमने के लिए बेस्ट जगह है। यह जगह रोमांच के लिए फेमस है। पेलिंग का सफर एडवेंचर लवर्स के लिए बेस्ट हो सकता है। यहां पर एडवेंचर के शौकीन लोग रॉक क्लाइंबिग, ट्रेकिंग, कयाकिंग, माउंटेन बाइकिंग, रिवर राफ्टिंग जैसी कई एक्टिविटी कर सकते हैं। इसके अलावा सांगचोएलिंग मठ रिम्बी वॉटरफॉल स्काई वॉक और सेवारो रॉक गार्डन का दीदार कर अपने सफर को शानदार और रोमांचक बना सकते हैं।

रंवगला

रंवगला सिक्किम का खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह समुद्र तल से लगभग 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। हिमालय पर्वतों से घिरा रंवगला मैनम और तेंडोंग हिल्स टॉप पर मौजूद है। बता दें कि रंवगला गंगटोक से लगभग 63 किलोमीटर की दूर स्थित है। नेचर लवर्स के लिए रंवगला की सैर बेस्ट हो सकती है। यहां से आप ग्रेटर हिमालय के मनमोहक नजारों को बेहद नजदीक से देख सकते हैं।

बांग्लादेश को भारत में ही खेलने होंगे वर्ल्ड कप मुकाबले

आईसीसी ने वेन्यू बदलने की मांग खारिज की, नहीं खेले तो पॉइंट्स कटेंगे

भोपाल (एजेंसी)। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने बांग्लादेश की उस रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है जिसमें उसने ICC मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने मैच भारत से बाहर शिफ्ट करने की मांग की थी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने रविवार (4 जनवरी) को एक रिलीज़ जारी की, जिसमें बोर्ड ने कहा कि उसने ICC से औपचारिक रूप से रिक्वेस्ट की है कि भारत में होने वाले इस शॉर्टेस्ट-फॉर्मेट मेगा-इवेंट के ग्रुप C के मैच कहीं और शिफ्ट कर दिए जाएं। लेकिन मंगलवार रात (6 जनवरी) को ESPNCricinfo की एक रिपोर्ट के अनुसार, ICC ने BCB की रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया है।

यह फैसला दोनों बॉडीज़ के बीच एक वर्चुअल मीटिंग में बताया गया, जिसमें ICC ने साफ कर दिया कि बांग्लादेश को टूर्नामेंट के लिए भारत आना होगा, नहीं तो पॉइंट्स गंवाने का खतरा रहेगा। सूत्रों के मुताबिक, ICC ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को बताया कि उठाई गई चिंताओं के बावजूद टूर्नामेंट का शेड्यूल और वेन्यू अपरिवर्तित रहेंगे। समझा जाता है कि ग्लोबल बॉडी ने BCB से कहा कि भारत में मैच खेलने से मना करने पर खेल से जुड़े नतीजे होंगे, जिसमें पॉइंट्स गंवाने की संभावना भी शामिल है। हालांकि, BCB सूत्रों ने कहा है कि उन्हें अभी तक रिजेक्शन की पुष्टि करने वाला कोई ऑफिशियल कम्युनिकेशन नहीं मिला है।

यह टकराव भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और BCB के बीच तनाव में तेज़ी से बढ़ोतरी के बाद हुआ है, जब बांग्लादेश के तेज़ गेंदबाज़ मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग से रिलीज़ कर दिया गया था। BCCI ने कोलकाता नाइट राइडर्स से मुस्तफिजुर का कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने के लिए कहा था, जिसका कारण 'चारों ओर के घटनाक्रम' बताया गया था। यह कदम बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की खबरों के बाद भारत में राजनीतिक विरोध के बीच उठाया गया था।

मुस्तफिजुर की रिहाई के बाद, BCB ने स्थिति का जायज़ा लेने के लिए एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई और बाद में ICC को लिखकर टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारत आने पर अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा और संरक्षा पर चिंता जताई। बांग्लादेश ने पहले के उदाहरणों का भी हवाला दिया, जिसमें BCB के डायरेक्टर फारूक अहमद ने अपनी रिक्वेस्ट के समर्थन में हाइब्रिड मॉडल के तहत ICC इवेंट्स में पाकिस्तान की भागीदारी का ज़िक्र किया।

जैसे-जैसे स्थिति गंभीर होती गई, बांग्लादेश ने देश में आने वाले IPL सीज़न के प्रसारण पर बैन लगाकर और कदम उठाए। इंडिया टुडे से पहले बात करते हुए, फारूक अहमद ने कहा था कि दोनों क्रिकेट बोर्ड के बीच संबंधों को खराब करने में राजनीति ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इस बात पर ज़ोर

देते हुए कि क्रिकेट से जुड़े मामले बड़े मुद्दों में उलझ गए हैं।

इस बीच, मुस्तफिजुर तेज़ी से आगे बढ़ गए हैं, IPL से बाहर होने के तुरंत बाद पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल हो गए हैं। हालांकि ICC का रुख वर्ल्ड कप शेड्यूल में आखिरी समय में बदलाव करने की कम इच्छा दिखाता है, लेकिन औपचारिक कम्युनिकेशन की कमी ने लगातार अनिश्चितता के लिए जगह छोड़ दी है, और BCB ने अभी तक सार्वजनिक रूप से अपने अगले कदम की पुष्टि नहीं की है।

5 मार्च को सानिया चंडोक के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे अर्जुन तेंदुलकर

मुम्बई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर की शादी तय हो गयी है। अर्जुन अपनी मंगेतर सानिया चंडोक के साथ शादी करेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार शादी समारोह मार्च 2026 में होगा। रिपोर्ट के अनुसर अर्जुन और सानिया की शादी 5 मार्च 2026 को होगी, जबकि शादी से जुड़े कार्यक्रम 3 मार्च से शुरू हो जाएंगे। हालांकि, यह भव्य आयोजन होने के बावजूद पूरी तरह निजी रखा जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, शादी मुंबई में होगी और इसमें केवल परिवार के सदस्य, करीबी दोस्त और क्रिकेट जगत के कुछ लोग ही शामिल रहेंगे। अर्जुन और सानिया की सगाई अगस्त 2025 में हुई थी। इस खास अवसर पर केवल दोनों परिवारों के बेहद करीबी लोग ही मौजूद थे। अर्जुन की सगाई की पुष्टि खुद सचिन तेंदुलकर ने एक कार्यक्रम में की थी।

अर्जुन की होने वाली दुल्हन सानिया एक सफल उद्यमी हैं और एक प्रतिष्ठित कारोबारी परिवार से संबंध रखती हैं। वह मुंबई के बिजनेसमैन रवि घई की पोती हैं। अर्जुन ने घरेलू क्रिकेट में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुंबई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद वह गोवा की ओर से एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में खेलते हैं। अर्जुन, को हाल ही में आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स ने खरीद लिया है।

स्टोक्स ने बनाया रिकार्ड, विलिस की बराबरी पर आये

सिडनी (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन दो विकेट लेने के साथ ही एक रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इसी के साथ ही स्टोक्स सबसे अधिक विकेट लेने वाले इंग्लैंड के दूसरे सफल कप्तान बन गये हैं। इससे पहले पूर्व कप्तान बॉब विलिस ने ये उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर उनके 77 विकेट हो गये हैं। वहीं विलिस ने भी कप्तान रहते इतने ही विकेट लिए थे।

ऐसे में इंग्लैंड के लिए कप्तान के तौर पर टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में स्टोक्स और विलिस संयुक्त रूप से पहले और दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं, जबकि तीसरे स्थान पर रे इलिंगवर्थ हैं, जिन्होंने कप्तान के तौर पर 51 विकेट लिए थे। वहीं चौथे खिलाड़ी गबी एलेन का है, जिन्होंने 42 विकेट अपने नाम किए थे। पांचवें नंबर पर जॉनी डगलस ने 37 विकेट जबकि इयान बॉथम ने कप्तान रहते 35 विकेट लिए थे। इस मैच में स्टोक्स 27.4 ओवर फेंकने के बाद पवेलियन लौट गए। यही कारण है कि वे समय पर बल्लेबाजी के लिए भी नहीं उतरे।

सिडनी टेस्ट में बेथेल की शतकीय पारी के बाद भी इंग्लैंड पर हार का खतरा बरकरार

सिडनी (एजेंसी)। एशेज के पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शिकंजा कस दिया है। ऐसे में अंतिम दिन इंग्लैंड की हार तय नजर आती है। इंग्लैंड टीम दूसरी पारी में भी मेजबान कंगारु गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 302 रनों पर ही उसने अपने 8 विकेट खो दिये हैं। केवल जैकेब बेथेल ने ही शानदार शतक लगाकर अपनी टीम की हार टाली। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय बेथेल 142 रनों पर खेल रहे थे जबकि मैथ्यू पॉट्स अपना खाता नहीं खोल पाये थे।

इंग्लैंड की अब तक इस मैच में बढ़त केवल 119 रनों की है। इससे पहले आज सुबह ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी पहली पारी में 567 रनों पर आउट हुई। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 167 रन की बढ़त मिली। वहीं इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे। अब देखना होगा कि अंतिम दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज कितने रन बना पाते हैं।

चौथे दिन का आकर्षण बेथेल की बल्लेबाजी रही। अब देखना होगा कि वह अंतिम दिन कितने रन बनाते हैं। बल्लेबाजी के अनुकूल मानी जा रही सिडनी की पिच पर दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। केवल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे बेथेल ही मैदान पर टिक पाये। इस बल्लेबाज ने 232 गेंद पर 15

चौकों की मदद से नाबाद 142 रन बनाए हैं। उनकी बेन डकेट 42 के साथ दूसरे विकेट के लिए 81, हैरी ब्रूक 46 के साथ 102, और जेमी स्मिथ 26 के साथ छठे विकेट के लिए उन्होंने 45 रन की साझेदारी की। वहीं अन्य बल्लेबाज एक के बाद एक आउट होते गये।

बेथेल तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एशेज में 2001 के बाद शतक लगाने वाले इंग्लैंड के दूसरे बल्लेबाज बने हैं। इससे पहले ये उपलब्धि जोनाथन ट्रॉट के अलावा माइकल वॉन और मार्क बुचर के नाम है।

सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर रन बनाने पर ध्यान दें : पोंटिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने अगले माह शुरु होने वाले टी20 विश्वकप को लेकर भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव को जरुरी सलाह दी है। पोटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार आउट होने का डर छोड़कर अपना

स्वाभाविक खेल खेलें। सूर्या पिछले काफी समय से खराब फार्म से परेशान रहे हैं। उनकी कप्तानी में टीम जीतती रही है पर वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं जिससे वह दबाव में हैं। इसी को देखते हुए पोंटिंग ने कहा कि वह विकेट का डर छोड़कर खेलें। रन अपने आप आयेंगे। सूर्यकुमार दो साल पहले तक टी20 में नंबर एक स्थान पर थे पर पिछले कुछ समय में उनकी रैंकिंग भी नीचे आयी है। पिछले साल वह 21 मैचों में केवल 218 रन ही बना पाये हैं। उनका औसत 13.62 और स्ट्राइक रेट 123.16 का रहा है। जिसको देखते हुए फरवरी में होने वाले टी20 विश्वकप से पहले टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। पोंटिंग ने कहा कि सूर्यकुमार का पिछले कुछ समय से लय में नहीं होना परेशान करने वाली बात है। वह लंबे समय से भारतीय टीम के टी20 में महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। पोंटिंग ने कहा, 'सूर्यकुमार छह, आठ या दस गेंद खेलने के बाद ही अपना सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करते हैं। वह अपने पर भरोसा रखते हैं और अपने शॉट्स खेलने पर ध्यान देते हैं।'

अंडर-19 एकदिवसीय : वैभव ने दक्षिण अफीका के खिलाफ 10 छक्के लगाकर रिकार्ड बनाया

बेनोनी। भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए वैभव सूर्यवंशी ने दक्षिण अफीका की अंडर-19 क्रिकेट टीम साथ जारी तीसरे एकदिवसीय मैच में 10 छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। वैभव ने अपनी पारी में चौके से ज्यादा छक्के लगाए। दक्षिण अफीका ने इस मैच में टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। वैभन ने आरोन जॉर्ज के साथ पारी शुरु की। आरोन जहां आराम से खेल रहे थे, वहीं वैभव ने आक्रामक अंदाज दिखाते हुए तेजी से शतक लगाया। वैभव ने 74 गेंद पर 10 छक्के और 9 चौकों लगाकर 127 रन बना दिये। इस बल्लेबाज ने 63 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। वहीं जॉर्ज ने भी शतकीय पारी खेली। वैभव ने पिछले मैच में भी मात्र 24 गेंद पर 10 छक्के और एक चौका लगाते हुए 68 रन बनाये थे। गौरतलब है कि साल 2025 में आईपीएल में डेब्यू के बाद से वैभव अपने आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जा रहे हैं। वैभव ने हर प्रारुप में तेज पारियां खेली हैं। आईपीएल में उनके नाम केवल सिर्फ 35 गेंद पर शतक का रिकार्ड है। वैभव ने भारतीय अंडर-19 टीम की ओर से भी शतक लगाए हैं।

मलेशिया ओपन: पीवी सिंधू की जुझारू जीत, प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कुआलालंपुर (एजेंसी)। लंबे समय तक चोट के कारण कोर्ट से दूर रहने के बाद वापसी कर रहीं भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने बुधवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के महिला एकल के पहले दौर में संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करते हुए प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू ने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 51 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 22-20 से शिकस्त दी।

चोट के बाद दमदार वापसी

सिंधू पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी BWF वर्ल्ड टूर प्रतियोगिताओं से हट गई थीं। इस मुकाबले में उन्होंने वापसी पर आत्मविश्वास भरा खेल दिखाया और कोर्ट पर अपनी लय को बखूबी संभाला।

हेड-टू-हेड रिकॉर्ड मजबूत

विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधू ने सुंग को करियर में दूसरी बार हराया

और उनके खिलाफ अपना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। सिंधू की आक्रामकता और अनुभव निर्णायक साबित हुए।

दूसरे गेम में दिखा असली संघर्ष

पहले गेम में सिंधू ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। उन्होंने 6-2 की बढ़त हासिल की और आसानी से पहला गेम अपने नाम कर लिया। हालांकि दूसरे गेम में कहानी बदली। सिंधू एक समय 4-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। इसके बाद 28 वर्षीय सुंग ने 17-14 की बढ़त बनाई, मगर सिंधू ने हार नहीं मानी।

भारतीय खिलाड़ी ने फिर से वापसी करते हुए स्कोर 17-17 कर दिया और 20-20 के बाद लगातार दो अंक लेकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अगली चुनौती: टोमोका मियाजाकी

अब सिंधू का सामना प्री-क्वार्टरफाइनल में विश्व की नौवें नंबर की जापानी खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से होगा। मियाजाकी को अगले दौर में जगह तब मिली, जब वह मुकाबले में 21-19, 2-1 से आगे चल रही थीं और उनकी दक्षिण कोरियाई प्रतिद्वंद्वी सिम यू जिन चोट के कारण मैच से हट गईं।

मिश्रित युगल में भारतीय जोड़ी बाहर

इस बीच, विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। 56 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में वे अमेरिका की प्रेस्ली स्मिथ और जेनी गाई की जोड़ी से 15-21, 21-18, 15-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

टीम20 विश्वकप में भारतीय हालातों के अनुभवों का लाभ मिलेगा : डीकॉक

केपटाउन। दक्षिण अफीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डीकॉक की नजरें अब अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट पर लगी हैं। डीकॉक ने कहा है कि उन्हें भारतीय हालातों में खेलने का लंबा अनुभव है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा। उन्होंने कहा मैंने कई बार भारत का दौरा किया है, ऐसे में अगर मुझे सफलता नहीं मिली तो इसमें कोई गलती होगी। संन्यास से वापसी करने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि वह बिना किसी मानसिक दबाव के उतरते हैं जिसका लाभ उन्हें मिलता रहा है। डीकॉक ने टेस्ट और एकदिवसीय से संन्यास लेने के बाद अक्टूबर 2025 में नामीबिया के खिलाफ टी20 मैच से वापसी की थी। वह 2024 में टी20 विश्व कप के फाइनल के बाद से इस प्रारूप से बाहर रहे हैं जिससे उनके करियर पर सवाल उठते रहे हैं। डीकॉक ने यहां एसए20 मैच के बाद कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी भी किसी तरह के दबाव के साथ क्रिकेट खेली है। मेरी मानसिकता हमेशा जीतने की रही है। अगर मैं मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार होकर मैदान में उतरता हूं, तो मैं संतुष्ट रहता हूं, फिर चाहे मुझे सफलता मिले या नहीं।

भारतीय टीम को भविष्य में हराना काफी कठिन रहेगा : गार्डनर

मुंबई। 9 जनवरी से शुरु हो रही महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट के लिए भारत आयी ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर एशले गार्डनर के अनुसार जिस प्रकार से हाल में भारतीय टीम ने खेला है उससे वह पहले से काफी बेहतर हो गयी है। एकदिवसीय विश्वकप में टीम की जीत से भी ये साबित हुआ है। ऐसे में आने वाले समय में एकदिवसीय क्रिकेट में उसे हराना काफी कठिन रहेगा। गार्डनर ने कहा कि भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का प्रदर्शन भी लगाकर अच्छा होता जा रहा है। गार्डनर प्रीमियर लीग के लिए गुजरात टाइटंस टीम में शामिल हैं। इस खिलाड़ी के अनुसार भारतीय टीम अगले पांच से दस साल में उन टीमों में से एक होगी जिसे हराना बेहद कठिन होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर होने के कारण में इससे दबाव में हूं पर जिस प्रकार से यहां महिला लीग शुरु होने के बाद खेल का तेजी से विकास हुआ है वह सुखद है। गार्डनर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया टीम अभी भी महिला क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है पर ये स्थान वह अधिक समय तक बरकरार नहीं रख पायेगी। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व कप के बाद से मीडिया से कह रही हूं कि हमारी टीम अभी भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। विश्व कप भारी दबाव वाले पलों में आपकी जीत को तय करते हैं। अगर हम किसी भी टीम से लगातार दस मैच खेलें तो हम आठ या नौ जीत जाएंगे। भारत से सेमीफाइनल में मिली हार कठिन थी लेकिन हमें पता है कि भारतीय टीम कितनी काफी अच्छी है। महिला प्रीमियर लीग में गुजरात टीम में गार्डनर के अलावा बेथ मूनी, डैनी वियाट हॉज और सोफी डेवाइन जैसे अन्य विदेशी खिलाड़ी खेल रही हैं। गार्डनर ने कहा कि इसमें भाग ले रही विदेशी खिलाड़ियों पर अधिक दबाव रहना स्वाभाविक है।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन की इनामी राशि बढ़ी

मेलबर्न। 18 जनवरी से शुरु होने वाले साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले आयोजकों ने इसकी इनामी राशि बढ़ा दी है। इसकी पुरस्कार राशि 16 फीसदी बढ़ाई गई है। ऐसे में अब कुल इनामी राशि बढ़कर 111.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (तकरीबन 75 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पहुंच गई है। यह अब तक की इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है। अब पुरुष और महिला एकल वर्ग में जीतने वालों को 41.5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 2.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर) पुरस्कार राशि दी जाएगी। ये पिछले साल 2025 की तुलना में 19 फीसदी ज्यादा है। वहीं क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भी 16 फीसदी अधिक राशि मिलेगी। आयोजकों के अनुसार मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले सभी एकल और युगल खिलाड़ियों को कम से कम 10 फीसदी अधिक राशि मिलेगी। इस कदम से सभी प्रतियोगियों को लाभ मिलने के साथ ही टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा भी बढ़ेगी। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए आयोजकों ने सुरक्षा व्यवस्था सहित सभी जरुरी इंतजाम किये हैं। आयोजकों का माना है कि पुरस्कार राशि बढ़ने से इस टूर्नामेंट का रोमांच और बढ़ेगा।

डब्ल्यूपीएल 2024 से पहले मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर का हुंकार, 'फिर से ट्रॉफी जीतना चाहते हैं'

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पिछले सीज़न में खिताब जीतने के बाद, मुंबई इंडियंस (एमआई) - इस प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम - नए सीज़न में पूरी तरह से तैयार है और 9 जनवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ पहले मैच में उतरेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व कप में जीत दिलाने वाली एमआई की कप्तान हरमनप्रीत कौर उसी प्रेरणा को बरकरार रखते हुए लीग खिताब को बरकरार रखना चाहती हैं।

हरमनप्रीत ने बुधवार को मुंबई में मुंबई इंडियंस की प्री-सीज़न प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि जब भी मैं मैदान पर जाती हूं, मैं अपनी टीम से कहती हूं कि मैं ट्रॉफी जीतना चाहती हूं। यह नया साल डब्ल्यूपीएल से शुरू हो रहा है, और टूर्नामेंट में उतरने को लेकर मुझमें वही ऊर्जा और उत्साह है। हमारी सोच एक जैसी है। हमने पिछले तीन सीज़न में दो ट्रॉफियां जीती हैं। और हम इस सीज़न में अच्छा प्रदर्शन करके फिर से ट्रॉफी जीतना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि मुंबई में यह मेरी पहली नौकरी है, और मुझे लगता है कि यह शहर मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि जब भी मुझे यहां खेलने का मौका मिलता है, मुझे हमेशा सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। मुझे पूरा यकीन है कि यह सीजन भी बहुत खास होने वाला है। मुझे बहुत खुशी है कि पिछला सीजन और पिछला साल महिला क्रिकेट के लिए कुल मिलाकर बहुत अच्छा रहा। मुझे उम्मीद है कि इस साल की शुरुआत भी इसी तरह होगी।

इस बार, टीम दो बार की विश्व कप विजेता लीसा कीथली से भी प्रेरणा लेने की उम्मीद करेगी, जो मुंबई इंडियंस के साथ अपने पहले महिला क्रिकेट प्रीमियर लीग सीजन में कप्तानी संभाल रही हैं। लीसा ने महिला कोचों से बनी टीम के बारे में बताया और यह भी बताया कि यह मुंबई इंडियंस की विचारधारा और नीता एम. अंबानी के खेल के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के दृष्टिकोण को कैसे दर्शाता है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा किमहिला कोचों का पूरा पैनल होना मेरे लिए वाकई रोमांचक और एक नया अनुभव है। हम समर्थकों और दुनिया भर की महिलाओं को कोचिंग के क्षेत्र में महिलाओं को देखने का अवसर दे रहे हैं। इस दृष्टिकोण से, मैं इसे और अधिक बार देखना चाहूंगी और मुझे लगता है कि अगले 10 वर्षों में आप इसे देखेंगे।

26 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, दक्षिण-बस्तर और एओबी इलाके में थे सक्रिय

सुकमा (एजेंसी)। नक्सलियों के बटालियन नंबर-1 के कमांडर इन चीफ देवा बारसे के सरेंडर के बाद अब यह टीम भी पूरी तरह बिखर चुकी है। देवा के साथ काम करने वाले नक्सलियों ने सुकमा में सरेंडर कर दिया है। जिसमें 7 महिला समेत 26 नक्सली शामिल है। इन नक्सलियों पर 64 लाख रुपए का इनाम घोषित था। इनमें से कुछ नक्सली एओबी, दक्षिण बस्तर और माड़ डिवीजन में भी सक्रिय रहे हैं। आत्मसमर्पण करने वाले इन नक्सलियों में सीवायपीसीएम कैडर का 1, डीवीसीएम- 1, पीपीसीएम- 3, एसीएम- 3 और 18 नक्सली पार्टी मेंबर हैं। ये सभी नक्सली सुकमा, माड़ क्षेत्र और ओडिशा क्षेत्र में कई बड़ी वारदातों में शामिल रहे हैं। इनमें 1 लाख रुपए से लेकर 10 लाख रुपए तक का इनाम घोषित है। सुकमा जिले के एसपी किरण चव्हाण ने कहा कि, लगातार नक्सली सरेंडर कर रहे हैं। आज 26 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है। नक्सल संगठन कमजोर पड़ा है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को 50-50 रुपए प्रोत्साहन राशि दी गई है। उन्होंने नक्सलियों से अपील की है कि समय रहते हथियार डाल दो। हिंसा का रास्ता छोड़ दो।

छात्रा से छेड़छाड़ और दीवार पर आई लव यू लिखने की सजा.... एक वर्ष की जेल

आगर्रा (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के आगरा में छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ और दीवार पर आई लव यू लिखने वाले आरोपित को न्यायालय ने एक वर्ष की सजा सुनाई है। पीड़िता उसके स्वजन द्वारा कई बार समझाने के बाद भी आरोपित मंजीत राठौर ने अपनी हरकत बंद नहीं हुई। इसके बाद पीड़िता ने उसके विरुद्ध सदर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मृत्युंजय श्रीवास्तव ने आरोपित को एक वर्ष की सजा एवं दो हजार रुपये के जुर्माना लगाया। आरोपित 23 जनवरी 2025 से जेल में बंद है। सदर क्षेत्र निवासी पीड़िता ने जनवरी 2025 में आरोपित मंजीत राठौर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़िता के अनुसार तीन वर्ष से स्कूल एवं कोचिंग जाने के दौरान उसका पीछा करके परेशान कर रहा था। कभी उसकी साइकिल पंचर कर देता, उसके घर की कुंडी खटखटा देता था। आरोपित मंजीत उस पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। मना करने पर जान से मारने की धमकी देता था। पीड़िता और उसके स्वजन ने समझाने का प्रयास किया, आरोपित के स्वजन ने भी दुबारा शिकायत का मौका नहीं देने का आश्वासन दिया। इसके बाद भी आरोपित की हरकत बंद नहीं हुई, तब पीड़िता ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपित 23 जनवरी 2025 से जिला जेल में बंद है। उसके विरुद्ध आठ अप्रैल 2025 को आरोप तय हुए थे। अभियोजन की ओर से पीड़िता उसकी मां, उप निरीक्षक शिवम मिश्रा, लोकेन्द्र सिंह, पुलिसकर्मी सौरभ कुमार को गवाही के लिए न्यायालय में पेश किया गया। सीजेएम मृत्युंजय श्रीवास्तव ने गवाहों के बयान एवं अभियोजन के तर्क पर आरोपित को सजा सुनाई।

अंकिता भंडारी मामले में भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंकिता भंडारी मामले में नाम उछाले जान के खिलाफ हाई कोर्ट पहुंचे भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को बड़ी राहत मिल गई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रथम दृष्टया आरोपों को मानहानिकारक मानकर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सहित अन्य सोशल मीडिया हैंड्ल्स को गौतम से जुड़े कॉटेंट को हटाने का आदेश दिया है। अदालत ने साफ किया कि यदि गौतम का नाम उछालना जारी रखा गया, तब अंजाम भुगतना होगा। अदालत ने कांग्रेस, आप और अन्य प्रतिवादियों को अंकिता मामले में गौतम को वीआईपी बताने संबंधी किसी भी तरह की सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से रोक दिया है। साथ ही अदालत ने आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। हाई कोर्ट ने कहा है कि संतुलन की सुविधा (बैलेंस ऑफ कन्वीनियंस) वादी के पक्ष में है।

मनी लॉन्ड्रिंग कानून को चुनौती देने से कुछ नहीं होगा आम आदमी की तरह ट्रायल का सामना करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण और सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि आर्थिक रूप से संपन्न और प्रभावशाली लोग कानून की प्रक्रिया का सामना करने के बजाय, अक्सर केस दर्ज होते ही उस कानून की वैधता को ही चुनौती देने के लिए अदालत का रुख करते हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने इस बढ़ते हुए रुझान पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे एक दुर्लभ और चिंताजनक ट्रेंड करार दिया है। यह मामला तब सामने आया जब मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला की पीठ एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका एक हाई-प्रोफाइल हेलीकॉप्टर सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के आरोपी द्वारा दाखिल की गई थी, जिसमें प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के कुछ विशेष प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब किसी मामले का ट्रायल चल रहा हो, तब प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा कानून को चुनौती देना न्याय प्रक्रिया में बाधा जैसा है। पीठ ने याचिकाकर्ता को दो टूक शब्दों में निर्देश दिया कि वे किसी भी सामान्य नागरिक की तरह कानूनी ट्रायल का सामना करें।

शीर्ष अदालत ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए तर्क दिया कि इस कानून के प्रावधानों को पहले ही कई अन्य याचिकाओं के माध्यम से चुनौती दी जा चुकी है, जो अभी लंबित हैं। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि आर्थिक अपराधों में शामिल प्रभावशाली लोगों द्वारा कानूनी पेचीदगियों का सहारा लेकर कार्यवाही में देरी करने की कोशिशों को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। इससे पूर्व भी कुछ राजनीतिक हस्तियों द्वारा इसी तरह की चुनौतियां दी गई थीं, जिन्हें लेकर न्यायालय का रुख अब और अधिक स्पष्ट और सख्त दिखाई दे रहा है।

भारतीय किसान यूनियन के दो गुटों में फूट... डल्लेवाल के खिलाफ हुआ सिद्धूपुर गुट

चड़ीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति और किसान आंदोलनों में सक्रिय रहने वाली भारतीय किसान यूनियन (एकता-सिद्धूपुर) को दो गुटों में बंट गई। किसान संगठन के आठ जिलों के अध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मौजूदा अध्यक्ष जगजीत सिंह डल्लेवाल के खिलाफ बगावत शुरु कर दी है। नाराज गुट ने संगठन के संस्थापक पिशोरा सिंह सिद्धूपुर के बेटे दलबीर सिंह सिद्धूपुर को अपना नया संयोजक बनाया है।

आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट बोला- आवारा कुत्तों से सडकें खाली रखनी होंगी

वे हादसों का कारण बनते हैं, बच्चे-बड़ों को काट रहे, लोग मर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुनवाई जारी है। बहस में कुत्तों के मूड, कुत्तों की काउंसलिंग, कम्युनिटी डॉग्स और इंस्टीट्यूशनलाइज्ड डॉग्स जैसे शब्द सामने आए। जस्टिस विक्रम नाथ ने कहा, बात सिर्फ काटने की नहीं है, कुत्तों से खतरा भी होता है। दुर्घटनाओं का खतरा। आवारा कुत्तों से सडकें खाली रखनी होंगी। आप इसकी पहचान कैसे करेंगे? सुबह-सुबह कौन सा कुत्ता किस मूड में है, यह आप नहीं जान सकते।

बहस में आवारा कुत्तों के फेवर में पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कहा, जब भी मैं मंदिरों वगैरह में गया हूं, मुझे कभी किसी ने नहीं काटा। सुप्रीम कोर्ट ने जवाब दिया- आप खुशकिस्मत हैं। लोगों को काटा जा रहा है, बच्चों को काटा जा रहा है। लोग मर रहे हैं। कपिल सिब्बल ने कहा- कुत्ते ने किसी को काटा है, तो आप एक सेंटर को कॉल करें, उसे ले जाया जाएगा, उसकी नसबंदी की जाएगी और उसे वापस उसी इलाके में छोड़ दिया जाएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बस एक ही चीज बाकी है, कुत्तों को भी काउंसलिंग देना। ताकि वापस छोड़े जाने पर वह काटे नहीं।

कल कोई सोसाइटी में भैंस ले आया, तो क्या करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता वंदना जैन की एक दलील पर टिप्पणी की, जब हम पशु प्रेमियों की बात करते हैं, तो इसमें सभी जानवर शामिल होते हैं। मैं अपने घर में कोई जानवर रखना चाहता हूं या नहीं, यह मेरा विवेक है। सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, यही बात गेटेड कम्युनिटी पर भी लागू होती है। गेटेड कम्युनिटी में कुत्ते को घूमने देना चाहिए या नहीं, यह समुदाय को तय करना होगा। मान लीजिए, 90 प्रतिशत निवासियों को लगता है कि यह बच्चों के लिए खतरनाक होगा, लेकिन 10 फीसदी कुत्ते रखने पर जोर देते हैं। कोई कल भैंस ला सकता है। वे कह सकते हैं कि मुझे भैंस का दूध चाहिए।

हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रावधान होना चाहिए जिसके तहत गेटेड कम्युनिटी मतदान के जरिए फैसला ले सके। वकील वंदना जैन ने कहा, हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं। हमें कुत्तों के खतरे और सार्वजनिक सुरक्षा को देखना होगा। 6.2 करोड़ कुत्तों की आबादी है और स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। बुधवार को मामले की सुनवाई ढाई घंटे तक चली। इसके बाद इसे रोक दिया गया। अगली सुनवाई 8 जनवरी को सुबह 10.30 बजे से फिर शुरू होगी।

कर्नाटक में बीजेपी का आरोप, महिला कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के दौरान उनके कपड़े फाड़ दिए

हुबली (एजेंसी)। कर्नाटक के हुबली में महिला कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के दौरान हुए हंगामे ने राजनीतिक रंग ले लिया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने उनकी कार्यकर्ता के साथ मारपीट की और गिरफ्तारी के दौरान उनके कपड़े फाड़ दिए। वहीं, पुलिस ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दावा किया है कि महिला ने खुद अपने कपड़े उतारे और पुलिसकर्मियों पर हमला किया। हुबली के चालुक्य नगर में सर्वे को लेकर लोगों और अधिकारियों के बीच विवाद शुरू हुआ था। विवाद इतना बढ़ा कि गाली-गलौज और मारपीट की नौबत तक आ गई। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित तीन अलग-अलग केस दर्ज किए। इसी कड़ी में 5 जनवरी को पुलिस जब आरोपी महिला को हिरासत में लेने पहुंची, तब ये हाई-वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें महिला कार्यकर्ता बस के अंदर महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों से घिरी दिख रही है। भाजपा का दावा है कि जब महिला ने गिरफ्तारी का विरोध किया, तब पुलिस ने उनके साथ बदसलूकी कर मारपीट की और उनके कपड़े तक फाड़ दिए। हुबली के पुलिस कमिश्नर शशि कुमार ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत बताया है। उन्होंने घटना का दूसरा पक्ष रखा। कमिश्नर के मुताबिक, गिरफ्तारी के दौरान महिला ने जबरदस्त विरोध किया और एक सब-इंस्पेक्टर को दांत से काट लिया। साथ ही अन्य पुलिसकर्मियों के साथ भी हाथापाई की। पुलिस का कहना है कि महिला ने पुलिस वाहन में ले जाते समय विरोध जताने के लिए खुद अपने कपड़े उतार दिए थे। कमिश्नर ने बताया कि हमारे महिला स्टाफ ने ही लोगों की मदद से कपड़े मंगवाए और उन्हें पहनाए.

दिल्ली-एनसीआर में फिर हुई हवा प्रदूषित...एयर क्वालिटी इंडेक्स फिर से रेड जोन में आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता फिर गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। एक दिन के लिए ऑरेंज जोन में आने के बाद दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स फिर से रेड जोन में आ गया है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 90 प्रतिशत इलाके खराब से बेहद खराब श्रेणी में हैं। दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया है। ओखला फेज-2 में एक्यूआई 342, पटपड़गंज में 332, पंजाबी बाग में 324, पूसा में 345, आरके पुरम में 337, रोहिणी में 319, सिरिफोर्ट में 342, सोनिया विहार में 320 और श्री अरबिंदो मार्ग पर 308 एक्यूआई दर्ज हुआ। हालांकि, शादिपुर में एक्यूआई 165 रहा, जो येलो जोन में है, लेकिन यह राहत सीमित इलाकों तक दिखाई दी। नोएडा में भी स्थिति चिंताजनक है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 309, सेक्टर-62 पर 269, सेक्टर-1 में 312 और सेक्टर-116 में 324 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया।

गाजियाबाद के इलाकों में प्रदूषण का स्तर और ज्यादा गंभीर दिखाई दिया। लोनी में एक्यूआई 385, वसुंधरा में 344, संजय नगर में 286 और इंदिरापुरम में 244 एक्यूआई दर्ज हुआ, जो दिखाता है कि औद्योगिक और रिहायशी दोनों क्षेत्रों में हवा सांस लेने लायक नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, हाल के दिनों में चली तेज हवाओं के कारण स्मॉग और प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर कुछ हद तक राहत मिली है, लेकिन पूरी तरह राहत नहीं मिली है। 7 जनवरी को अधिकतम तापमान करीब 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सुबह और दोपहर के समय घना कोहरा छाया रहा, जबकि दिनभर 'कोल्ड डे' की स्थिति बनी रही। 8 जनवरी को भी घने कोहरे का पूर्वानुमान है और 9 जनवरी तक मध्यम कोहरा बने रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है, जिससे ठंड बढ़ेगी और कोहरे की समस्या बनी रहेगी।

मध्यप्रदेश के ग्रामीण इलाकों में पीने का पानी इंसानों के इस्तेमाल के लायक नहीं

जल जीवन मिशन की नई रिपोर्ट से हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भोपाल (ईएमएस)। इंदौर के भागीरथपुरा में काल बने पीने के पानी ने अब तक 20 लोगों की जान गई हैं और जो इससे बच गए, उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना में मोहन सरकार कटघरे में है। वहीं विपक्ष भी इस मुद्दे पर हावी है। इस बीच मध्य प्रदेश के गांवों में पीने के पानी पर आई एक रिपोर्ट ने सभी को हैरान कर दिया। केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन की नई रिपोर्ट से साफ होता है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में एक-तिहाई से अधिक पीने का पानी इंसानों के इस्तेमाल के लायक नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार मध्य प्रदेश में पानी के केवल 63.3 प्रतिशत नमूने ही गुणवत्ता मानकों पर खरे उतरे, जबकि इसका राष्ट्रीय औसत 76 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि राज्य के ग्रामीण इलाकों में 36.7 प्रतिशत पानी के नमूने असुरक्षित मिले हैं। इसमें हानिकारक बैक्टीरिया (कीटाणु) या रासायनिक मिलावट मिली है। ये नमूने सितंबर-अक्टूबर 2024 के दौरान मध्य प्रदेश के 15,000 से अधिक ग्रामीण घरों से इकट्ठा किए गए थे।

यह स्थिति उन जगहों पर और अधिक खराब है, जो सुरक्षा और इलाज के लिए बनी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी अस्पतालों में पानी के केवल 12 प्रतिशत नमूने ही सूक्ष्मजीवविज्ञानी सुरक्षा जांच में पास हो पाए, जबकि इसका राष्ट्रीय औसत 83.1 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि मध्य प्रदेश के लगभग 88 प्रतिशत अस्पतालों में मरीजों को असुरक्षित पानी दिया जा रहा है। स्कूलों में 26.7 प्रतिशत नमूने माइक्रोबायोलॉजिकल टेस्ट में फेल हो गए, जिससे बच्चे हर दिन दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

प्रदेश के अनूपपुर और डिंडोरी जैसे आदिवासी बहुल जिलों में स्थिति बहुत भयावक है, जहां एक भी पानी का नमूना सुरक्षित नहीं आया है। बालाघाट, बैतूल और छिंदवाड़ा में 50 प्रतिशत से अधिक पानी के नमूने दूषित मिले हैं। मध्य प्रदेश में केवल 31.5 प्रतिशत घरों में नल के कनेक्शन हैं, जो कि 70.9 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से बहुत कम है। जहां पाइपलाइन बिछी भी है, वहां व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है, राज्य के 99.1 प्रतिशत गांवों में पाइप से जलापूर्ति की व्यवस्था है, लेकिन केवल 76.6 प्रतिशत घरों में ही चालू हालत में नल लगे हैं। इसका सीधा मतलब यह है कि हर चौथे घर में या नल खराब है या पानी ही नहीं आता।

इससे भी बदतर बात यह है कि नल से पानी आने का मतलब सुरक्षित पानी होना नहीं है। इंदौर जिला, जिसे आधिकारिक तौर पर 100 प्रतिशत नल कनेक्शन वाला घोषित किया गया है, वहां भी केवल 33 प्रतिशत घरों को ही सुरक्षित पीने का पानी मिल रहा है। पूरे राज्य में 33 प्रतिशत पानी के नमूने गुणवत्ता जांच में फेल हो गए, जो इसकी पुष्टि करता है कि संकट केवल पानी की पहुंच का नहीं, बल्कि जहरीली सप्लाई का है। केंद्र सरकार ने इस स्थिति को सिस्टम की ओर से पैदा की गई आपदा करार देकर चेतावनी दी है कि यदि पानी की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ, तब इस साल फंड (बजट) में कटौती की जा सकती है।

यह चेतावनी एक बड़ी त्रासदी के बाद आई है। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 20 लोगों की मौत हो गई। 429 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिसमें से 16 आईसीयू में हैं और तीन वेंटिलेटर पर हैं। अब मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने औपचारिक रूप से इस संकट को पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी (सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल) घोषित कर दिया है।

चरखी दादरी में एड्स का बढ़ता खतरा, जागरूकता व जांच अभियान शुरू

गुरुग्राम (एजेंसी)। चरखी दादरी जिले में एचआईवी/एड्स संक्रमितों की संख्या 500 के पार पहुंचने के बाद हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। जिले में वर्तमान में 504 सक्रिय मामले सामने आए हैं, जिसके मद्देनजर हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के सहयोग से 12 दिवसीय जांच एवं जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का शुभारंभ 5 जनवरी को सिविल सर्जन एवं सीएमओ डॉ. नरेश कुमार ने अभियान नोडल अधिकारी डॉ. सुमन तंवर की मौजूदगी में किया। अभियान के तहत शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लोगों को एचआईवी के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पहले दिन संयुक्त टीम सांवड़ गांव पहुंची, जहां नुक्कड़ नाटक के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग की टीम ने हेल्थ कैंप लगाकर ग्रामीणों की एचआईवी जांच की। इसके बाद 6 जनवरी को रानीला गांव और 7 जनवरी को चरखी गांव में अभियान चलाया गया। अभियान का समापन 16 जनवरी को शहर की वाल्मीकि बस्ती में किया जाएगा। इस दौरान टीम कुल 11 गांवों और एक शहरी क्षेत्र में पहुंचेगी। कैंपों में एचआईवी जांच पूरी तरह निःशुल्क की जा रही है, जबकि बाहर जांच कराने पर शुल्क देना पड़ता है। साथ ही लोगों की काउंसिलिंग भी की जा रही है ताकि एचआईवी से जुड़े भ्रम दूर किए जा सकें। जांच कराने वाले व्यक्तियों की रिपोर्ट पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

इस 12 दिवसीय अभियान की रूपरेखा का शेड्यूल हरियाणा स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी की ओर से तय किया गया है। दादरी जिले की बात करें तो अभियान के तहत टीम 11 गांवों और एक शहरी क्षेत्र में पहुंचेगी। सीएमओ ने बताया कि जो लोग अभियान से जुड़कर अपनी जांच कराएंगे उनकी रिपोर्ट गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में एचआइवी संक्रमितों को सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिया जा रहा है।

सीएमओ डॉ. नरेश कुमार ने बताया कि एचआईवी संक्रमितों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही अभियान के दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत भी लोगों को जागरूक कर लिंगानुपात में सुधार का प्रयास किया जा रहा है। यह अभियान जिले में स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे... शाह का ये आरोप सरासर गलत : स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह आरोप कि तमिलनाडु में हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों के लोगों की आस्थाओं का सम्मान कर उनके धार्मिक अधिकारों की रक्षा करती है।

उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु जैसे राज्य में गृह मंत्री शाह का यह आरोप कि हिंदुओं के अधिकार छीने जा रहे हैं, सरासर गलत और उनके पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। सच यह है कि राज्य में दंगे और विभाजन पैदा करने की मंशा रखने वालों की मानसिकता सफल नहीं हुई है।'' स्टालिन ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह की घटना कभी नहीं होगी।

सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने कहा, ''जब तक यह स्टालिन यहां है, ऐसा बिल्कुल नहीं होगा।' दरअसल केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने तमिलनाडु के पुदुकोट्टई में जनसभा के दौरान द्रमुक पर हिंदू धर्म और हिंदुओं की भावनाओं को लगातार अपमानित करने का आरोप लगाया था। शाह ने हिंदुओं पर हुए 'अत्याचारों' को लेकर स्टालिन सरकार की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदू पूजा-पाठ के तरीकों का 'अपमान' किया जा रहा है और दावा किया कि अयोध्या राम मंदिर भूमि पूजा के दौरान राज्य में 'अघोषित कर्फ्यू लगाया गया था'। शाह ने कहा, ''उनके (द्रमुक के) वरिष्ठ नेता सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया कहते हैं। हिंदू शोभायात्राओं और विसर्जन (हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों के विसर्जन) पर रोक लगा दी गई है। मैं स्टालिन से कहना चाहता हूं कि आपने हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार करके संवैधानिक मूल्यों का उल्लंघन किया है।

पाकिस्तान के पास परमाणु हथियार भले ही हों, भारत से है फिर भी बहुत पीछे

-गिनती से नहीं तेजी से हथियार इस्तेमाल से मापी जाती है परमाणु ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया, लेकिन यह जीत किसी क्रिकेट मैच या फिर अर्थव्यवस्था की रैंकिंग की नहीं है। यह रेस है तबाही के सबसे बड़े हथियार यानी परमाणु बम की। इस बार फर्क सिर्फ संख्या का नहीं रणनीति का है। दूसरा विश्व युद्ध जापान के हिरशिमा और नागासाकी में हुआ। अमेरिका के दो परमाणु बम, लिटिल बॉय और फैट मैन पूरे शहर राख बन गए। लाखों लोग मारे गए। जो बचे वो पीढ़ियों तक बीमारियों से जूझते रहे हैं। इसके बावजूद दुनिया ने परमाणु हथियारों से दूरी नहीं बनाई बल्कि एक नई परमाणु दौड़ शुरू कर दी है। दावा किया जाता है कि परमाणु हथियार युद्ध रोकते हैं क्योंकि कोई भी देश इतना बड़ा जोखिम नहीं लेना चाहता।

सच्चाई यह है कि अगर यह हथियार चले तो युद्ध नहीं पूरी मानवता खत्म हो जाएगी। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट यानी कि एसआईपीआरआई सिपरी ने अपनी 2025 की रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में जनवरी 2025 तक दुनिया के परमाणु हथियारों की पूरी तस्वीर सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 180 परमाणु हथियार, पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार, चीन के पास करीब 600 परमाणु हथियार, रूस के पास 5459 और अमेरिका के पास 5177 परमाणु हथियार हैं यानी अमेरिका सबसे आगे है। चीन भले ही भारत से बहुत आगे है लेकिन भारत उतनी ही तेजी से परमाणु हथियार डेवलप कर रहा है।

भारत और पाकिस्तान के पास परमाणु हथियारों की संख्या में करीब-करीब बराबर है या फिर आसपास है लेकिन चीन बहुत आगे है। अब सवाल है फिर भी भारत कैसे आगे? क्योंकि कहा जा रहा है कि भारत ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ दिया। क्योंकि परमाणु ताकत सिर्फ गिनती से नहीं मापी जाती है। असल पैमाना है कितनी तेजी से हथियार इस्तेमाल हो सकता है। कितनी दूर तक मार कर सकता हैं। कितने सुरक्षित और भरोसेमंद है और यहीं से भारत की रणनीतिक बढ़त शुरू हो जाती है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 2024 में परमाणु हथियारों में गुणात्मक बदलाव किया। भारत की नीति थी परमाणु हथियार अलग, लांचर अलग, शांति काल में अलग-अलग भंडार, लेकिन अब मिसाइलें कैनिस्टर्स में सील होती है। हमेशा तैयार रहती हैं। जल्द लॉन्च होती है। ज्यादा सुरक्षित होती हैं। इसका मतलब तेज परमाणु प्रतिक्रिया दुश्मन को कोई मौका नहीं मिलेगा और भरोसेमंद डेट्रेंस। यहीं पर भारत को पाकिस्तान पर बढ़त मिल जाती है। पाकिस्तान को लेकर दुनिया भर में एक सवाल हमेशा उठता है, क्या पाकिस्तान के परमाणु हथियार सुरक्षित हाथों में है?

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**